www.mpinfo.org/rojgar | www.mpmadhyam.in
डाक पंजीयन क्र. ई-2/भो.स./186/2018-2020
लाइसेंस क्र. टेक/WPP/21-1/2018-20
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84
वर्ष-37, अंक-22, मूल्य ₹10.00

रोज़गार और निर्माण

http://www.rojgaraurnirman.in
प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल, 01.06.2020 से 07.06.2020

मुख्यमंत्री जनकल्याण 'संबल' योजना

मध्यप्रदेश में हर जरूरतमंद को मिलेगी अनुग्रह सहायता - मुख्यमंत्री

संबल योजना गरीबों के कल्याण की योजना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मुख्यमंत्री जनकल्याण 'संबल' योजना की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मंत्रिपरिषद् के सदस्यों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री जनकल्याण 'संबल' योजना के अंतर्गत 3300 हितग्राहियों को 72 करोड़ 66 लाख रुपए की अनुग्रह सहायता सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग कष्ट में हैं, संकट में हैं, उनकी सहायता के लिए यह अनुग्रह राशि प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम सरकार परिवार की तरह चला रहे हैं। समाज के निर्धन वर्ग को जीवन की कठिन परिस्थितियों में 'संबल' का कवच उपलब्ध करवाया गया है। प्रदेश में वर्ष 2018 में प्रारंभ हुई इस योजना को अब प्रभावी रूप से अमल में लाया जा रहा है। योजना का क्रियान्वयन कर जन्म से लेकर असामयिक मृत्यु तक हितग्राहियों को विभिन्न तरह की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रदेश में इस वर्ष 5163 हितग्राहियों को कुल 114 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों की मदद के लिए राज्य सरकार ने 'श्रम सिद्धि अभियान' में रोज़गार उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया है। अन्य प्रदेशों के श्रमिकों को भी आर्थिक सहारा देने का प्रबंध किया गया है। श्रमिकों को मनरेगा में रोज़गार और राशन देने के साथ ही संबल योजना में भी लाभान्वित किया जा रहा है। श्री चौहान ने कहा कि औरंगाबाद में दुर्घटना का शिकार हुए श्रमिकों को तत्काल सहायता उपलब्ध करवाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबल योजना बनाने का उद्देश्य गरीबों और आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। जो सबसे पीछे है और सबसे नीचे है, उनके लिये राज्य सरकार ने संबल योजना प्रारंभ की थी। अब योजना का सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलवाया जाएगा।

हितग्राहियों से की बातचीत

श्री चौहान ने उन छह परिवारों से चर्चा की जिन्हें परिजन की मृत्यु पर दो-दो लाख रुपए की सहायता दी गई। मुख्यमंत्री ने मंदसौर के मल्हारगढ़ निवासी श्री कमलेश से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने धार जिले की श्रीमती जया व्यास तथा उनके बेटे आधार से भी चर्चा की। पारिवारिक रूप से की गई बातचीत के क्रम में श्री चौहान ने बैतूल जिले के प्रभात पट्टन की श्रीमती अनीता बाई से चर्चा कर बेटियों का हालचाल पूछा। श्रीमती अनीता ने बताया 8 जून से परीक्षाएं शुरू हो रही हैं जिसकी तैयारी उनकी बेटी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा आप सभी परिवार का ध्यान रखना।

श्री चौहान ने विदिशा जिले के ग्यारसपुर की श्रीमती चंद्रावती से बातचीत की। श्रीमती चंद्रावती की बेटी सोनम कक्षा 10 में पढ़ती है। मुख्यमंत्री ने सोनम को अच्छी तरह पढ़ाई करने को कहा। मुख्यमंत्री ने रतलाम के श्री प्रहलाद पाटीदार से भी चर्चा की। इस परिवार को भी परिजन की मृत्यु की राशि प्राप्त हुई है।

सतना जिले के नागौद की श्रीमती कमला को संबल योजना में सहायता राशि दी गई है। सभी परिवार श्री चौहान से हुई आत्मीय बातचीत में भावुक थे।

ग्रामीण आबादी सर्वेक्षण योजना

ग्रामीणों को उनके भू-खण्ड पर मिलेगा मालिकाना हक

भोपाल, मध्यप्रदेश में ग्रामीण बसाहट का सर्वे कर अधिकार अभिलेख तैयार कर ग्रामीण जनता को उनके भू-खण्ड पर मालिकाना हक प्रदान किया जाएगा। ग्रामीणों के हित में योजना के तहत तैयार किये गये डाटाबेस से पंचायत स्तर पर सम्पत्ति रजिस्टर भी तैयार किये जायेंगे। ग्रामीणों को यह सौगात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल को शुरू की गई 'ग्रामीण आबादी सर्वेक्षण योजना' की घोषणा के तहत प्राप्त होगी। भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और राजस्व विभाग के माध्यम से यह कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आबादी सर्वेक्षण योजना को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिये हैं। भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा आगामी जून माह के प्रथम सप्ताह में हरदा एवं डिंडोरी जिले के कुछ गांव में कार्य प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को दिशा-निर्देश जारी किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना के तहत प्रथम वर्ष में प्रदेश के 10 पायलेट जिलों का चयन किया गया है, शेष 43 जिलों का सर्वे द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में क्रमबद्ध किया जाएगा। प्रथम चरण में शामिल 10 जिलों मुरैना, श्योपुर, सागर, शहडोल, खरगौन, विदिशा, भोपाल, सीहोर, हरदा और डिंडोरी जिले के 10 हजार 553 राजस्व गांव शामिल किये गये हैं। इन सभी राजस्व गांवों में आबादी भूमि के सर्वे का कार्य तीन चरणों में किया जाएगा।

योजना का लक्ष्य

ग्रामीण आबादी सर्वेक्षण योजना का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण सम्पत्तियों का अधिकार अभिलेख तैयार करना और प्रत्येक सम्पत्ति स्वामी को उसकी सम्पत्ति का स्वामित्व अभिलेख उपलब्ध करवाना है, जो उसके स्वत्व तथा स्वामित्व का प्रमाण होगा।

योजना की लागत

योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिये योजना की लागत का वर्षवार वर्गीकरण किया गया है। वर्ष 2020-21 में 17 करोड़ 85 लाख रुपये, वर्ष 2021-22 में 40 करोड़ 6 लाख रुपये, इस प्रकार तीन वर्षों में 97 करोड़ 97 लाख रुपये की राशि व्यय होगी। इस राशि में भारत सरकार द्वारा भारतीय सर्वेक्षण विभाग को सीधे किये जाने वाला भुगतान 29 करोड़ 9 लाख रुपये, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किये जाने वाले कार्य पर होने वाला व्यय 27 करोड़ 55 लाख रुपये और राजस्व विभाग द्वारा किये जाने वाले कार्यों पर होने वाला व्यय 41 करोड़ 33 लाख रुपये शामिल है।

योजना का कार्यक्षेत्र

आबादी सर्वे अन्तर्गत केवल उन सम्पत्ति धारकों का अधिकार अभिलेख तैयार किया जाएगा, जो मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता-1959 (यथा संशोधित-2018) के लागू होने की तिथि 25 सितम्बर 2018 को आबादी भूमि पर काबिज थे अथवा जिन्हें इसी तिथि के बाद विधिपूर्वक आबादी भूमि में भू-खण्ड का आवंटन किया गया हो।

सर्वे का कार्य तीन चरणों में

योजनान्तर्गत आबादी भूमि के सर्वे का कार्य तीन चरणों में किया जायेगा। प्रथम चरण में जागरूकता अभियान और ग्राम सभाओं का आयोजन, द्वितीय चरण में सर्वे की कार्यवाही में ड्रोन के माध्यम से सर्वे का प्रारूप अभिलेख का निर्माण एवं घर-घर जाकर सत्यापन का कार्य होगा। तृतीय चरण में सर्वे पश्चात की कार्यवाही जैसे दावा-आपत्ति दर्ज एवं उनका निराकरण, सम्पत्ति धारकों को सम्पत्ति कार्ड एवं अन्य अधिकार अभिलेख का वितरण किया जाएगा।

हितधारकों को होने वाले लाभ

ग्रामीण आबादी सर्वेक्षण योजना में ग्रामीण सम्पत्तियों का अधिकार अभिलेख होगा, प्रत्येक सम्पत्ति धारक को उसकी सम्पत्ति का स्वामित्व प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। सम्पत्तियों पर बैंक से ऋण लेना आसान होगा। सम्पत्तियों के पारिवारिक विभाजन, सम्पत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया सुगम होगी और पारिवारिक सम्पत्ति के विवाद कम होंगे।

विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं ऑफलाइन आयोजित होंगी

भोपाल, मध्यप्रदेश के सभी शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों की स्नातक अंतिम वर्ष तथा स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाओं की परीक्षाएं ऑफलाइन आयोजित होंगी। 29 जून से 31 जुलाई के मध्य पेन पेपर मोड पर परीक्षा केंद्रों पर जाकर विद्यार्थियों को परीक्षा देनी होगी।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव तथा सभी शासकीय, अशासकीय स्वशासी, अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों को परीक्षाओं एवं अकादमी कैलेंडर के संबंध में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय परीक्षाओं के संचालन में परीक्षा केंद्रों पर सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन किया जाना अनिवार्य होगा। स्नातक प्रथम, द्वितीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर और अन्य पाठ्यक्रमों की नियमित परीक्षाएं स्थानीय स्तर पर परिस्थितियां सामान्य होने पर आयोजित की जा सकेंगी। स्नातक कक्षाओं के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में प्रवेश देकर एक सितंबर 2020 से नया सत्र प्रारंभ किया जाएगा।

तकनीकी शैक्षणिक संस्थाओं के अतिथि विद्वानों के मानदेय भुगतान के निर्देश

भोपाल, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा विभाग ने संचालक तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों और आईटीआई में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों को नियमानुसार लॉकडाउन अवधि का भी मानदेय भुगतान की कार्यवाही निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए हैं। तकनीकी शैक्षणिक संस्थाओं में लगभग एक हजार अतिथि विद्वान सेवाएं दे रहे हैं।

इलाज की सर्वोत्तम व्यवस्था सुनिश्चित कर मृत्यु दर कम करें - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोरोना इलाज की सर्वोत्तम व्यवस्था सुनिश्चित कर मृत्यु दर को कम करना है। हमारे लिए हर जान कीमती है। इलाज में थोड़ी भी चूक बर्दाश्त नहीं होगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वरिष्ठ अधिकारियों एवं चिकित्सकों के साथ बैठक में कहीं। बैठक में कोविड-19 के कारण हुई एक-एक मौत का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनालिसिस किया गया। सर्वप्रथम मेडिकल कॉलेज इंदौर के डीन एवं चिकित्सा विशेषज्ञ के साथ कोविड-19 के कारण वहां हुई मृत्यु का विस्तृत विश्लेषण किया गया।

कहीं भी कम्युनिटी स्प्रेड की स्थिति न बने

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी कम्युनिटी स्प्रेड की स्थिति न बने, इसके लिए सभी कलेक्टर्स गहन सर्वे, कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, टेस्टिंग के साथ ही संक्रमित क्षेत्रों में सख्ती से लॉकडाउन का पालन तथा अन्य सभी सावधानियां सुनिश्चित करें।

मध्यप्रदेश की मृत्यु दर 4.3 प्रतिशत

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री सुलेमान ने बताया कि मध्यप्रदेश में कोरोना मृत्यु दर 4.3 प्रतिशत है।

कोई मृत्यु न हो, पूरा ध्यान रखें

रीवा जिले की समीक्षा में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि जिले में कोरोना से कोई मृत्यु न हो, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने बताया कि जिले में 35 कोरोना पॉजिटिव मरीज थे, जिनमें से 10 डिस्चार्ज हो गए हैं। एक्टिव मरीजों की संख्या 25 है। जिले में कोरोना से कोई मृत्यु नहीं हुई है।

उज्जैन का ट्रॉमा सेंटर तैयार

श्री सुलेमान ने बताया कि उज्जैन का ट्रॉमा सेंटर कोविड अस्पताल के रूप में तैयार हो गया है। अमलतास अस्पताल देवास भी अनुबंधित कर लिया गया है।

3 वरिष्ठ अधिकारी रखेंगे इंदौर, भोपाल, उज्जैन पर विशेष नजर

बैठक में निर्णय लिया गया कि इंदौर, भोपाल एवं उज्जैन की कोरोना संबंधी व्यवस्थाओं पर 3 वरिष्ठ अधिकारी विशेष नजर रखेंगे। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री सुलेमान इंदौर की, प्रमुख सचिव श्री फैज अहमद किदवई भोपाल की तथा प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला उज्जैन की व्यवस्थाओं पर विशेष नजर रखेंगे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण के एक्टिव प्रकरणों में कमी आयी है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पिछला सप्ताह

23 मई

डाक विभाग ने 15 देशों के लिये शुरू की अंतर्राष्ट्रीय बुकिंग

● भारतीय डाक विभाग ने कोरोना वायरस संक्रमण के बाद हालात सामान्य करने की दिशा में पहल करते हुये 15 देशों के लिये अंतर्राष्ट्रीय बुकिंग शुरू कर दी है। यह जानकारी केंद्रीय दूरसंचार मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने दी। श्री प्रसाद ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय डाक की डिलिवरी विमानन सेवाओं पर निर्भर करेगी। उन्होंने बताया कि अन्य अंतर्राष्ट्रीय पार्सल और पत्रों की बुकिंग अभी निलंबित रहेगी।

● ब्रिटेन ने कोरोना वायरस की जांच के लिये नई टेस्ट किट बनाई है, जिससे मात्र 20 मिनट में नतीजे सामने आयेंगे। इस टेस्ट किट के जरिये ऑन स्पॉट संक्रमित व्यक्ति की पहचान हो पायेगी। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने इस टेस्ट किट के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि स्वैब टेस्ट में संक्रमण की जांच के बाद संक्रमण को पकड़ने में काफी समय लगता था, लेकिन अब बेहद कम समय में कोरोना संक्रमण की जांच हो सकेगी। ब्रिटेन में इस टेस्ट किट को जरूरतमंदों को फ्री में उपलब्ध कराया जायेगा। इस एंटीबॉडी टेस्ट से ये भी पता चल पायेगा कि कोई इंसान पहले कोरोना के संक्रमण में आया है या नहीं।

● भारत सरकार ने विदेशों में फंसे प्रवासी भारतीय नागरिक (आईसीआई) कार्ड धारकों की कुछ श्रेणियों को भारत की यात्रा करने की अनुमति प्रदान की है। इनमें विदेशों में जन्में नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं, जो ओसीआई कार्ड रखते हैं। इसके अलावा ऐसे छात्र जिनके माता-पिता भारतीय हैं तथा ऐसे नागरिक जो परिवार की आपात स्थिति में जाना चाहते हैं, उन्हें भी यात्रा की अनुमति दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि इन नागरिकों को वंदे भारत मिशन के अगले चरण के तहत ही वापस लाया जायेगा।

24 मई

आईसीएसई और आईएससी की परीक्षाएं 1 से 14 जुलाई तक होंगी

● काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने आईसीएसई और आईएससी की शेष परीक्षाओं के लिये शेड्यूल जारी किया है। संशोधित शेड्यूल के अनुसार, कक्षा दसवीं की शेष परीक्षाएं 2 से 12 जुलाई तक आयोजित की जायेंगी और कक्षा बारहवीं की शेष परीक्षाएं 1 से 14 जुलाई तक आयोजित होंगी। ये परीक्षाएं देशभर के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जायेंगी। सीआईएससीई ने विद्यार्थियों से कहा कि वे परीक्षा केंद्रों पर समय से पहले पहुंचे, ताकि भीड़भाड़ से बचने के लिये विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र में एक-एक कर आसानी से प्रवेश कराया जा सके।

● केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं को बड़ी राहत देते हुये एक अप्रैल से 21 मई तक 26 हजार 242 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया है। सीबीडीटी के अनुसार, 15 लाख 81 हजार 906 आयकरदाताओं को कुल 14 हजार 632 करोड़ रुपये तथा 1 लाख 2 हजार 392 करदाताओं को 11 हजार 610 करोड़ रुपये का कॉर्पोरेट कर रिफंड जारी किया गया है। आयकर विभाग ने कहा कि वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारण द्वारा कुछ दिन पहले आत्मनिर्भर भारत योजना की घोषणा किये जाने के बाद रिफंड वापसी की प्रक्रिया को तीव्र किया गया है।

Central Board of Direct Taxes (CBDT)

● केंद्र सरकार ने प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियों की बिक्री पर लगी रोक को एक वर्ष के लिये टाल दिया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने ट्विटर के जरिये बताया कि देवीय प्रतिमाओं के लिये प्लास्टर ऑफ पेरिस पर पाबंदी का निर्णय एक वर्ष के लिये स्थगित कर दिया गया है। जिन लोगों ने (पीओपी) से मूर्तियां बना ली हैं, उन्हें नुकसान नहीं होगा। उन्होंने बताया कि सरकार के इस फैसले से पीओपी से मूर्तियां बना चुके या कच्चे माल की खरीदी कर चुके मूर्तिकारों को राहत मिलेगी।

25 मई

15 हजार केंद्र पर आयोजित होंगी सीबीएसई की शेष परीक्षाएं

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बारहवीं कक्षा की शेष परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा कर दी है। इन परीक्षाओं में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके, इसलिये देशभर में 15 हजार सेंटर्स बनाए गये हैं। पहले सिर्फ 3 हजार सेंटर्स पर ये परीक्षाएं आयोजित होती थीं। अब विद्यार्थी जिस स्कूल में पढ़ता है, वहीं उसका परीक्षा केंद्र होगा। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई दसवीं और बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य पहले ही शुरू कर चुका है। सीबीएसई के सचिव अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि 70 प्रतिशत से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाना है। इसके लिये लगभग 1.5 महीने का समय लगेगा, इसके बाद ही परिणाम घोषित किया जा सकता है।

● चीन ने एक मानवरहित ड्रोन हेलिकॉप्टर बनाया है। इस ड्रोन हेलिकॉप्टर ने पहली उड़ान भरी। इस ड्रोन हेलिकॉप्टर को विशेष रूप से पहाड़ी इलाकों में निगरानी करने के लिये बनाया गया है। इस ड्रोन हेलिकॉप्टर को चीन की सरकारी कंपनी एविएशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना ने बनाया है। इसे एआर-500 सी नाम दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह अत्याधुनिक ड्रोन हेलिकॉप्टर है, जो 5 हजार मीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है।

26 मई

अमेरिका ने किया लेजर हथियार का सफल परीक्षण

● अमेरिकी नौसेना ने एक हाई एनर्जी लेजर हथियार का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह परीक्षण प्रशांत महासागर में स्थित एक युद्धपोत पर किया गया है। अमेरिकी नौसेना की पैसिफिक फ्लीट ने बताया कि यह एक लेजर हथियार है, जो किसी भी एयरक्राफ्ट को हवा में ही नष्ट कर सकता है। अमेरिकी नौसेना ने इस परीक्षण का वीडियो भी जारी किया है। पैसिफिक फ्लीट ने कहा कि यह लेजर हथियार ड्रोन या हथियारों से लैस छोटी नौकाओं के खिलाफ उपयोग में लाया जा सकता है।

● तुर्की में लगभग 13 वर्ष बाद इजराइली विमान उतरा। एक समाचार एजेंसी के अनुसार, इजराइली एयरलाइंस एल अल का एक विमान जो कोरोना प्रभावित अमेरिका की सहायता के लिये 24 टन मानवीय सहायता और उपकरण लेकर अमेरिका जा रहा था उसने इस्तांबुल के हवाईअड्डे पर लैंड किया। उल्लेखनीय है कि एल अल इजराइल की एक मात्र एयरलाइन है, जिसने वर्ष 2007 में इस्तांबुल का रूट रद्द कर दिया था। एयरलाइन ने यह कदम दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों और उच्च सुरक्षा के चलते उठाया था। उसके बाद से ही अब तक आपातकालीन और निजी विमानों को छोड़कर किसी भी इजराइली विमान ने तुर्की में लैंड नहीं किया है।

● अगले अकादमिक वर्ष से राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिये एक साझा या एकल ऑनलाइन काउंसलिंग पर विचार करना चाहिये। यह बात सुप्रीम कोर्ट ने कही है। जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस दिनेश माहेश्वरी की पीठ ने एक मामले की सुनवाई में कहा कि इस काउंसलिंग का उद्देश्य देश में (मेडिकल के) डिग्री और डिप्लोमा तथा डीएनबी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश की जानकारी देना है।

27 मई

कोरोना संक्रमण के सामुदायिक प्रसार का पता लगाने के लिये होगा 'सेरोसर्वे'

● कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम तथा इसके सामुदायिक प्रसार का पता लगाने के लिये कोरोना से प्रभावित प्रमुख शहरों में 'सेरोसर्वे' किया जायेगा। इस सर्वे के लिये इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और अन्य एजेंसियों के शोधकर्ताओं ने दिशा-निर्देश तैयार किये हैं। आईसीएमआर के अनुसार, पहले कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित 10 शहर- मुंबई, दिल्ली, पुणे, अहमदाबाद, ठाणे, इंदौर, जयपुर, चेन्नई और सुरत में सेरोसर्वे होगा। इसके बाद 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 60 जिलों में भी सेरोसर्वे होगा। इन जिलों का निर्धारण प्रति एक लाख की आबादी पर संक्रमण के मामलों के आधार पर होगा। इन्हें चार श्रेणियों- (शून्य, निम्न, मध्यम और उच्च) में बांटा गया है। प्रत्येक श्रेणी से 15 जिलों का चयन किया जायेगा और कुल 24 हजार लोगों के सैंपल की जांच होगी। उल्लेखनीय है कि सेरोसर्वे में एक ग्रुप के ब्लड सीरम को इकट्ठा करके उसे अलग-अलग स्तर पर मॉनिटर किया जाता है।

● केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने ऐसे होटलों को 1 से 5 स्टार के बीच दी गई रेटिंग की मान्यता 30 जून तक बढ़ा दी है, जिनकी मान्यता 24 मार्च से 29 जून के बीच समाप्त हो रही है। इसके अलावा पर्यटन मंत्रालय ने टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट और टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स की सभी श्रेणियों को 6 माह की छूट या विस्तार देने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि पर्यटन मंत्रालय पर्यटकों के लिये अपेक्षित मानकों के अनुरूप स्टार रेटिंग प्रणाली के तहत होटलों का वर्गीकरण करता है। यह वर्गीकरण 5 वर्ष के लिये वैध होता है।

● केंद्र सरकार ने जूम जैसा देशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एप बनाने के लिये 10 आईटी कंपनियों को चुना है। इनमें एचसीएल, जोहो, पीपुललिंक, एरिया टेलीकॉम, साइबर हेरीजोन, दर्श, इंस्ट्राइव सॉफ्टलैब्स, यूनिफाइड कम्यूनिकेशन और डाटा इंजीनियर्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों को प्रोटोटाइप बनाने के लिये 5-5 लाख रुपये दिये जायेंगे। इसके बाद दूसरे चरण में इन दस में से तीन कंपनियों को पूरा एप बनाने के लिये कहा जायेगा तथा 20-20 लाख रुपये दिये जायेंगे। अंतिम चरण में बेस्ट एप बनाने वाली कंपनी को एक करोड़ रुपये दिये जायेंगे।

28 मई

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाइड्रॉक्सी-क्लोरोक्वीन के ट्रायल पर लगाई रोक

● मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवा हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) का कोरोना के इलाज में भी उपयोग हो रहा है। लेकिन अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना के इलाज में एचसीक्यू के ट्रायल पर रोक लगा दी है। डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस एडनोम ने बताया कि डब्ल्यूएचओ एग्जीक्यूटिव ग्रुप ने फिलहाल सॉलिडैरिटी ट्रायल के अंतर्गत एचसीक्यू पर अस्थाई रोक लगाई है। डब्ल्यूएचओ के इस फैसले के बाद फ्रांस, इटली और बेल्जियम सहित कई यूरोपीय देशों ने कोरोना मरीजों पर एचसीक्यू के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फैसला किया है।

● हिंद महासागर में चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिये भारतीय वायुसेना के 18वें स्क्वॉड्रन का संचालन शुरू हो गया है। कोयम्बटूर के नजदीक सुलूर एयर फोर्स स्टेशन पर 18वें स्क्वॉड्रन की तैनाती की गई। यह कई आधुनिक खूबियों से लैस स्वदेशी युद्धक विमान तेजस से सुसज्जित दूसरा स्क्वॉड्रन है। वायुसेना के एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने तेजस विमान में उड़ान भरकर इस स्क्वॉड्रन की शुरुआत की। इसे 'फ्लाइंग बुलेट्स' नाम दिया गया है।

● भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दर में 0.40 प्रतिशत की कमी की है। यह एक महीने में दूसरा अवसर है जब एसबीआई ने ब्याज दरों में कमी की है। बैंक ने बल्क डिपॉजिट (2 करोड़ रुपये या इससे अधिक) की ब्याज दरों में भी 0.50 फीसदी तक की कटौती की है। इससे पहले एसबीआई ने 12 मई को 3 वर्ष की सावधि जमा पर ब्याज दरों में 0.20 फीसदी तक की कटौती की थी।

29 मई

आधार पर ई-केवाईसी से अब तत्काल मिलेगा पैन-नंबर

● आधार पर अब ई-केवाईसी के जरिये तत्काल पैन नंबर मिल सकेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने पैन नंबर को इंस्टेंट आबंटन (रियल टाइम बेसिस) की सुविधा को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बताया कि यह सुविधा अब उन पैन आवेदकों के लिये उपलब्ध है, जिनके पास मान्य आधार नंबर उपलब्ध है तथा उनका मोबाइल आधार नंबर के साथ रजिस्टर्ड है। इस सुविधा के तहत पैन नंबर आबंटन की प्रक्रिया पेपरलैस है। आवेदकों को इलेक्ट्रॉनिक पैन (ई-पैन) नंबर बिना किसी शुल्क के जारी किया जायेगा।

● भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में एडवांस आरक्षण की अवधि 30 दिन से बढ़ाकर 120 दिन कर दी है। आरक्षण का यह प्रावधान 230 ट्रेनों पर लागू होगा। इन ट्रेनों में से 30 ट्रेनों का संचालन 12 मई से शुरू हो गया है, जबकि 200 ट्रेनों का संचालन एक जून से शुरू होगा। इसके अलावा रेलवे ने ट्रेनों में पार्सल बुकिंग की सुविधा को भी एक जून से शुरू करने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि देशभर में लॉकडाउन के कारण ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया था, लेकिन अब ट्रेनों की व्यवस्था वापस पटरी पर लौट रही है।

● हांगकांग में नया सुरक्षा कानून लाने की चीन की कोशिश के खिलाफ विश्व के कई देश एकजुट हो गये हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने संयुक्त बयान जारी कर चीन के कदम की आलोचना करते हुये कहा कि हांगकांग में नया सुरक्षा कानून वर्ष 1984 के ब्रिटेन-चीन समझौते का उल्लंघन है। इससे हांगकांग की स्वायत्ता पर खतरा उत्पन्न होगा।

रेरा ने घटाई एक प्रतिशत प्रतिकर दर

भोपाल, रियल एस्टेट सेक्टर पर कोविड-19 कोरोना महामारी के दुष्प्रभावों को कम करने और उसे राहत देने के लिये प्रयास निरंतर जारी हैं।

रेरा प्राधिकरण ने रियल एस्टेट सेक्टर को राहत देने के उद्देश्य से संप्रवर्तक पर नियत समय के बाद आवास अंतरण करने की स्थिति में आरोपित किये जाने वाले प्रतिकर की दर में एक प्रतिशत की कमी की है। पूर्व में यह दर 10 प्रतिशत थी जो अब घटाकर 9 प्रतिशत कर दी गयी है। कोरोना महामारी के कारण हुये लॉकडाउन के कारण प्रोजेक्ट्स के प्रभावित हुए कार्य की भरपाई के लिये प्रदेश में पंजीकृत सभी प्रोजेक्ट्स को रेरा प्राधिकरण द्वारा 6 माह की अवधि पहले ही प्रदान की जा चुकी है।

कोरोना की वजह से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिये हाल ही में रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अनेक राहतों की घोषणा की गयी है। रेपो रेट में 0.40 फीसदी की कटौती की गयी है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

रोज़गार और निर्माण वर्ष 37, अंक 22, 01.06.2020 से 07.06.2020

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े ● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी ● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह ● उप सम्पादक - रंजना चितले ● उप महाप्रबंधक - अजीत रोमन (विज्ञापन और प्रसार)
● प्रबंधक - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार) ● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन) ● आकल्पन - आशा रोमन, हेमंत वायंगणकर, सुशील लांडगे ● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर सम्पादक, रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-

रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011, फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : mpmdtp@yahoo.com**

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस

मध्यप्रदेश में बड़ी संख्या में वन मौजूद हैं। इन वनों में अनेक तरह के वनोपजों का उत्पादन होता है। ग्रामीण और वनों के समीप रहने वाले लोगों के लिये यह आमदनी का एक बेहतर जरिया है। मध्यप्रदेश में तेंदूपत्ता का संग्रहण भी बड़ी मात्रा में किया जाता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से सिंगल क्लिक के जरिये तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता विक्रय वर्ष 2018 की बोनस राशि कुल 184 करोड़ रुपये के बोनस का भुगतान प्रारंभ किया। शुरुआत में पूर्व मंडला वनमंडल की ग्यारह समितियों को 12.82 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। शेष सभी संग्राहकों को समितियों के माध्यम से शीघ्र राशि प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कुछ तेंदूपत्ता संग्राहकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आदिवासियों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न वनोपजों का मूल्य 19 से 53 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। जिससे उन्हें संकट की इस घड़ी में कुछ राहत मिल सके। सरकार लघु वनोपज संघ के माध्यम से समर्थन मूल्य पर इनका संग्रहण कर रही है। इसके अलावा सभी क्षेत्रों में मनरेगा के कार्य भी बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी को रोज़गार दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महुआ फूल का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के बाद हमने व्यापारियों एवं लघु वनोपज संघ द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं उससे अधिक दर पर लगभग 1 लाख 25 हजार क्विंटल महुआ फूल को खरीद लिया है, जिससे सीजन समाप्त होने पर 50 करोड़ रुपये से अधिक की आमदनी आप सभी बहनों-भाइयों को प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने लगभग 11 लाख परिवारों के 32 लाख संग्राहकों के माध्यम से 9.74 लाख मानक बोरा से अधिक तेंदूपत्ता संग्रहण कर तेंदूपत्ता संग्राहकों को 26.38 करोड़ रुपये नकद भुगतान कर दिया है। राज्य में तेंदूपत्ते की संग्रहण दर 250 रुपये प्रति सैकड़ा है। इस वर्ष 16 लाख 29 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ते का संग्रहण प्रस्तावित है, जिससे लगभग 400 करोड़ रुपये राशि का वितरण तेंदूपत्ता संग्राहकों को किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों की सुरक्षा के लिये मुख्यमंत्री तेंदूपत्ता संग्राहक योजना चलायी जा रही है। इस योजना में हमारे तेंदूपत्ता संग्राहकों को सामान्य मृत्यु पर दस हजार रुपये, आंशिक अपंगता पर बीस हजार रुपये, पूर्ण अपंगता पर 50 हजार रुपये एवं दुर्घटना में मृत्यु पर दो लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत नौ सौ एक संग्राहकों को 4 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। श्री चौहान ने बताया कि आदिवासी भाई-बहनों के बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें इसके लिये प्रदेश में एकलव्य शिक्षा योजना चलायी जा रही है। इस योजना में 9वीं कक्षा से स्नातक तक के विद्यार्थियों को 12 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक प्रतिवर्ष प्रदान किये जाते हैं। अभी तक लगभग बाईस सौ विद्यार्थियों को 2.32 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। मध्यप्रदेश में लघु वनोपज संग्रह करने वाले और तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनायें चलाई जा रही हैं। इसका भरपूर फायदा प्रदेश के वनवासी भाइयों और बहनों को मिलेगा।

ब्रह्मांड को जानें

पृथ्वी

गतांक से आगे- पृथ्वी तथा अन्य ग्रहों की रचना के संबंध में आधुनिक सिद्धांत कापरनिकस पर आधारित है। इससे 200 वर्ष पूर्व ही भूगर्भशास्त्रियों ने वैज्ञानिक जानकारी पाने की कोशिश की। चट्टानों के अध्ययन पर आधारित उनके निष्कर्षों के अनुसार, पृथ्वी की आयु लगभग 4,600 करोड़ वर्ष है। भूकम्पों के अध्ययन से पृथ्वी की आंतरिक संरचना का ज्ञान हमें मिलता है। भूकम्प से निकली कम्प तरंग उन भौतिक प्रकृतियों को बताती है, जिनसे वे गुजरती हैं। इन अध्ययनों से मालूम होता है कि पृथ्वी का केंद्र ठोस आंतरिक कोड है, जिसका घनत्व लगभग 13 ग्राम प्रति घन सेंटीमीटर है। आंतरिक कोड लगभग 1,370 किलोमीटर मोटा है और लगभग 2,080 किलोमीटर के बाहरी कोड से घिरा है। बाहरी कोड पिघला हुआ लगता है। बाहरी कोड मैटल से घिरा हुआ है, जिसकी मोटाई लगभग 2,900 किलोमीटर है। मैटल का ऊपरी भाग पृथ्वी की परत से ढका है, जिसकी मोटाई 12 से 60 किलोमीटर की है। आंतरिक कोड के केंद्र में अर्थात लगभग 6,370 किलोमीटर की गहराई में तापमान लगभग 4,000 डिग्री सेल्सियस तक है और दबाव लगभग 40 लाख वायुमंडलों तक पहुंचता है। क्रमशः.....

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व दुग्ध दिवस 1 जून

दूध और उसके उत्पादों के महत्व के प्रति जागरुकता बढ़ाना है बेहद ज़रूरी

राजा दुबे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

दूध को उपयोगी स्वास्थ्यप्रद पेय के रूप में प्रतिष्ठित करने, जीवनयापन के लिये दूध और इसके उत्पादों के महत्व के बारे में लोगों में जागरुकता बढ़ाने और कृषि उत्पादन के एक महत्वपूर्ण अंश के तौर पर दुग्ध कृषि (डेयरी फार्मिंग) को बढ़ावा देने और दुग्ध उद्योग से जुड़ी गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के अवसर प्रदान करने के लिये संयुक्त राष्ट्र के संगठन खाद्य और कृषि संगठन द्वारा प्रति वर्ष 1 जून को विश्व स्तर पर- 'विश्व दुग्ध दिवस' मनाने की परम्परा आरम्भ की गई थी। तिथि का निर्धारण इस दृष्टि से किया गया था कि विश्व के कई देशों में इसी तिथि के आसपास दुग्ध दिवस मनाया जाता था। चूँकि, 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' को भारत में दुग्ध उत्पादन के सहकारी कर के परिकल्पक और दुग्ध के विपुल उत्पादन के महात्वाकांक्षी कार्यक्रम- 'श्वेतक्रांति' के प्रणेता डॉ. वर्गीज कुरियन की स्मृति में 26 नवम्बर को मनाते हैं अतः हमने राष्ट्रीय दुग्ध दिवस को उसी दिन मनाने और- 'विश्व दुग्ध दिवस' एक जून को ही मनाने का निश्चय किया। विश्व दुग्ध दिवस के इस उत्सव में वर्ष दर वर्ष भाग लेने वाले देशों की संख्या बढ़ती ही चली जा रही है, पूरे विश्व भर में दूध और दुग्ध उद्योग से संबंधित क्रिया-कलापों के प्रचार-प्रसार में हर वर्ष ध्यान केंद्रित करने के लिये इसे मनाया जाता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्सव संबंधित क्रियाकलापों को आयोजित करने के द्वारा इस उत्सव के वैश्वीकरण के प्रयास किये जाते हैं।

दुग्ध उत्पादन का नया भाष्य है दुग्ध कृषि

दुग्ध कृषि (डेयरी फार्मिंग) या 'डेरी उद्योग' या 'दुग्ध उद्योग' कृषि की एक श्रेणी है और इसे दुग्ध उत्पादन का नया, व्यावहारिक और वैज्ञानिक भाष्य कहा जाता है। यह पशुपालन से जुड़ा एक बहुत लोकप्रिय उद्यम है, जिसके अन्तर्गत दुग्ध उत्पादन, उसके प्रसंस्करण और खुदरा बिक्री के लिए किए जाने वाले कार्य आते हैं। इसके वास्ते गाय-भैंसों, बकरियों या कुछेक अन्य प्रकार के पशुधन के विकास का भी काम किया जाता है। डेरी फार्मिंग के अंतर्गत दूध देने वाले मवेशियों का प्रजनन तथा देखभाल, दूध की खरीद और इसकी विभिन्न डेयरी उत्पादों के रूप में प्रोसेसिंग आदि कार्य सम्मिलित हैं।

भारत में दुग्ध उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है

भारत की बहत्तर प्रतिशत से अधिक आबादी गांवों में निवास करती है और साठ प्रतिशत लोग कृषि व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। करीब सात करोड़ कृषक परिवार में प्रत्येक दो ग्रामीण घरों में से एक डेयरी उद्योग से जुड़े हैं। भारतीय दुग्ध उत्पादन से जुड़े महत्वपूर्ण सांख्यिकी आंकड़ों के अनुसार देश में सत्तर प्रतिशत दूध की आपूर्ति छोटे या सीमांत या भूमिहीन किसानों से होती है। भारत में कृषि भूमि की अपेक्षा गायों का ज्यादा समानतापूर्वक वितरण है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में डेयरी-उद्योग की प्रमुख भूमिका है। देश में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में इसे मान्यता दी गई है। कृषि और डेयरी-फार्मिंग के बीच एक परस्पर निर्भरता वाला संबंध है। कृषि उत्पादों से मवेशियों के लिए भोजन और चारा उपलब्ध होता है, जबकि मवेशी पोषण सुरक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के दुग्ध उत्पादों दूध, घी, मक्खन, पनीर, संघनित दूध, दूध का पाउडर, दही आदि का उत्पादन करता है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत का अपना विशेष स्थान है और यह विश्व में सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक और दुग्ध उत्पादों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। संयोग से भारत विश्व में सबसे कम खर्च पर यानी सत्ताईस सेंट प्रतिलीटर की दर से दूध का उत्पादन करता है। यदि वर्तमान रुझान जारी रहता है तो मिनरल वाटर उद्योग की तरह दुग्ध प्रोसेसिंग उद्योग के भी बहुत तेजी से विकसित होने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। अगले दस वर्षों में तिगुनी वृद्धि के साथ भारत विश्व में दुग्ध उत्पादों को तैयार करने वाला अग्रणी देश बन जाएगा। इस उद्योग के तहत सरकारी और गैर- सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर मौजूद हैं। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) विभिन्न स्थानों पर स्थित इस क्षेत्र का प्रमुख सार्वजनिक प्रतिष्ठान है, जो कि किसानों के नेतृत्व वाले व्यावसायिक कृषि संबंधी कार्यों में संलग्न है। देश में चार सौ से अधिक डेयरी संयंत्र हैं जहाँ विभिन्न प्रकार के दुग्ध उत्पाद तैयार किए जाते हैं। संयंत्रों के दक्षतापूर्ण संचालन के वास्ते सुयोग्य और सुप्रशिक्षित कार्मिकों की आवश्यकता होती है।

भारत में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस

भारत में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाने की पहल भारतीय डेयरी एसोसिएशन (आईडीए) ने वर्ष 2014 में पहली बार की थी। डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिन पर प्रत्येक साल 26 नवंबर को देश भर में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। डॉ. कुरियन भारत में श्वेत क्रांति के जनक थे। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस दूध और दूध उद्योग से संबंधित गतिविधियों के प्रचार एवं लोगों में आजीवन दूध एवं दूध उत्पादों के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करने हेतु मनाया जाता है। पहला राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 26 नवम्बर 2014 को मनाया गया था। इस दिवस में 22 राज्यों के विभिन्न दुग्ध उत्पादकों ने भाग लिया था। इतिहास पुरुष डॉ. वर्गीज कुरियन का जन्म 26 नवंबर 1921 को कोझिकोड, केरल में हुआ था। वे एक प्रसिद्ध भारतीय सामाजिक उद्यमी थे और आज भी दुनिया के सबसे बड़े कृषि विकास कार्यक्रम 'ऑपरेशन फ्लड' के लिए जाने जाते हैं। उन्हें भारत में 'श्वेत क्रांति के जनक' के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने करीब 30 संस्थानों की स्थापना की जो विभिन्न किसानों और श्रमिकों द्वारा चलाए जाते हैं। कुरियन ने अमूल ब्रांड की स्थापना एवं सफलता में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें वर्ष 1963 में 'रेमन मैग्सेसे' पुरस्कार और वर्ष 1989 में 'विश्व खाद्य' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1965 में पद्मश्री, वर्ष 1966 में पद्मभूषण और वर्ष 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उन्होंने देश को दूध की कमी वाले देश की सूची से निकालकर विश्व का सबसे अधिक दुग्ध उत्पादक देश बनाया। नब्बे वर्ष की आयु में 09 सितंबर 2012 को उनका निधन हो गया।

दूध एक स्वास्थ्यप्रद पेय है

दूध एक स्वास्थ्यप्रद पेय है। दूध गाय, भैंस और बकरी आदि से प्राप्त होता है मगर हम जब निव्वल दूध की बात करते हैं, तो हमारा आशय भैंस अथवा गाय के दूध से होता है। दूध ठण्डा अथवा गरम करके पिया जाता है। आईये हम दूध पीने के कतिपय फायदों की बात करें -

1. दूध वज़न घटाता है, अगर आप बिल्कुल ठंडा दूध पियें तो शरीर को पहले उसे नॉर्मल तापमान पर लाने के लिये कैलोरी बर्न करनी पड़ेगी और फिर उसे पचाना पड़ेगा। इससे आपका मोटापा नियंत्रण में रहेगा।
2. दूध आपको सचेत रखता है। गुनगुना दूध पीने से नींद आती है, क्योंकि दूध में अमीनो एसिड- ट्रिप्टोफान पाया जाता है, जो कि दूध गर्म होने तथा स्टार्च वाले फूड के साथ पीने से मस्तिष्क को सचेत करता है। ठण्डे दूध में प्रोटीन होने की वजह से ऐसा नहीं हो पाता और इसलिये इसको दिन में कभी भी पी सकते हैं।
3. दूध एसिडिटी को भी मिटाता है। धीरे-धीरे ठण्डा दूध पीने से पेप्टिक अल्सर के कारण से पैदा होने वाला दर्द भी दूर हो जाता है।
4. दूध भूख भी मिटाता है। खाना खाने के बाद अगर आपको बार-बार भूख लगती है, तो आप ठण्डा दूध पी सकते हैं। आप चाहें तो ठंडे दूध में ओट्स मिलाकर भी खा सकते हैं।
5. कॉफी के माध्यम से दूध ताज़गी बढ़ाता है। गर्मी के दिनों में अगर आप कोल्ड कॉफी पियेंगे, तो उससे कॉफी का स्वाद बढ़ेगा और आप एकदम तरोताजा हो जाएंगे।
6. दूध शरीर को तर करता है। ठण्डे दूध में एलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर के डीहाइड्रेशन को रोकते हैं। अगर आप दिन में दो गिलास ठण्डा दूध पियेंगे तो आपका शरीर हमेशा हाइड्रेट (तर) बना रहेगा। दूध पीने का सबसे अच्छा समय है कि सुबह पिया जाए।
7. दूध पचने में आसान होता है। पचने में आसान होने से इसमें गैस को दबाने के गुण होते हैं, जो कि खाना पचाने के लिये लाभकारी हैं। यह फैट, घी या तेल को आराम से पचा सकता है।
8. दूध कठिन व्यायाम के बाद जरूर पियें। जिम में भारी कसरत करने के बाद अगर कोई एनर्जी से भरा पेय पीना है, तो आप ठण्डा दूध पी सकते हैं। इससे मसल्स को रिपेयर होने के लिये प्रोटीन और शरीर को एनर्जी मिलती है।
9. दूध त्वचा को सुन्दर बनाता है। चेहरे पर ठण्डा दूध लगाने से त्वचा साफ और झुर्रीरहित बनती है। इससे त्वचा हाइड्रेट और चिकनी हो जाती है।

इन नौ फायदों के विश्लेषण में यह स्पष्ट है कि दूध एक स्वास्थ्यप्रद पेय है और इसका विपुल उत्पादन देश और सकल विश्व के लिए लाभदायी है और विश्व दुग्ध दिवस पर इन्हीं लाभों के परिप्रेक्ष्य में मंथन किया जाता है।

कार्यालय कलेक्टर (आदिम जाति कल्याण) सिवनी

फोन नं. 07692-220367, फैक्स नं. 226866, ई-मेल : actw.sni@mp.gov.in, actdseoni@rediffmail.com

निविदा विज्ञप्ति

क्र./निर्माण/1161/2020-21 सिवनी, दिनांक 14 मई 2020

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना (ऑनलाइन ई-निविदा प्रथम आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर निविदायें, फार्म ए पर लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दर अनुसूची (भवन कार्य हेतु) जो परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जारी एवं दिनांक 01.08.2014 से प्रभावशील है तथा विद्युतीकरण कार्यों हेतु प्रचलित दर अनुसूची लोक निर्माण विभाग (विद्युत प्रभाग) मध्यप्रदेश द्वारा जारी एवं दिनांक 01.08.2014 से प्रभावशाली (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें, निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियां **https://mptedners.gov.in** पर देखी जा सकती हैं।

कार्यों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	वि.ख.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	निविदा आमंत्रण एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य	ऑनलाइन/ एन.आई.टी. क्र.	अमानत राशि (रु. में)	ठेकेदार की श्रेणी (लो.नि.वि. की केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	कुरई	सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास घाटकोहका में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण।	17.86 (सत्रह लाख छियासी हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82510_1	35720/- (पैंतीस हजार सात सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
2.	कुरई	सीनियर आदिवासी बालक छात्रवास धोवीसर्रा में एक अतिरिक्त कक्ष निर्माण लागत रु. 10.00 लाख एवं आदिवासी बालक छात्रावास दरासीकला में वाउंडरीवॉल निर्माण कार्य लागत रु. 14.00 लाख वि.ख. कुरई।	21.43 (इक्कीस लाख तिरालिस हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82480_1	42860/- (बयालिस हजार आठ सौ साठ रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
3.	घंसौर	हाईस्कूल मेहता में साइंस लैब हेतु 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण वि.ख. घंसौर।	17.86 (सत्रह लाख छियासी हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82498_1	35720/- (पैंतीस हजार सात सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
4.	घंसौर	हायर सेकेण्ड्री स्कूल, बरोदामाल में साइंस लैब एवं लायब्रेरी कक्ष निर्माण वि.खं. घंसौर।	17.86 (सत्रह लाख छियासी हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82500_1	35720/- (पैंतीस हजार सात सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
5.	घंसौर	आदिवासी बालक छात्रावास, कहानी में एक अतिरिक्त कक्ष निर्माण वि.खं. घंसौर।	7.14 (सात लाख चौदह हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82494_1	14280/- (चौदह हजार दो सौ अस्सी रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
6.	घंसौर	आदिवासी बालक छात्रावास, शिकारा में एक अतिरिक्त कक्ष एवं 02 वॉशरूम एवं टायलेट निर्माण वि.खं. घंसौर।	10.71 (दस लाख इकहत्तर हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82472_1	21420/- (इक्कीस हजार चार सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
7.	घंसौर	आदिवासी कन्या छात्रावास, भिलाई में 02 वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.खं. घंसौर।	3.57 (तीन लाख संतावन हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82473_1	7140/- (सात हजार एक सौ चालीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
8.	घंसौर	आदिवासी कन्या छात्रावास, घंसौर में 02 वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.खं. घंसौर।	3.57 (तीन लाख संतावन हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82474_1	7140/- (सात हजार एक सौ चालीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
9.	घंसौर	आदिवासी कन्या छात्रावास, अतरिया में 02 वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.खं. घंसौर।	3.57 (तीन लाख संतावन हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82476_1	7140/- (सात हजार एक सौ चालीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
10.	घंसौर	आदिवासी कन्या छात्रावास, कहानी में 02 वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.खं. घंसौर।	3.57 (तीन लाख संतावन हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82478_1	7140/- (सात हजार एक सौ चालीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
11.	घंसौर	आदिवासी बालक छात्रावास, केदारपुर में 02 वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.खं. घंसौर।	3.57 (तीन लाख संतावन हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82482_1	7140/- (सात हजार एक सौ चालीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
12.	छपारा	हायर सेकेण्ड्री स्कूल, केकडा में साइंस लैब हेतु एक अतिरिक्त कक्ष निर्माण वि.खं. छपारा।	8.93 (आठ लाख तिरानवे हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82483_1	17860/- (सत्रह हजार आठ सौ साठ रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
13.	छपारा	हायर सेकेण्ड्री स्कूल, छपारा में लाईब्रेरी हेतु एक अतिरिक्त कक्ष निर्माण वि.खं. छपारा।	8.93 (आठ लाख तिरानवे हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82485_1	17860/- (सत्रह हजार आठ सौ साठ रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
14.	छपारा	हाईस्कूल, गोरखपुर हेतु एक अतिरिक्त कक्ष निर्माण वि.खं. छपारा।	8.93 (आठ लाख तिरानवे हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82486_1	17860/- (सत्रह हजार आठ सौ साठ रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
15.	लखना दौन	सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास, खमरिया गोसाई में वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.खं. लखनादौन।	4.46 (चार लाख छियालिस हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82492_1	8920/- (आठ हजार नौ सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
16.	लखना दौन	आदिवासी कन्या छात्रावास, लखनादौन एवं उत्कृष्ट कन्या छात्रावास लखनादौन में वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.ख. लखनादौन।	8.93 (आठ लाख तिरानवे हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82493_1	17860/- (सत्रह हजार आठ सौ साठ रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
17.	लखना दौन	सीनियर उत्कृष्ट आदि. कन्या छात्रावास, लखनादौन हेतु 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण वि.खं. लखनादौन।	17.86 (सत्रह लाख छियासी हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82503_1	35720/- (पैंतीस हजार सात सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
18.	लखना दौन	सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास, देवरी में वॉशरूम एवं टॉयलेट का निर्माण वि.खं. घंसौर।	4.46 (चार लाख छियालिस हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82504_1	8920/- (आठ हजार नौ सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
19.	लखना दौन	महाविद्यालयीन आदिवासी कन्या छात्रावास, लखनादौन हेतु 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण वि.खं. लखनादौन।	17.86 (सत्रह लाख छियासी हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82507_1	35720/- (पैंतीस हजार सात सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह
20.	धनौरा	हायर सेकेण्ड्री स्कूल, कुडारी में साइंस लैब एवं लाइब्रेरी कक्ष निर्माण वि.खं. धनौरा।	17.86 (सत्रह लाख छियासी हजार रुपये)	प्रथम, रु. 2000 (दो हजार)	2020_TAD_ 82511_1	35720/- (पैंतीस हजार सात सौ बीस रु.)	स श्रेणी एवं अधिक	06 माह

1. आदिम जाति कल्याण विभाग म.प्र. भोपाल के योजनान्तर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को नियमानुसार पूर्ण कराने हेतु समय सीमा निर्धारित की गई है जो ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है तथा विस्तृत निर्देश पोर्टल पर देखा जा सकता है। 2. शेष अनिवार्य सभी शर्तें ऑनलाइन पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती हैं। 3. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय रसीद, ई.एम.डी. एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करना होगा।

जी-11486/43938/2020 सहायक आयुक्त, वास्ते कलेक्टर सिवनी

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 20/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2020-21 **भोपाल, दिनांक 28.05.2020**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	भौतिक रूप से एनवलय प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफडीआर एवं अन्य दस्तावेज)
1.	2020_ PWDRB _91173_1	भिंड	पुल कार्य	भिंड जिले में लहार अजनार मागरौल मार्ग पर नारदेश्वर मंदिर मडोरी के पास सिंध नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य।	प्रथम	951.50	मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र द्वितीय तल प्लाट नंबर 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल।

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 17.06.2020, (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफडीआर एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 22.06.2020, (17.30) बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त की जावेंगी।

मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल (म.प्र.)

जी-11576/43954/2020

योजनाओं का लाभ सभी किसानों को मिले - कृषि मंत्री

भोपाल, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने भोपाल स्थित मंत्रालय में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हर हाल में शत-प्रतिशत किसानों को सभी योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाये। मंत्री श्री पटेल ने किसानों के हित में संचालित सभी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता जताई।

अप्रमाणित बीज वितरण की होगी जाँच- किसानों को खरीफ 2019-20 में धान और मक्का के अप्रमाणित संकर बीजों के वितरण की जाँच के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उत्तम गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना विभागीय कार्य है। इसके बावजूद किसानों को अप्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जाना किसानों के साथ धोखाधड़ी है। जाँच में दोषी पाये जाने पर संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

किसान मित्रों को प्रशिक्षित किया जायेगा- श्री पटेल ने कहा कि गांवों में किसानों की सहायता के लिये कृषक मित्रों की सहायता ली जायेगी। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि कृषक मित्रों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित कराया जायेगा। कृषक मित्र किसानों को समस्त योजनाओं की जानकारी, बेहतर उत्पादन के लिये खाद, बीज इत्यादि जानकारी देने के साथ मिट्टी परीक्षण में भी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सब्सिडी के लिये भारत सरकार को प्रस्ताव भेजेंगे- मल्टीक्रॉप थ्रेसर में किसानों को मिलने वाली सब्सिडी को बढ़ाने के लिये भारत सरकार को प्रस्ताव भेजे जाने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश संचालक कृषि को दिये। वर्तमान में मल्टीक्रॉप थ्रेसर के लिये अनुसूचित-जाति, जनजाति महिलाएँ और लघु एवं सीमांत किसानों को थ्रेसर की लागत की 50 प्रतिशत अथवा एक लाख रुपये की सब्सिडी दी जाती है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
NATIONAL HEALTH MISSION, DIVISION - GWALIOR
8 Arera Hills, Bhopal (M.P.)
SECTION-1
NOTICE INVITING TENDER

NIT No. 01/2020-21/e-tendering/222 **Dated : 21.05.2020**

Online Percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and Firms of repute fulfilling registration criteria :

Tender No.	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in Lakh)	Earnest Money Deposit EMD (Rs.)	Tender Cost	Period of Completion Including Rainy Season
2020_DHS_90246	Renovation Work of 09 SHC Building To Convert HWC At Distt. Ashoknagar.	63.73	63730/-	10000/-	08 Months
2020_DHS_90247	Renovation Work of 10 SHC Building To Convert HWC At Block Roun Distt. Bhind.	62.42	62420/-	10000/-	08 Months
2020_DHS_90248	Renovation Work of 15 SHC Building To Convert HWC At Block Mehgaon Distt. Bhind.	93.73	93730/-	10000/-	09 Months
2020_DHS_90249	Renovation Work of 12 SHC Building To Convert HWC At Block Gohad Distt. Bhind.	86.64	86640/-	10000/-	09 Months
2020_DHS_90250	Renovation Work of 08 SHC Building To Convert HWC At Lahar Distt. Bhind.	50.33	50330/-	10000/-	06 Months
2020_DHS_90252	Renovation Work of 12 SHC Building To Convert HWC At Block Ater Distt. Bhind.	74.46	74460/-	10000/-	08 Months
2020_DHS_90253	Renovation Work of 18 SHC Building To Convert HWC At Block Phoop Distt. Bhind.	110.81	110810/-	12500/-	12 Months
2020_DHS_90254	Renovation Work of 06 SHC Building To Convert HWC At Block Ghatigaon and Hastinapur Distt. Gwalior.	38.11	50000/-	5000/-	06 Months
2020_DHS_90255	Renovation Work of 06 SHC Building To Convert HWC At Block Bhitarwar Distt. Gwalior.	39.89	50000/-	5000/-	06 Months
2020_DHS_90256	Renovation Work of 06 SHC Building To Convert HWC At Block Dabra Distt. Gwalior.	40.05	50000/-	5000/-	06 Months
2020_DHS_90257	Renovation Work of 11 SHC Building To Convert HWC At Block Pahadgarh Distt. Morena.	90.08	90080/-	10000/-	08 Months
2020_DHS_90258	Renovation Work of 13 SHC Building To Convert HWC At Block Noorabad Distt. Morena.	81.35	81305/-	10000/-	08 Months
2020_DHS_90259	Renovation Work of 14 SHC Building To Convert HWC At Block Porsa Distt. Morena.	81.40	81400/-	10000/-	08 Months
2020_DHS_90260	Renovation Work of 16 SHC Building To Convert HWC At Block Joura Distt. Morena.	99.54	99540/-	10000/-	09 Months
2020_DHS_90261	Renovation And Maintenance Work of 09 SHC Building To Convert HWC At Block Kailaras Distt. Morena.	58.11	58110/-	10000/-	06 Months
2020_DHS_90262	Renovation Work of 14 SHC Building To Convert HWC AT Block Sabalgarh Distt. Morena.	83.30	83300/-	10000/-	08 Months
2020_DHS_90263	Renovation Work of 11 SHC Building To Convert HWC AT Block Khadhiyhar Distt. Morena.	74.53	74530/-	10000/-	06 Months
2020_DHS_90265	Renovation Work of 08 SHC Building To Convert HWC AT Block Guna, Aron Bamori and Raghogarh Distt. Guna.	33.35	50000/-	5000/-	06 Months
2020_DHS_90267	Renovation and Maintenance Work of 07 SHC Building To Convert HWC At Block Binaganj Distt Guna.	45.51	50000/-	5000/-	06 Months
2020_DHS_90267	Construction of Dry Store Hall at HPWTC Campus Distt. Gwalior.	29.48	50000/-	5000/-	06 Months
2020_DHS_90276	Renovation Electrical Work of CHC Basai District Datia.	16.85	33700/-	2000/-	04 Months
2020_DHS_90337	Renovation Work of NRC Block CHC Pahadgarh and Joura Distt. Morena.	21.53	43073/-	5000/-	04 Months

1. Interested bidders can view the detailed NIT on the Website **https://mptenders.gov.in.** 2. The Bid Document can be purchased only online from **28.05.2020, 10.30 AM to 12.06.2020, 17.30 PM**. 3. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Executive Engineer
National Health Mission
8, Arera Hills, Bhopal

G-11529/43944/2020

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग कटनी (म.प्र.)
E-mail-eepwdkatni@mp.nic.im. Phone No. 07622-224277
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक : 03/व.ले.लि./2020-21 **कटनी, दिनांक 13.05.2020**

मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्थापन के अंतर्गत ठेकेदार से राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, भोपाल की प्रभावशील दर अनुसूची दिनांक 01.08.2014 एवं समस्त संशोधन सहित (भवन) एवं दिनांक 29.08.2017 (सड़क) कार्य हेतु निविदायें ऑनलाइन **Appendix 2.10** निविदा में आमंत्रित की जाती हैं। विड सेल ऑनलाइन **http://mptenders.gov.in** पर प्राप्त की जा सकेंगी। निविदायें संबंधित कार्यालय में टेण्डर टाईम शेड्यूल के अनुसार खोली जावेंगी।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	जिला	एस.ओ.आर.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	अनु. लागत राशि (रु. लाख में)	कार्य की अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य करने की संभावित तिथि
1.	2020_PWDRB_88920_1	कटनी	29.08.17	सड़क कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक 1, कटनी के अंतर्गत 5 मार्गों में वी.टी. रिन्यूवल का शेष कार्य (अनुबंध क्रमांक 27/डी.एल./2019-20) मेसर्स सुवीर कुमार जैन	द्वितीय	93.02	0.93020	10000/-	04 माह वर्षाऋतु रहित
2.	2020_PWDRB_88921_1	कटनी	29.08.17	सड़क कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक 1, कटनी के अंतर्गत 3 मार्गों में वी.टी. रिन्यूवल का शेष कार्य (अनुबंध क्रमांक 28/डी.एल./2019-20) मेसर्स सुवीर कुमार जैन	द्वितीय	82.92	0.82920	10000/-	04 माह वर्षाऋतु रहित
3.	2020_PWDRB_88922_1	कटनी	29.08.17	सड़क कार्यारंभ	विलायतकला से रेल्वे स्टेशन पहुँच मार्ग निर्माण का शेष कार्य (अनुबंध क्रमांक 01/डी.एल./2018-19)	द्वितीय	116.67	1.16670	12500/-	08 माह वर्षाऋतु रहित
4.	2020_PWDRB_88923_1	कटनी	29.08.17	सड़क कार्य	विहरिया से खंदवारा मार्ग निर्माण का शेष कार्य (अनुबंध क्रमांक 02/डी.एल./2018-19)	द्वितीय	78.65	0.78650	10000/-	06 माह वर्षाऋतु रहित
5.	2020_PWDRB_88924_1	कटनी	29.08.17	सड़क कार्य	कटनी से बड़ेरा मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 6.20 कि.मी.	प्रथम	392.81	3.92810	15000/-	08 माह वर्षाऋतु रहित
						योग	764.07			

निविदा की कुल अनुमानित राशि रुपये 764.07 लाख (सात करोड़ चौंसठ लाख सात हजार मात्र)

कार्य हेतु निविदा प्रपत्र ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 08.06.2020 सायं 17.30 बजे तक** होगी। निविदा से संबंधित समस्त विस्तृत विवरण शासन की वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

विशेष टीप :- पंजीयन से संबंधित दस्तावेज एवं अमानत राशि मन्यूवली/चैक लिस्ट एवं शपथ-पत्र/आयकर/पैन नंबर/जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति निविदाकार के (स्वयं के नाम पर) EMD/FDR के साथ दिनांक 09.06.2020 सायं 5.30 तक सरल क्रमांक 01 से 05 की निविदा कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग (मध्यक्षेत्र) जबलपुर में केवल पंजीकृत डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। भौतिक लिफाफा नियत समय पर एवं तिथि में संबंधित कार्यालय में प्राप्त न होने पर ऑनलाइन निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग
(भ/स) संभाग, कटनी

जी-11574/43953/2020

DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
NATIONAL HEALTH MISSION, DIVISION - BHOPAL

2nd Floor Satpura Bhawan, Bhopal

SECTION - 1

NOTICE INVITING TENDER

NIT No. 05/2020-21/e-tendering/480 **Dated : 23.05.2020**

Online Percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and Firms of repute fulfilling registration criteria :

Tender No. 2020_DHS	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in Lakh)	Earnest Money Deposit EMD (Rs.)	Tender Cost	Period of Completion
2020_DHS_90527	Renovation and Maintenance Work of 21 SHC Building To Convert HWC At Block Bargi and Shahpura District Jabalpur.	128.96	128960/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90530	Renovation and Maintenance Work of 23 SHC Building To Convert HWC At Block Majholi and Sihora District Jabalpur.	141.16	141160/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90531	Renovation and Maintenance Work of 18 SHC Building To Convert HWC At Block Kundam Patan and Panagar District Jabalpur.	110.48	110480/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90532	Renovation and Maintenance Work of 14 SHC Building To Convert HWC At Block Vijayraghavgarh District Katni.	92.80	92800/-	10000/-	10 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90533	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Badwara and Dhimerkheda District Katni.	121.40	121400/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90535	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Bahoriband and Rithi District Katni.	124.05	124050/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90537	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Bahoriband, Badwara and Mudwara District Katni.	129.35	129350/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90539	Renovation and Maintenance Work of 17 SHC Building To Convert HWC At Block Babai Chichli, Chawarpatha and Saikheda District Narsinghpur.	109.99	109990/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90540	Renovation and Maintenance Work of 21 SHC Building To Convert HWC At Block Gotegaon, Kareli and Narsinghpur District Narsinghpur.	131.33	131320/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90541	Renovation and Maintenance Work of 21 SHC Building To Convert HWC At Block Nainpur and Bamhani District Mandla.	129.88	129880/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90542	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Bichiya and Bamhani District Mandla.	117.79	117790/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90543	Renovation and Maintenance Work of 20 SHC Building To Convert HWC At Block Mawai, Bichiya and Mohgaon District Mandla.	123.66	123660/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90544	Renovation and Maintenance Work of 10 SHC Building To Convert HWC At Block Mohgaon District Mandla.	61.38	61380/-	10000/-	10 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90545	Renovation and Maintenance Work of 15 SHC Building To Convert HWC At Block Ghughari District Mandla.	92.77	92770/-	10000/-	10 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90547	Renovation and Maintenance Work of 21 SHC Building To Convert HWC At Block Narayaganj and Bijadandi District Mandla.	129.75	129750/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90548	Renovation and Maintenance Work of 18 SHC Building To Convert HWC At Block Niwas and Bijadandi District Mandla.	111.48	111480/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90549	Renovation and Maintenance Work of 08 SHC Building To Convert HWC At Block Amarwara and Harrai District Chhindwara.	49.03	50000/-	5000/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90550	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Bichua Chourar, Chhindwara District Chhindwara.	102.27	102270/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90551	Renovation and Maintenance Work of 17 SHC Building To Convert HWC At Block Jamai and Parasia District Chhindwara.	105.02	105020/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90552	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Mohkhed, Sausar and Chhindwara District Chhindwara.	106.37	106370/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90553	Renovation and Maintenance Work of 11 SHC Building To Convert HWC At Block Panduma District Chhindwara.	66.89	66890/-	10000/-	10 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90554	Renovation and Maintenance Work of 22 SHC Building To Convert HWC At Block tamia and Parasia District Chhindwara.	115.88	115880/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90555	Renovation and Maintenance Work of 22 SHC Building To Convert HWC At Block Paraswada and Baihar District Balaghat.	137.27	137270/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90556	Renovation and Maintenance Work of 20 SHC Building To Convert HWC At Block Birsa and Paraswada District Balaghat.	124.84	124840/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90557	Renovation and Maintenance Work of 22 SHC Building To Convert HWC At Block Balaghat and Lalbarra District Balaghat.	137.29	137280/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90558	Renovation and Maintenance Work of 18 SHC Building To Convert HWC At Block Katangi and Waraseoni District Balaghat.	112.34	112340/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90559	Renovation and Maintenance Work of 17 SHC Building To Convert HWC At Block Kirnapur District Balaghat.	106.13	106130/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90560	Renovation and Maintenance Work of 14 SHC Building To Convert HWC At Block Khairlanji District Balaghat.	87.33	87330/-	10000/-	10 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90561	Renovation and Maintenance Work of 18 SHC Building To Convert HWC At Block Lanji and Birsa District Balaghat.	112.31	112310/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90562	Renovation and Maintenance Work of 17 SHC Building To Convert HWC At Block Barghat Distirct Seoni	110.60	110600/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90628	Renovation and Maintenance Work of 18 SHC Building To Convert HWC At Block Chhapara and Gopalganj District Seoni.	113.20	113200/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90630	Renovation and Maintenance Work of 21 SHC Building To Convert HWC At Block Dhanaura and Keolari District Seoni.	133.50	133500/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90631	Renovation and Maintenance Work of 24 SHC Building To Convert HWC At Block Lakhnadon District Seoni.	156.60	156600/-	12500/-	15 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90632	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Ghansore District Seoni.	109.70	109700/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90633	Renovation and Maintenance Work of 19 SHC Building To Convert HWC At Block Kurai and Barghat District Seoni.	101.30	101300/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90634	Renovation and Maintenance Work of 21 SHC Building To Convert HWC At Block Dindori and Amarpur District Dindori.	130.83	130830/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90663	Renovation and Maintenance Work of 18 SHC Building To Convert HWC At Block Bajag and Karanjiya District Dindori.	111.30	111300/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90664	Renovation and Maintenance Work of 21 SHC Building To Convert HWC At Block Shahpura and Mehandwani District Seoni.	125.47	125470/-	12500/-	12 Months Including Rainy Season
2020_DHS_90665	Renovation and Maintenance Work of 07 SHC Building To Convert HWC At Block Samnapur District Dindori.	43.42	50000/-	5000/-	6 Months Including Rainy Season

1. Interested bidders can view the detailed NIT on the Website **https://mptenders.gov.in.** 2. The Bid Document can be purchased only online from **28.05.2020 10.30 AM to 12.06.2020 17.30**. 3. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Executive Engineer
National Health Mission
2nd Floor, Satpura Bhawan, Bhopal

G-11537/43948/2020

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, निर्माण संभाग क्रमांक-2, राजधानी परियोजना प्रशासन, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल
दूरभाष - 0755-2465467
निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन के तहत पंजीकृत निविदाकारों से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. प्रोफेसर कॉलोनी भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन के सामने स्टोर्म वाटर चैनल का उन्नयनीकरण कार्य।

एन.आई.टी. क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य की अनु. लागत (रु. लाखों में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ डीआर एवं अन्य दस्तावेज)
1480/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84960_1	रु. 18,16,214/- (रु. अठारह लाख सोलह हजार दो सौ चौदह)	रु. 36,324/-	रु. 2,000/-	कार्यपालन यंत्री, निर्माण संभाग क्रमांक-2, राजधानी परियोजना प्रशासन, भोपाल

2. फोरेस्ट गेस्ट हाउस के समीप स्थित पार्क के फेन्सिंग एवं अन्य विकास कार्य।

1481/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84979_1	रु. 12,30,106/- (रु. बारह लाख तीस हजार एक सौ छः)	रु. 24,602/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

3. बावड़ियाकलां भोपाल में दानापानी के समीप गुलमोहर सावोई कॉम्प्लेक्स से ईश्वर नगर मार्ग में स्लेब कलवर्ट एवं सरफेस ड्रेन का कार्य।

1482/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84980_1	रु. 15,46,936/- (रु. पन्द्रह लाख छयालीस हजार नौ सौ छत्तीस)	रु. 30,939/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

4. चार इमली स्थित सीपीए खेल मैदान के सामने रोड साईड आर्बोरीकल्चर एवं लॉन विकास का कार्य।

1483/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84982_1	रु. 19,98,301/- (रु. उन्नीस लाख अठानवे हजार तीन सौ एक)	रु. 39,966/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

5. ट्राईबल म्यूजियम के समीप रोड साईड आर्बोरीकल्चर का विकास कार्य।

1484/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84983_1	रु. 19,80,594/- (रु. उन्नीस लाख अस्सी हजार पाँच सौ चौरानवे)	रु. 39,612/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

6. राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल में रिपेयरिंग एवं रखरखाव का कार्य।

1485/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84985_1	रु. 19,96,795/- (रु. उन्नीस लाख छयानवे हजार सात सौ पिन्चानवे)	रु. 39,936/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

7. राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल में दीवारों खिड़कियों बेसमेन्ट, लिफ्ट पिट, ड्रेन, आधारतल स्ट्रक्चर एवं रूफ के सीपेज कन्ट्रोल ट्रीटमेन्ट एवं अन्य संबंधित कार्य।

1486/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84986_1	रु. 19,86,002/- (रु. उन्नीस लाख छियासी हजार दो)	रु. 39,720/-	रु. 2,000/-	कार्यपालन यंत्री, निर्माण संभाग क्रमांक-2, राजधानी परियोजना प्रशासन, भोपाल

8. ई-7 अरेरा कॉलोनी में अन्सल प्रधान कैम्पस के समीप स्थित पार्क में ग्रिड पाथवे, प्ले जोन एवं अन्य विकास कार्य।

1487/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84987_1	रु. 19,57,519/- (रु. उन्नीस लाख सत्तावन हजार पाँच सौ उन्नीस)	रु. 39,150/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

9. निर्माण उप संभाग क्रमांक-2 के अंतर्गत मास्टर प्लान मार्ग के सेन्ट्रलवर्ज का ऊँचा करने, सर्फेस ड्रेन एवं अन्य कार्य।

1488/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84988_1	रु. 15,67,437/- (रु. पन्द्रह लाख सड़सठ हजार चार सौ सैंतीस)	रु. 31,349/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

10. स्वर्ण जयंती पार्क में विविध सिविल संबंधित कार्य।

1489/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84990_1	रु. 5,97,348/- (रु. पाँच लाख सन्तानवे हजार तीन सौ अड़तालीस)	रु. 11,947/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

11. एम्स नगर वन भेल, भोपाल में शौचालय का निर्माण एवं अन्य सिविल संबंधित कार्य।

1490/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84992_1	रु. 3,60,986/- (रु. तीन लाख साठ हजार नौ सौ छियासी)	रु. 7,220/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

12. डी.आर.एम. ऑफिस से एम.जी.एम. स्कूल मास्टर प्लान रोड में अभिनव कॉलोनी के समीप ड्रेन का रिस्टोरेशन कार्य।

1491/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84995_1	रु. 4,99,933/- (रु. चार लाख निन्यानवे हजार नौ सौ तैंतीस)	रु. 9,999/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

13. सी.पी.ए. भोपाल के मेन्टेनेन्स के अंतर्गत विभिन्न सिविल एवं स्ट्रक्चर का कार्य।

1492/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84997_1	रु. 19,60,998/- (रु. उन्नीस लाख साठ हजार नौ सौ अठानवे)	रु. 39,220/-	रु. 2,000/-	कार्यपालन यंत्री, निर्माण संभाग क्रमांक-2, राजधानी परियोजना प्रशासन, भोपाल

14. चार इमली एवं सीपीए भवन में अस्थाई शेड एवं अन्य संबंधित सिविल कार्य।

1493/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 84998_1	रु. 19,92,018/- (रु. उन्नीस लाख बयानवे हजार अठारह)	रु. 39,840/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

15. राजधानी परियोजना प्रशासन, भवन में सिक्यूरिटी का कार्य।

1494/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 85001_1	रु. 13,71,384/- (रु. तेरह लाख इकहत्तर हजार तीन सौ चौरासी)	रु. 27,428/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

16. मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में विविध मरम्मत कार्य।

1495/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 85002_1	रु. 19,96,385/- (रु. उन्नीस लाख छियानवे हजार तीन सौ पिचासी)	रु. 39,928/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

17. वल्लभ भवन, भोपाल में दीवारों, खिड़कियों, बेसमेन्ट, लिफ्ट पिट, ड्रेन, आधारतल स्ट्रक्चर एवं रूफ के सीपेज कन्ट्रोल ट्रीटमेन्ट एवं अन्य संबंधित कार्य।

1496/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 85004_1	रु. 19,98,801/- (रु. उन्नीस लाख अठानवे हजार आठ सौ एक)	रु. 39,976/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

18. निर्माण उपसंभाग क्रमांक-3 के अंतर्गत मार्गों के संधारण, रखरखाव एवं उन्नयनीकरण कार्य।

1497/ व.ले.लि./20 दिनांक 22.05.2020	2020_ CPA_ 90504_1	रु. 19,91,134/- (उन्नीस लाख इकानवे हजार एक सौ चौंतीस)	रु. 39,823/-	रु. 2,000/-	– तदैव –

उपरोक्त वेबसाइट से ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय एवं डाउनलोड करने की **अंतिम तिथि 11.06.2020** सायं 5.30 बजे निर्धारित है। एनवलप "ए" में प्रतिपादित दस्तावेज दिनांक 12.06.2020 को अपरान्ह 5.00 बजे तक निर्धारित कार्यालय में प्राप्त की जायेगी। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
निर्माण संभाग क्रमांक-2, राजधानी परियोजना प्रशासन,
ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, दूरभाष - 0755-2465467

जी-11467/43936/2020

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, खरगोन
फोन नं. 07282-231402, eephedkhr@nic.in

क्रमांक 971/निविदा/2020 खरगोन, दिनांक 21.05.2020

निविदा सूचना क्रमांक 02/2020-21

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य की निविदा सूचना ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेंन्ट पोर्टल **(http://www.mptenders.gov.in)** पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

कार्य का विवरण :- खरगोन जिले के विकासखण्ड गोगांवा के विभिन्न ग्राम विड़ बुजुर्ग में नलजल प्रदाय योजना अंतर्गत टंकी निर्माण, पाईप लाईन बिछाना, जोड़ना इत्यादि कार्य मय 02 वर्ष के संचालन/संधारण सहित। कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल द्वारा जारी यू.एस.ओ.आर. जो दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील है एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक संशोधित दरें लागू होंगी। निविदा एपेंडिक्स "2.10" पर आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का नाम	कार्य की अनु. लागत रु. लाख में	धरोहर राशि (रु. लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी नवीन पंजीयन अंतर्गत
1.	2020 _PHED_ 90293_1	ग्राम विड़ बुजुर्ग, वि.ख. गोगांवा।	65.99 लाख	66000	10000	06 माह वर्षाकाल सहित	Contractor registered under new centralized single registration system in M.P. Govt.

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 04.06.2020 तक** सायं 5.30 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कार्यपालन यंत्री
जी-11458/43933/2020 लोक स्वा. यांत्रिकी खण्ड खरगोन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, खरगोन
फोन नं. 07282-231402, eephedkhr@nic.in

क्रमांक 973/निविदा/2020-2021 खरगोन, दिनांक 21.05.2020

निविदा सूचना क्रमांक 03/2019-20 (द्वितीय आमंत्रण)

कार्य का विवरण :- खरगोन जिले के विकासखण्डों में किये जाने वाले नलकूप खनन कार्य हेतु वी.ई.एस. पद्धति से रजिस्ट्रीविटी सर्वे कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल द्वारा जारी यू.एस.ओ.आर. जो दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील है एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक संशोधित दरें लागू होंगी। निविदा एपेंडिक्स "2.10" पर आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	ग्राम/विकास खण्ड का नाम	कार्य की अनु. लागत रु. लाख में	धरोहर राशि (रु. लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी नवीन पंजीयन अंतर्गत
1.	2020 _PHED_ 90309_1	खरगोन जिले के समस्त विकासखण्ड	8.03 लाख	16060/-	2000/-	12 माह	विभाग में भू-जलविद कार्य के लिये पंजीकृत होना अनिवार्य होगा

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 04.06.2020 तक** सायं 5.30 बजे तक निर्धारित हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कार्यपालन यंत्री
जी-11459/43934/2020 लोक स्वा. यांत्रिकी खण्ड, खरगोन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग झाबुआ (म.प्र.)

Phone number (07392-244259), E-Mail address (eeresjhabua@mp.gov.in)

क्रमांक 961/ब.ले.लि./ग्रायांसे/2020 झाबुआ, दिनांक 22.05.2020

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 01/2020-21

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in** के माध्यम से निर्माण कार्यों की निविदायें **सिस्टम टेण्डर नं.**
2020_RES_90339, 2020_RES_90341, 2020_RES_90344, 2020_RES_90350, 2020_RES_90351, 2020_RES_90352, 2020_RES_90353, 2020_RES_90355, 2020_RES_90356, 2020_RES_90359, 2020_RES_90360, 2020_RES_90361, 2020_RES_90362, 2020_RES_90363, 2020_RES_90364, 2020_RES_90366, 2020_RES_90367, 2020_RES_90368, & 2020_RES_90369
अंतर्गत 26 निर्माण कार्यों की निविदा प्रपत्र एपेंडिक्स 2.10 पर आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभ तिथि 08.06.2020 समय 15.00 बजे से तथा ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि 09.06.2020 एवं ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 19.06.2020** समय 17.30 बजे तक। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने हेतु विस्तृत निविदा व अन्य विवरण वेवसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर एवं कार्यालयीन समय में इस कार्यालय में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-11463/43935/2020 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग झाबुआ

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग श्योपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 08/टे.लि./श्योपुर/2020-21 श्योपुर, दिनांक 21.05.2020
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. निर्माण कार्य प्रेमसर से पच्चीपुरा मार्ग लं. 5.20 कि.मी. एवं खोजीपुरा रेलवे स्टेशन से मंगूराम का डेरा मार्ग लं. 3.50 कि.मी.।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य की अनु. राशि	अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट की राशि	बिड डाक्यूमेंट की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	भौतिकरूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ. डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
2020_PWDRB_90382	श्योपुर	46290000/-	462900/-	15000/-	15 माह	कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. उत्तर परिक्षेत्र ग्वालियर (म.प्र.)
	योग	46290000/-	462900/-	15000/-		

उपरोक्त वेवसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 06.06.2020 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेवसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेवसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज **दिनांक 10.06.2020, (17.30)** बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-11492/43940/2020 लो.नि.वि. संभाग श्योपुर (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास (म.प्र.)

www.mppwd.gov.in, e-mail : eepwddewas@nic.in, eepwddewas@gmail.com
Phone No. 07272-220397, 07272-220585

निविदा सूचना क्र. 03/2020-21/एस.एस.सी./1634 देवास, दिनांक 12.05.2020

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. बउलिया से कुलावड़ मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।

जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज) कार्यालयीन पता एवं अंतिम दिनांक व समय
देवास	2020_PWDRB_89312	175.31	6 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र, उज्जैन दिनांक - 18.06.2020 समय - 17.30
2. नापाखेड़ी से खोकरिया मार्ग लंबाई 4.30 कि.मी. का निर्माण कार्य।				
देवास	2020_PWDRB_89313	301.30	10 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र, उज्जैन दिनांक - 18.06.2020 समय - 17.30
3. सामगी से कमलापुर मार्ग लंबाई 3.20 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूअल का कार्य - चतुर्थ आमंत्रण				
देवास	2020_PWDRB_89314	27.38	3 माह वर्षाकाल छोड़कर	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र, उज्जैन दिनांक - 18.06.2020 समय - 17.30
4. उपसंभाग सोनकच्छ अंतर्गत बरखेड़ा पदुंच मार्ग लंबाई 1.60 किमी. में बी.टी. रिन्यूअल का कार्य - षष्टम् आमंत्रण				
देवास	2020_PWDRB_89315	11.91	3 माह वर्षाकाल छोड़कर	कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास दिनांक - 18.06.2020 समय - 17.30
5. पटलावदा से सीलाखेड़ी मार्ग लंबाई 2.60 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूअल का कार्य - षष्टम् आमंत्रण				
देवास	2020_PWDRB_89316	19.46	3 माह वर्षाकाल छोड़कर	कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास दिनांक - 18.06.2020 समय - 17.30
	योग	535.36		

उपरोक्त वेवसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम दिनांक 16.06.2020 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेवसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेवसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 18.06.2020 सायं 5.30 बजे तक दर्शित कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-11493/43941/2020 लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास

कार्यालय मुख्य अभियंता (मध्यक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग जबलपुर

E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in, Phone No. 0761-2621541, Fax No. 0761-2678521

निविदा सूचना क्रमांक-02/सा/2020-21 जबलपुर, दिनांक 18.05.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेवसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेवसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. मण्डला जिले के अंतर्गत टिकरिया (N.H. 12A at Km 55/6) मानेगांव-पाठा मार्ग (लं. 26.06 कि.मी.) एवं कुण्डा भालीवाड़ा - मीराटोला वैकल्पिक मार्ग (लं. 2.80 कि.मी.) कुल लंबाई 28.86 कि.मी. (विद्युतीकरण, पोल शिफ्टिंग एवं वॉटर सप्लाई सहित) के निर्माण कार्य।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनुमा. राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2020_PWDRB_89818	मण्डला	प्रथम	10211.40 लाख	50.00 लाख	50,000/-	36 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 15.06.2020 समय 5.30 बजे** तक है। ऑनलाइन प्राप्त निविदा ऑफर को ही मान्य किया जायेगा। भौतिक दस्तावेज जैसे - अमानत राशि, निविदा शुल्क रसीद एवं अन्य दिनांक 22.06.2020 समय 5.30 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लिफाफे स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त किये जायेंगे। भौतिक लिफाफा नियत समय एवं तिथि में इस कार्यालय में प्राप्त न होने पर ऑनलाइन निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेवसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (मध्यक्षेत्र)
जी-11504/43942/2020 लोक निर्माण विभाग जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग जबलपुर

Website : www.mp.gov.in/pwdmp, Email : eepwdelecjbp@mp.nic.in
Tel./Fax No. 0761-2620792

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 05/2020-21/ब.ले.लि. जबलपुर, दिनांक 23.05.2020
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित विद्युत कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

S. No.	Tender No.	Name of work	Cost of Project (PAC) (Rs. in lack)	Physical sub-mission (Original EMD	Cast of Tender form	Time Allowed	1. Contractor category 2. Call No.
1.	2020_PWDRB_90579_1	जिला नरसिंहपुर के अंतर्गत एन.एच. 26 से बरमान कला मुख्य मार्ग में एच.टी.एल.टी. लाइन एवं डी.टी.आर. शिफ्ट करने का कार्य।	Rs. 89.31 Lakh	89,310/-	10,000/-	2 MONTH	2. नवीन पंजीकरण एवं "अ" श्रेणी विद्युत लाइसेंस। 2. चतुर्थ कॉल।

उपरोक्त वेवसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 07.06.2020, (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेवसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेवसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
विशेष टीप - पंजीयन से संबंधित दस्तावेज एवं अमानत राशि मेन्यूवली/चेक लिस्ट एवं विद्युत लाइसेंस/शपथ पत्र/आयकर/पैन नम्बर/जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति निविदाकार के (स्वयं के नाम पर) EMD/FDR के साथ दिनांक 10.06.2020, (17.30) बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक के माध्यम से कार्यालय मुख्य अभियंता मध्य क्षेत्र लोक निर्माण विभाग जबलपुर में स्वीकार की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-11508/43943/2020 लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग जबलपुर

लोक निर्माण विभाग शेड क्रमांक 14-ए
जवाहर चौक, भोपाल-462003, दूरभाष-2770593

Website :- http://www.mppwd.gov.in/ E-mail : piubhopal@gmail.com

क्रमांक 702/वाहन निविदा/पी.आई.यू./2020-21 भोपाल, दिनांक 27.05.2020

निविदा सूचना

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से पंजीकृत टैक्सी परमिट वाहनों को संभागीय परियोजना यंत्री, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, लोक निर्माण विभाग भोपाल के अंतर्गत निम्न प्रकार के वाहन प्रशासकीय उपयोग/निर्माण कार्य के निरीक्षण हेतु मासिक दर पर लिये जाने हेतु मुहरबंद निविदायें दिनांक 27.05.2020 से 11.06.2020 सायं 5.30 तक शासकीय स्पीड पोस्ट पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन संख्या	शर्त	मॉडल	वाहन जहां उपयोग में लिया जाना है
1.	इनोवा	05	चालक सहित किन्तु विना डीजल	माह जनवरी 2018 या बाद में क्रय एवं टेक्सी कोटे में पंजीकृत	सामान्यतः भोपाल जिला, आवश्यक होने पर शासकीय कार्य हेतु कहीं भी।
2.	स्कार्पियों या समकक्ष	02	चालक सहित किन्तु विना डीजल	माह जनवरी 2018 या बाद में क्रय एवं टेक्सी कोटे में पंजीकृत	सामान्यतः भोपाल जिला, आवश्यक होने पर शासकीय कार्य हेतु कहीं भी।
3.	वेलेरा या समकक्ष	05	चालक सहित किन्तु विना डीजल	माह जनवरी 2018 या बाद में क्रय एवं टेक्सी कोटे में पंजीकृत	सामान्यतः भोपाल जिला, आवश्यक होने पर शासकीय कार्य हेतु कहीं भी।
4.	इंडिगो या समकक्ष	10	चालक सहित किन्तु विना डीजल	माह जनवरी 2018 या बाद में क्रय एवं टेक्सी कोटे में पंजीकृत	सामान्यतः भोपाल जिला, आवश्यक होने पर शासकीय कार्य हेतु कहीं भी।

नोट :- परियोजना संचालक भोपाल कार्यालय 04 वाहन, अतिरिक्त परियोजना संचालक भोपाल कार्यालय 04 वाहन, मुख्य वास्तुविद भोपाल कार्यालय 04 वाहन एवं शेष वाहन संभागीय कार्यालय भोपाल हेतु।
निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय में दिनांक 27.05.2020 से 11.06.2020 तक आवश्यक दस्तावेज के परीक्षण कराने के उपरांत रुपये 2000/- (रुपये दो हजार) मात्र नगद जमा कर प्राप्त कर की जा सकती है। निविदा के साथ रु. 64,000/- (रु. चौसठ हजार) की अमानत राशि संभागीय परियोजना यंत्री, पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल म.प्र. के नाम से बैंक एफ.डी.आर. अलग लिफाफे में देय होगी। उक्त निविदायें 27.05.2020 से 16.06.2020 दोपहर 3.00 बजे तक शासकीय स्पीड पोस्ट से प्राप्त की जावेगी। अमानत राशि के अभाव में निविदा नहीं खोली जावेगी। डाक द्वारा विलंब से निविदा प्राप्त होने की जवाबदारी विभाग की नहीं होगी। निविदायें दिनांक 16.06.2020 को अपरान्ह 4.00 बजे प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले निविदाकारों के समक्ष खोली जावेंगी।
निविदा संबंधी विस्तृत विवरण व शर्तें किसी भी कार्यालयीन दिवस में दिनांक 11.06.2020 तक कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती हैं।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-11530/43945/2020 परियोजना क्रियान्वयन इकाई लोक निर्माण विभाग, भोपाल

कार्यालय जिला स्वास्थ्य समिति जिला-रायसेन (म.प्र.)
बी.एस.एन.एल. ऑफिस के सामने

क्र./एनएचएम/2020/2852 रायसेन, दिनांक : 21.05.2020

विज्ञप्ति

कोविड-19 महामारी के रोकथाम हेतु जिलों में मानव संसाधन सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के परिपत्र मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, भोपाल, म.प्र. के पत्र क्र./एन.एच.एम./एसपीएमयू/2020 भोपाल, दिनांक 08.05.2020 एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, म.प्र. भोपाल के पत्र क्र./एनएचएम//एचआर/2020/5883 भोपाल, दिनांक 23.03.2020 के द्वारा जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति को कोविड-19 के नियंत्रण हेतु अस्थायी नियुक्ति के अधिकार प्रत्यायोजित किये गये हैं। शैक्षणिक योग्यता एवं सेवा-शर्तें मिशन संचालक के संदर्भित पत्र अनुसार रहेंगी। निम्न पदों की पूर्ति एवं शासन से स्वीकृति एवं बजट की प्रत्याशा में रिक्त स्वास्थ्य संस्थाओं एवं आवश्यकतानुसार संस्थाओं में ही की जावेंगी। नियुक्तियों हेतु साक्षात्कार प्रत्येक बुधवार को आयोजित किया जावेगा। चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉफ/फार्मासिस्ट/स्टॉफ नर्स/वार्डबाय की योग्यता एवं वेतनमान निम्नानुसार कॉलम में दर्शाये गये अनुसार रहेगा। वैध पंजीयन, अंकसूची, जाति प्रमाण-पत्र आदि मूल दस्तावेज की दो छायाप्रतियों के साथ उपस्थित होंगे। प्राप्त आवेदनों एवं साक्षात्कार की **अंतिम तिथि 10.06.2020** रहेंगी। चयन मेरिट के आधार पर होगा। आवेदन साक्षात्कार के दिन प्रति बुधवार प्रातः 10.30 से अपरान्ह 1.30 तक प्राप्त किये जायेंगे। साक्षात्कार हेतु उपस्थित उम्मीदवारों में से उपरोक्तानुसार वरीयता अनुसार चयन किया जायेगा। वरीयता उस दिवस हेतु होगी/प्राप्त आवेदनों के आधार पर रोस्टर का पालन किया जावेगा। शासन से निर्देश अनुसार भविष्य में रिक्तियां बढ़ायी व घटायी जा सकेंगी। इसका आदेश पृथक से जारी किया जावेगा। अतः चिकित्सक/स्टॉफ नर्स/पैरामेडिकल स्टॉफ/फार्मासिस्ट/वार्डबाय आदि पद की अवधि 30 जून 2020/एक माह तक अस्थायी नियुक्ति रहेंगी। उक्त आदेश स्वतः निरस्त हो जायेगा।

क्र.	पदनाम	कुल पद संख्या	शैक्षणिक योग्यता	मानदेय
1.	मेडिसिन स्पेशलिस्ट/ पी.जी. मेडिसिन	26	एम.डी. मेडिसिन	125000/- (डिग्री) 110000/- (डिप्लोमा)
2.	पी.जी. एनेथसिया	14	एम.डी. एनेथसिया	125000/- (डिग्री) 110000/- (डिप्लोमा)
3.	चिकित्सा अधिकारी (एम.बी.बी.एस.)	52	एम.बी.बी.एस. (मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय) एवं म.प्र. मेडिकल कौंसिल में जीवित पंजीयन	60000/-
4.	आयुष चिकित्सा अधिकारी (होम्योपेथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी) आवश्यकता होने पर	08	बी.ए.एम.एस./बी.यू.एम.एस./बी.एच.एम.एस. (मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय) एवं म.प्र. आयुर्वेद तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड में जीवित पंजीयन/ म.प्र. होम्योपेथी परिषद में जीवित पंजीयन	25000/-
5.	स्टॉफ नर्स (फीमेल)	114	नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त एवं म.प्र. नर्सिंग कौंसिल में जीवित पंजीयन	20000/-
6.	पैरामेडिकल स्टॉफ फार्मासिस्ट	22	औषधि निर्माण (फार्मेसी) में डिप्लोमा अथवा बी. फार्मा. अथवा एम. फार्मा. तथा म.प्र. फार्मेसी कौंसिली में जीवित पंजीयन	15000/-
7.	वार्डबाय	38	आठवीं पास	कलेक्टर दर पर

सेवा शर्तें राष्ट्रीय मिशन संचालक के दिये गये निर्देशानुसार रहेंगी वह सभी को मान्य करना होगा।
विस्तृत दिशा-निर्देश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें की **www.nhm.mp.gov.in** वेवसाइट पर उपलब्ध है। एवं कार्यालय में भी अवलोकन किया जा सकता है। अपने आवेदन कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त पद हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 10.06.2020 रहेंगी। भर्ती के विषय में अंतिम निर्णय जिला स्वास्थ्य समिति/चयन समिति का होगा। उपरोक्त नियुक्तियां एक माह हेतु की जावेंगी। शासन के निर्देशानुसार बढ़ाया जा सकेगा। जिसके आदेश पृथक से जारी किये जावेंगे।
(कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा अनुमोदित)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जी-11489/43939/2020 जिला-रायसेन (म.प्र.)

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास
जिला छतरपुर

क्रमांक/2163/मबाधि/विज्ञापन/2020-21 छतरपुर, दिनांक : 14.05.2020

संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति

महिला एवं बाल विकास, जिला छतरपुर के अधीन वर्ष 2020-21 हेतु संचालित निम्न बाल विकास परियोजनाओं के सम्मुख दर्शित आंगनवाड़ी केन्द्रों में एम.पी. एग्रो लिमिटेड से प्राप्त पोषण आहार परिवहन करने हेतु दिनांक 26.05.2020 से 02.05.2020 तक दोपहर 3.00 बजे तक बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती हैं, निविदा खोलने की तिथि पृथक से दी जायेगी। निविदा की शर्तें एवं निविदा प्रपत्र कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, न्यू कॉलोनी, गुरुनानक पार्क छतरपुर से अंतिम तिथि के पूर्व कार्यालयीन समय में 500/- रुपये नगर जमा कर प्राप्त किया जा सकता है।

क्रमांक	परियोजना का नाम	आंगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या	मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या	कुल आंगनवाड़ी केन्द्र
1.	छतरपुर ग्रामीण	138	21	159
2.	छतरपुर शहरी	85	0	85
3.	ईशानगर 02 (छतरपुर)	123	28	151
4.	विजावर	194	41	235
5.	बड़ालमहारा क्र. 01	145	5	150
6.	बड़ालमहारा क्र. 02 (घुवारा)	136	6	142
7.	बकस्वाहा	89	30	119
8.	राजनगर क्र. 01	118	9	127
9.	राजनगर क्र. 02 (बमीठा)	131	22	153
10.	नौगांव क्र. 01	138	6	144
11.	नौगांव क्र. 02 (महराजपुर)	132	5	137
12.	लवकुशनगर	182	36	218
13.	वारीगढ़	210	28	238
	योग	**1821**	**237**	**2058**

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जिला कार्यक्रम अधिकारी
जी-11478/43937/2020 महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला छतरपुर म.प्र.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग शाजापुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 2/2020-21 शाजापुर, दिनांक 20.05.2020
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ. डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. बिरगोद-टाण्डा-पिन्दोनिया-दौरापुरा-छापरिया मार्ग के कि.मी. 1/2 से 7/10 लंबाई 7.00 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।					
90150	शाजापुर	मार्ग नवीनीकरण	चतुर्थ	113.88	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र उज्जैन में दिनांक 10.06.2020 समय सायं 5.30 बजे तक प्राप्त किया जावेगा
2. रामलखेड़ी पहुंच मार्ग एवं करजू भवंरासा मार्ग में मजबूतीकरण का कार्य।					
90151	शाजापुर	मार्ग निर्माण	प्रथम	92.86	– तदैव –
3. पनवाड़ी उमरिया ताज मार्ग के कि.मी. 1/2 से 2/10 एवं डंगीचा दुधाना मार्ग में मजबूतीकरण का कार्य।					
90152	शाजापुर	मार्ग निर्माण	प्रथम	152.08	– तदैव–
		कुल योग		**358.82**	

उपरोक्त वेवसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 08.06.2020, 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेवसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेवसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 10.06.2020, 17.30 बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-11535/43947/2020 लोक निर्माण विभाग, संभाग शाजापुर (म.प्र.)

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. ओल्ड पलासिया, इन्दौर (म.प्र.)

ई-मेल : apdpiuindore@gmail.co, फैक्स : 0731-2494299
क्र. एफ-1/2020/सामान्य/ए.पी.डी./ इन्दौर, दिनांक :- 05/2020

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 14/2020-21

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, पीआईयू परिक्षेत्र इन्दौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, पीआईयू म.प्र. द्वारा दिनांक 01.08.2014 से प्रभावशील एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (Key Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)
1.	2020_ PWPIU_ 90189_1	शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल पलसूद में 03 प्रयोगशाला एवं 02 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	बड़वानी	62.44	62.440	10,000	8
2.	2020_ PWPIU_ 90194_1	शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल पानसेमल में 03 प्रयोगशाला एवं 02 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	बड़वानी	62.44	62.440	10,000	8
3.	2020_ PWPIU_ 90164_1	शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल धनोरा में 03 प्रयोगशाला एवं 02 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	बड़वानी	62.44	62,440	10,000	8

निविदा संबंधि तिथियाँ (Key Dates) :-
1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 21.05.2020
2. विड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 23.05.2020
3. विड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **10.06.2020**
4. विड खोलने की तिथि - 12.06.2020

अतिरिक्त परियोजना संचालक
जी-11532/43946/2020 लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. इन्दौर

जिला हाथकरघा कार्यालय
एच.आई.जी-04 सरस्वती नगर (जवाहर चौक) भोपाल-462003

(E-mail - adhhbho@mp.gov.in, Ph. No. 0755-2576850)
क्रमांक :- हा./योजना/2020-21/ भोपाल, दिनांक.....

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित हाथकरघा विकास योजनान्तर्गत जिला स्तरीय हाथकरघा विकास योजना में बुनकर सहकारी समितियों, स्व-सहायता समूहों, उद्यमियों, व्यक्तिगत बुनकरों एवं अशासकीय संस्थाएं जो हाथकरघा क्षेत्र में कार्यशील होकर अपने सदस्यों को रोजगार उपलब्ध करा रही है से निम्नलिखित मदों में आवेदन पत्र (ऑफ लाइन) आमंत्रित किये जाते हैं :-
1. बुनियादी प्रशिक्षण
2. कौशल उन्नयन प्रशिक्षण
3. उन्नत उपकरण, करघे, रंगाई उपकरण, प्रीलूम, पोस्टलूम फेसेलिटि
4. विपणन प्रोत्साहन
5. जागृति सिविल, स्वास्थ्य एवं शिक्षा आधारित कार्य
6. कार्यशील पूंजी

उपरोक्त योजनाओं में शर्तों के अनुसार प्रस्ताव **दिनांक 06.06.2020 तक** कार्यालय **सहायक संचालक, जिला हाथकरघा कार्यालय एच.आई.जी-04, प्रथम तल, सरस्वती नगर (जवाहर चौक) भोपाल** में कार्यालयीन समय में जमा किये जा सकेंगे। योजना की विस्तृत जानकारी विभागीय वेवसाइट **http://www.mpgramodyogglobal.gov.in/** के डायरेक्ट्रेट ऑफ हैंडलूम एण्ड हैंडीक्राफ्ट क्लॉक में देखी जा सकती है। योजना की विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय से भी संपर्क किया जा सकता है।

जी-11538/43949/2020 सहायक संचालक, जिला हाथकरघा कार्यालय

विचार से कर्म, कर्म से आदत और आदत से चरित्र का निर्माण होता है और चरित्र से आपका प्रारब्ध तैयार होता है – नीति शिक्षा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड - अनूपपुर (म.प्र.)
प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त) अनूपपुर

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in/** पर आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्रमांक/ दिनांक	ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा सिस्टम ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानती राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	निविदा खुलने की तिथि	समय अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	15/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91236_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) में पंजीकृत ठेकेदार।
2.	16/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91247_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
3.	17/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91252_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
4.	18/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91255_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
5.	19/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91261_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
6.	20/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91263_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
7.	21/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91264_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
8.	22/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91265_1	अनूपपुर जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में 200 मि.मी. व्यास के 120 मी. गहरे 10 नग साधारण नलकूप खनन कार्य।	8.94	17890/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
9.	23/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91266_1	अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों के बंद नलजल योजनाओं का मय सामग्री सहित संधारण कार्य।	6.22	12450/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –
10.	24/20-21 दिनांक 28.05.2020	2020_PHED_91267_1	अनूपपुर जिले के विभिन्न ग्रामों के सोलर पंप आधारित बंद नलजल योजनाओं का मय सामग्री सहित संधारण कार्य।	3.68	7370/-	2000/-	12.06.20	12.06.20	15.06.20	01 माह वर्षाऋतु सहित	– तदैव –

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन माध्यम से ही क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर प्रदर्शित हैं। निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन होने पर संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। समस्त संशोधन केवल उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर ही उपलब्ध होंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-11588/43952/2020 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग क्र. 02
13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 01/व.ले.लि./2020-21 **भोपाल, दिनांक 27.05.2020**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ. डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1.	2020_PWDRB_91002_1	वार्षिक विद्युत मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवन अनुभाग वासौदा अंतर्गत उपसंभाग विदिशा जिला विदिशा	द्वितीय आमंत्रण	10.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग क्र.02 13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
2.	2020_PWDRB_91004_1	वार्षिक विद्युत मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवन अनुभाग होशंगवाद अंतर्गत उपसंभाग होशंगावाद जिला होशंगावाद	प्रथम आमंत्रण	15.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग क्र.02 13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
3.	2020_PWDRB_91005_1	वार्षिक विद्युत मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवन अनुभाग- पिपरिया- वनखेड़ी- पचमढ़ी अंतर्गत उपसंभाग होशंगावाद जिला होशंगावाद	प्रथम आमंत्रण	15.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग क्र.02 13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
4.	2020_PWDRB_91006_1	वार्षिक विद्युत मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवन अंतर्गत उपसंभाग विदिशा जिला विदिशा	प्रथम आमंत्रण	17.50	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग क्र.02 13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
5.	2020_PWDRB_91007_1	प्रोवाईडिंग एवं फिक्सिंग 05 नग स्पीलिट टाईप ए.सी. 02 टन केपेसिटी सेशन हाउस पचमढ़ी जिला होशंगावाद	प्रथम आमंत्रण	3.79	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग क्र.02 13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
6.	2020_PWDRB_91009_1	वार्षिक मेंटेनेस एवं सर्विसिंग एयर कंडीशनर राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल जिला भोपाल	प्रथम आमंत्रण	3.14	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग क्र.02 13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
7.	2020_PWDRB_91010_1	शिफ्टिंग डिसमेंटलिंग 11 के.व्ही./ एल.टी. लाईन पोल एवं ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग वरीघाट-धतुरिया-करारिया-आंडिया से इकोदिया रोड 12 कि.मी. अंतर्गत सब डिविजन विदिशा जिला विदिशा	प्रथम आमंत्रण	17.50	कार्यालय मुख्य अभियंता, (रा.प.) लोक निर्माण विभाग प्लाट नं. 27-28 अरेरा हिल्स निर्माण भवन भोपाल भोपाल (म.प्र.)
8.	2020_PWDRB_91011_1	वाह्य विद्युतीकरण कार्य लाईन शिफ्टिंग 11 के.व्ही./440 वोल्ट एच.टी./ले.टी लाईन लेइंग एवं रोड क्रासिंग विभिन्न स्थान रोड वाइडिंग जामझिरी से भर्रापुरा रोड, बैतूल बाजार अंबेडकर वार्ड से चिकल्दा आठनेर रोड (भोगी टेड़ा चौराहा रोड) आरूल से सुहागपुर रोड जिला बैतूल	प्रथम आमंत्रण	11.91	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग क्र.02 13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहार चौक भोपाल (म.प्र.)
		योग :-		110.94	

नोट :- मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज स्पीड पोस्ट द्वारा प्रपत्र में दर्शाये गये पते पर **दिनांक 22.06.2020** सायं 5.30 बजे तक प्राप्त किया जाना है। इसके पश्चात प्राप्त होने वाले दस्तावेजों पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा की निर्धारित तिथियों में या अन्य किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विभाग पोस्टल विलम्ब के लिये जिम्मेदार नहीं होगा। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

लो.नि.वि., वि./यां.
जी-11560/43950/2020 संभाग क्र. 02 भोपाल, 0755-2770397

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग मण्डला (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 06/2020-21 **मण्डला, दिनांक 28.05.2020**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

ग्रुप क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. टिकरिया-पद्मीखेरी-परतलां-मझगांव-सिघनपुरी मार्ग के कि.मी. 4 से 12, 13/2-4, 15/2, 4, 6 लं. 10.00 कि.मी. झॉजनगर-मानेगांव-घोटखेड़ा-समनापुर लं.-3.00 कि.मी. एवं टाटीघाट से कुडा मार्ग, लं. 1.80 कि.मी. (कुल लं. 14.80 कि.मी.) के मजबूतीकरण का शेष कार्य।

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
2020_PWDRB_90479_1	मण्डला	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम	92.46	मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र), लोक निर्माण विभाग, जबलपुर
		योग रु.		**92.46 लाख**	

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 19.06.2020, (17.30) बजे तक** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। भौतिक दस्तावेज दिनांक 23.06.2020, (17.30) बजे तक केवल स्पीड पोस्ट व रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से ही उपरोक्तानुसार संबंधित कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-11564/43951/2020 लो.नि. विभाग (भ./स.) संभाग मण्डला

श्रम सुधार

मध्यप्रदेश में उद्योग और श्रमिक के हितों में संतुलन

श्रमिकों, रोज़गार प्रदाताओं जैसे उद्योगपति, कारखाना या दुकान का मालिक, श्रम संगठनों और सरकार के बीच संबंधों का निर्धारण श्रम कानूनों के माध्यम से होता है। यह कानून बताते हैं कि श्रमिकों का न्यूनतम वेतन कितना होगा, उनके अधिकतम कितने घंटे काम करना होगा, कार्यस्थल पर उन्हें क्या सुविधाएं दी जाएंगीं आदि। वहीं रोज़गार प्रदाताओं के हितों की रक्षा के लिए श्रमिकों के साथ विवादों के निराकरण के नियम व प्रक्रिया भी इन्हीं कानूनों में निर्धारित की गई है। इन कानूनों में फेरबदल करना तलवार की धार पर चलने जैसा है। यदि श्रम संगठनों की सारी मांगें मान ली जाएं तो उद्योगों का चलना मुश्किल हो जाएगा, वहीं रोज़गार प्रदाताओं की सारी मांगें मानने पर श्रमिकों के शोषण का रास्ता खुल जाएगा। श्रम कानूनों का दायित्व है कि वे कामगारों को उद्योगपतियों के शोषण से बचाएं, वहीं उद्योगों को श्रमिकों के अवैधानिक दवाबों से संरक्षण प्रदान करें।

कोरोना संकट से वैश्विक अर्थव्यवस्था डगमगा गई है। औद्योगिक उत्पादन ठप्प हो गया है। श्रमिकों का बड़ी संख्या में उद्योगों से पलायन हुआ है। कई देशों से बड़ी कंपनियां व उद्योग ऐसे नए ठिकाने खोज रहे हैं जहां सस्ता और कुशल श्रम, प्राकृतिक संसाधन, अच्छी कानून व्यवस्था और उद्योग हितैषी कानून विधान मौजूद हो। इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से केंद्र सरकार ने व्यापक श्रम सुधारों का अभियान शुरू कर दिया है। निवेश आकर्षित करने के लिए जटिल कानूनों और लालफीताशाही को हटाना आवश्यक हो गया था। इसी क्रम में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के घोषित लक्ष्य के तहत मध्यप्रदेश ने भी श्रम सुधारों की घोषणा कर दी।

मध्यप्रदेश पूर्व में ही 13 केंद्रीय एवं 4 राज्य कानूनों में 32 संशोधन कर चुका है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए 30 सेवाओं को मध्यप्रदेश लोकसेवा गारंटी अधिनियम में लाया जा चुका है। मध्यप्रदेश में निश्चित समय के लिए रोज़गार देने का प्रावधान, रिटर्न फाइल करने के लिए स्वप्रमाणन का प्रावधान, सिंगल विंडो क्लीयरेंस का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विवाद अधिनियम की कुछ धाराओं और ठेका श्रम अधिनियम, मोटर ट्रांसपोर्ट कर्मकार अधिनियम और अंतर्राज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम की सभी धाराओं के अंतर्गत उल्लंघन पर कम्पाउंडिंग के प्रावधान किये गये हैं।

ऐसे कारखानों को जो बिना विद्युत शक्ति से चलित हैं, उन्हें पूर्णतः और जो विद्युत शक्ति से चलित हैं उनमें यदि कामगारों की संख्या 50 तक है, तो उन्हें कारखाना अधिनियम के प्रावधानों से छूट देने का प्रस्ताव केंद्र शासन को भेजा जा चुका है। श्रमिकों के ठेकेदार पर ठेका श्रम अधिनियम तभी लागू होगा जब वह 50 से अधिक श्रमिक नियोजित करेगा। पहले यह श्रमिक संख्या 20 थी। यह प्रस्ताव भी भारत सरकार को भेजा जा चुका है। नये प्रस्तावों में उद्योगों में तृतीय पक्ष के द्वारा निरीक्षण की व्यवस्था की गई है। छोटे संस्थानों को सरकारी हस्तक्षेप से बचाने हेतु 50 से कम श्रमिक नियोजित करने वाले संस्थानों में श्रम आयुक्त की पूर्व अनुमति के बगैर निरीक्षण प्रतिबंधित कर दिया गया है। सभी श्रम अधिनियमों में पंजीयन लायसेंस एवं रिटर्न की ऑनलाइन व्यवस्था की गई है। अनेक श्रम अधिनियमों के अंतर्गत पंजीयन और अनुज्ञप्ति अब एक दिन में प्रदान करने की गारंटी दी गई है। लाइसेंस के नवीनीकरण की अवधि अब एक वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष कर दी गई है। कारखानों में मजदूरों के कार्य की दैनिक अवधि 8 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे कर दी गई है। एक सप्ताह में अधिकतम 72 घंटे कार्य करने की अनुमति होगी। अतिरिक्त 4 घंटे का कार्य, श्रमिक की इच्छा से उसे सामान्य दर से दोगुना ओवरटाइम देकर ही, लिया जा सकता है। अब दुकानें व वाणिज्यक स्थापनाएं प्रातः 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक खुली रखी जा सकेंगी। नये स्थापित होने वाले कारखानों को प्रासंगिक श्रम कानूनों से एक हजार दिवस तक छूट दी गई है। कारखाना अधिनियम में अनेक प्रावधानों को तीन माह के लिए शिथिल किया गया है। इससे उनमें सरकारी हस्तक्षेप घटेगा। कार्य के घंटों में छूट से जहां उत्पादन बढ़ेगा, वहीं ओवरटाइम से श्रमिकों की आय बढ़ेगी।

औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के कुछ प्रावधानों के शिथिलीकरण से रोज़गार प्रदाता को श्रमिकों का नियोजन करने, संतोषजनक सेवा न देने पर उनका निष्कासन करने में सरलता होगी। इसमें श्रम विभाग व न्यायपालिका का हस्तक्षेपत नहीं हो सकेगा। अब मध्यप्रदेश औद्योगिक नियोजन अधिनियम 1961 तभी लागू होगा जब कामगारों की संख्या 100 या अधिक होगी। पहले यह संख्या 50 थी। इससे लघु व मध्यम उद्योगों को राहत मिलेगी। नवीन स्थापित उद्योगों को श्रम कल्याण मंडल में अंशदान देने से छूट दी गई है। कपड़ा, लोहा, स्टील, शक्कर, विद्युत वस्तुएं आदि को म.प्र. औद्योगिक संबंध अधिनियम के प्रावधानों से छूट दे दी गई है।

मध्यप्रदेश के श्रम सुधारों की विशेषता इनका संतुलित होना है। जहां एक ओर यह औद्योगिक निवेश के लिए वातावरण बनाता है, वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। विभिन्न अधिनियमों में श्रमिकों को दिये गये लाभ यथावत संरक्षित रखे गये हैं। महिला श्रमिकों को समान कार्य के लिए समान वेतन तथा 26 सप्ताह का प्रसूति अवकाश वेतन सहित मिलेगा। बाल श्रमिकों का नियोजन प्रतिबंधित रहेगा। श्रमिकों को न्यूनतम वेतन व महंगाई भत्ते व साप्ताहिक अवकाश का अधिकार भी यथावत् रहेगा। श्रमिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी प्रावधानों से कोई समझौता नहीं किया गया है। कार्य के दौरान दुर्घटना की स्थिति में श्रमिकों को क्षतिपूर्ति संबंधी प्रावधान लागू रहेंगे। श्रमिकों की बंदी व छंटनी में पूर्व से निर्धारित प्रक्रिया अपनाना आवश्यक होगा, जिसमें छटनी की स्थिति में तीन माह की सूचना या वेतन देना आवश्यक होगा। श्रमिकों की ओर से उनके श्रम संगठन नियोजकों से चर्चा हेतु सक्षम रहेंगे। कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों का लाभ भी श्रमिकों को यथावत् मिलेगा। इसी प्रकार संबल योजना व विभिन्न प्रकार के कर्मकार कल्याण मंडलों के देय लाभ भी श्रमिकों को पात्रता अनुसार प्राप्त होते रहेंगे।

प्रदेश सरकार के इन संतुलित प्रयासों से नया निवेश आकर्षित होगा और औद्योगिक गतिविधियां प्रोत्साहित होंगी। इन उपायों से ही मौजूदा कामगारों के रोज़गार की रक्षा होगी और नये रोज़गार के अवसर उपलब्ध होंगे।

- ओमप्रकाश श्रीवास्तव

(लेखक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं अपर सचिव मुख्यमंत्री हैं)

उच्च शिक्षा की सभी कक्षाओं एवं पाठ्यक्रमों की होंगी परीक्षाएं

स्नातक/स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की परीक्षाओं की तिथि निर्धारित

राज्यपाल श्री लाल जी टंडन और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग की बैठक करते हुये।

भोपाल, राज्यपाल श्री लाल जी टंडन की अध्यक्षता में स्नातक, स्नातकोत्तर कक्षाओं एवं अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा तिथियों के संबंध में राजभवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि उच्च शिक्षा की स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं और पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जून से 31 जुलाई, 2020 के मध्य आयोजित की जायेंगी। यह व्यवस्था सभी निजी विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों पर भी लागू होगी। उच्च शिक्षा की प्रथम, द्वितीय वर्ष की कक्षाओं/पाठ्यक्रमों की नियमित परीक्षाएं स्थिति सामान्य होने पर आयोजित की जायेंगी। स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं और पाठ्यक्रमों के फाइनल इयर/सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में परीक्षा केंद्रों पर होंगी। सामाजिक दूरी की सावधानियों का पूरा पालन परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा।

स्नातकोत्तर कक्षाओं के पूर्वार्द्ध और स्नातक कक्षाओं और पाठ्यक्रमों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में एक सितम्बर, 2020 से नये सत्र में प्रवेश दिया जाएगा।

इस वर्ष स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध और स्नातक कक्षाओं/पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का नया सत्र एक अक्टूबर, 2020 से शुरू होगा।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं के अंतिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 से 30 जून, 2020 के बीच आयोजित की जायेंगी। अंतिम वर्ष की कक्षाओं/पाठ्यक्रमों की परीक्षा पारम्परिक प्रणाली से होगी। इनके परिणाम 15 जुलाई, 2020 तक घोषित हो जायेंगे।

परिस्थितियां सामान्य नहीं होने की स्थिति में परीक्षाएं ऑनलाइन मोड में आयोजित की जायेंगी। ऑनलाइन परीक्षा अवधि कुल दो घंटे की होगी। प्रश्न-पत्र बहु विकल्पीय रहेंगे। समस्त परीक्षाएं प्रतिदिन तीन शिफ्ट में होंगी।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाओं/सेमेस्टर के छात्रों की परीक्षाएं ऑफलाइन पेन-पेपर मोड के माध्यम से दिनांक 2 जुलाई से 31 जुलाई, 2020 के मध्य आयोजित की जायेंगी। परीक्षा परिणाम 25 अगस्त, 2020 तक घोषित किए जायेंगे। यदि कोई परीक्षार्थी अपरिहार्य कारणों से परीक्षा में उपस्थित नहीं हो पाता है, तो उसके लिये पृथक से विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी।

मध्यप्रदेश में लॉकडाउन में भी गेहूं का हुआ रिकॉर्ड उपार्जन

भोपाल, वैश्विक महामारी कोरोना के चलते इस बार सरकार को लॉकडाउन लागू करना पड़ा, लेकिन प्रदेश के किसानों की मेहनत और उनका जज्बा इस बार सबसे हाई रहा। यही वजह है कि मध्यप्रदेश के इतिहास में इस बार सबसे ज्यादा गेहूं खरीदी दर्ज की गई। गेहूं खरीदी के मामले में मध्यप्रदेश पंजाब के बाद देश में दूसरे स्थान पर है।

इस व्यापक संकट में भी गेहूं विक्रय के लिये 20 मई तक19.52 लाख किसानों ने पंजीयन कराया, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा है। वहीं पंजीकृत किसानों के उपार्जन केंद्रों में पहुंचने पर भी उत्साहजनक वृद्धि देखने को मिली। गत वर्ष 19.81 लाख पंजीकृत किसानों में से 9.66 लाख यानी 49 प्रतिशत किसानों ने ही वास्तविक तौर पर उपार्जन केंद्रों में जाकर अपनी फसल बेची थी, लेकिन इस वर्ष 20 मई तक 19.52 लाख किसानों में 13.87 किसान यानी 71 प्रतिशत किसानों ने खुद उपार्जन केंद्र जाकर अपनी फसल का विक्रय किया।

इस बार किसानों को अपनी फसल बेचने के लिये अन्य माध्यम जैसे सौदा पत्रक और प्राइवेट खरीदी केंद्र की व्यवस्था भी की गई, लेकिन उपार्जन केंद्रों पर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुदृढ़ व्यवस्था और अन्य सेवाओं के कारण किसानों ने प्राथमिकता से उपार्जन केंद्रों पर जाकर अपनी फसल का सौदा किया।

- **पिछले पांच वर्षों में इस बार पोर्टल पर सबसे ज्यादा 19.52 लाख किसान हुये पंजीकृत।**
- **व्यवस्था और अन्य सरकारी उपायों के कारण उपार्जन केंद्र बने किसानों की पहली पसंद।**
- **भारी वृद्धि के साथ पंजीकृत किसानों में से 71 प्रतिशत किसान पहुंचे उपार्जन केंद्र।**
- **रिकॉर्ड 15 लाख किसानों से 119 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा का उपार्जन।**
- **86 प्रतिशत उपार्जित फसलों का सुरक्षित परिवहन और भंडारण।**
- **12 लाख किसानों को 12 हजार करोड़ रुपये का हुआ भुगतान।**

गत वर्ष इसी अवधि में प्रदेश के किसानों से 73.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था, लेकिन इस बार अब तक 15 लाख किसानों से 119 लाख मीट्रिक टन का उपार्जन किया जा चुका है। अभी भी मई माह को पूरा होने में कुछ दिन बचे हैं।

ऐसे में निश्चित तौर पर उपार्जन का यह रिकार्ड और मजबूत होगा, जो अपने आप में एक कीर्तिमान स्थापित करेगा। खरीदी के साथ-साथ किसानों का भुगतान भी जल्द से जल्द किया जा रहा है।

समर्थन मूल्य में उपार्जित गेहूं के विरुद्ध 26 मई तक लगभग 12 लाख किसानों को 15 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान किया जा चुका है। सरकार द्वारा भंडारण की भी समुचित व्यवस्था की गई हैं, अब तक उपार्जित गेहूं का 86 प्रतिशत परिवहन कर सुरक्षित भंडारण कराया जा चुका है।

उपार्जन और भुगतान की प्रक्रिया सतत रूप से जारी है, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के अनुसार प्रदेश के किसानों से उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदा जायेगा।

टिड्डी दल से प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि

हरदा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने हरदा जिले के मसनगांव में टिड्डी दल से प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया।

श्री पटेल ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही से किसानों को अपेक्षाकृत कम नुकसान हुआ है। जिन किसानों को ज्यादा नुकसान हुआ है, उन्हें आरबीसी 6 (4) के तहत मुआवजा दिया जायेगा।

जून से निम्न – उच्च दाब एवं कृषि पंप कनेक्शन के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में एक जून से निम्न दाब, उच्च दाब एवं कृषि पंप कनेक्शन के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन करना होगा। कंपनी ने कहा है कि एक जून से इन कनेक्शनों के लिए ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। प्रबंध संचालक श्री विशेष गढ़पाले ने कहा है कि इस संबंध में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं। निर्देशों का उल्लंघन किए जाने पर संबंधित कार्मिको के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

नगरीय निकायों में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश

भोपाल, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीतेश व्यास ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नगरीय निकायों में क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत बरसात के पहले हर हाल में करवाएं। श्री व्यास ने कहा है कि नगरीय निकायों में जल प्रदाय और सीवरेज परियोजनाओं तथा अन्य कार्यों के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं।

प्रमुख सचिव ने कहा है कि समय पर क्षतिग्रस्त सड़कों कि मरम्मत नहीं होने एवं नागरिकों को असुविधा होने पर संबंधित नगर निगम आयुक्त एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

प्रमुख सचिव श्री नीतेश व्यास ने कहा है कि यदि किसी संविदाकार द्वारा रोड रेस्टोरेशन का कार्य नहीं किया जा रहा है, तो निकाय द्वारा यह कार्य अन्य एजेंसी से करवाया जाए और इसमें होने वाले व्यय की कटौती संविदाकार के देयकों से की जाए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

चर्चा में

डॉक्टर हर्षवर्धन

डब्ल्यूएचओ कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष बने

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन अब वैश्विक

मंच पर भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्हें डब्ल्यूएचओ के कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉक्टर हर्षवर्धन ने 22 मई को जापान के डॉक्टर हिरोकी नाकातानी का स्थान लिया है। भारत के प्रतिनिधित्व पर लगभग सभी देशों ने सहमति दी है।

गवर्नर एंड्रयू क्यूमो

लाइव टेलीविजन कार्यक्रम में करवाया कोरोना टेस्ट

न्यूयॉर्क में गवर्नर एंड्रयू क्यूमो ने लाइव

टेलीविजन पर कोरोना टेस्ट करवाया। वे स्वैब का नमूना लिये जाने तक आँखे बंद कर खड़े रहे। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई दर्द नहीं हुआ। न्यूयॉर्क में 3.6 लाख से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हैं। लोगों को कोरोना से सावधान रहने और संक्रमण से बचाने का संदेश देने के लिये गवर्नर एंड्रयू ने यह तरीका निकाला था।

जेसिंडा अर्डर्न

भूकंप के दौरान लाइव इंटरव्यू देती रहीं

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न वेलिंगटन में

जिस समय लाइव इंटरव्यू दे रहीं थीं उसी समय कुछ देर के लिये भूकंप भी आया था। वे कुछ समय रुकीं और फिर इंटरव्यू को जारी रखा। एंकर रेयान ब्रिस को भी उन्होंने समझाया कि सब ठीक है। ज्ञात रहे कि वेलिंगटन में आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.6 आंकी गई थी।

अंटार्कटिका

सफेद से हरे हो रहे पहाड़

अंटार्कटिका के पहाड़ अब सफेद से हरे नजर आ रहे

हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ऐसा पर्यावरण में आये बदलाव के कारण हो रहा है। ब्रिटिश खोजकर्ता अर्नेस्ट शैकेलटन ने जानकारी देते हुये बताया कि उन्होंने यूरोपियन स्पेस एजेंसी के साथ सेंटीनल-2 सैटेलाइट के जरिये 2 वर्षों तक डाटा कलेक्ट कर यह जानकारी जुटायी है। सतह का विश्लेषण करने पर पाया कि शैवाल की अधिकता से रंग में बदलाव नजर आ रहा है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज और ब्रिटिश अंटार्कटिका सर्वे ने साथ मिलकर मैप बनाया है।

इंटरनेट स्पीड

बना 44.2 टीबीपीएस का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया में रिसर्चर्स ने 44.2 टीबीपीएस की

इंटरनेट स्पीड का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। इस स्पीड में 1 मिनट में 42 हजार जीबी डेटा डाउनलोड हो सकता है। यानि 1 सेकंड में 1000 से ज्यादा एचडी फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। यह रिकॉर्ड माइक्रो-कॉम्ब नामक सिंगल चिप की मदद से बनाया गया है।

युबरी प्रीमियम खरबूजा

लगभग 35 लाख में हुये नीलाम

जापान में हुई एक नीलामी में दो युबरी प्रीमियम

खरबूजे नीलाम हुये। इन खरबूजों को इस साल भी उत्तरी होक्काइडो की साप्पोरो सेंट्रल होलसेल मार्केट में एक लोकट फ्रूट पैकिंग फर्म ने खरीदा है। अधिकारी के अनुसार खरीदने वाले ने एक जोड़ा खरबूजे के लिये लगभग 35 लाख रुपये चुकाये हैं। मान्यता अनुसार जापान में खरबूजों की पहली फसल को नीलाम किया जाता है।

ग्लोब थियेटर

धन की कमी से बंद होने की कगार पर

लंदन का मशहूर प्ले हाउस विलियम शेक्सपियर

का ग्लोब थिएटर कोरोना संकट में बंद हुई आर्थिक गतिविधियों के कारण बंद होने की कगार पर है। थियेटर की स्थापना विलियम शेक्सपियर ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर 1599 में की थी। मूल थियेटर आग के कारण 1613 में नष्ट हो गया था। वर्ष 1614 में इसे फिर बनाया गया जिसके बाद 1644 में यह ढह गया था। वर्तमान में जो थियेटर है वह 1997 में शुरू हुआ।

20 मिलियन डॉलर

चैरिटी गोल्फ टूर्नामेंट से जुटाए

महान गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स और फिल

मिकेलसन ने एनएफएल क्वार्टर बैक लीजेंड्स टॉम ब्रैडी और पेयोट मैनिंग के साथ चैरिटी गोल्फ टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और कोविड-19 फंड के लिये 20 मिलियन डॉलर जुटाए। चैरिटी टूर्नामेंट में नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) खिलाड़ी मैनिंग ने शॉट ऑफ द डे जमाया। इस टूर्नामेंट में वुड्स और मैनिंग एक शॉट के अंतर से जीते।

जापान

राष्ट्रीय आपातकाल हटाया

जापान में सात अप्रैल से जारी राष्ट्रीय आपातकाल

को हटा कर देश के ज्यादातर हिस्सों में आर्थिक गतिविधियों की अनुमति दे दी गई है। प्रधानमंत्री शिंजो आबे के अनुसार टोक्यो समेत कुछ अन्य इलाकों में अब भी लॉकडाउन रहेगा। जापान में कोरोना संक्रमण के 16 हजार से ज्यादा मामले सामने आये हैं।

अलेक्जेंडर वान डेर बेलेन

सार्वजनिक रूप से माफी मांगी

ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलेन ने

लॉकडाउन तोड़ने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। रात 11 बजे तक रेस्तरां खोलने के आदेश उन्होंने स्वयं दिये थे और खुद ही आधी रात तक वियना के एक रेस्तरां बैठे रहे। बेलेन ने इसके लिये न केवल माफी मांगी बल्कि रेस्तरां पर लगने वाले भारी जुर्माने को भी खुद भरा।

आभास झा

जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन के प्रैक्टिस मैनेजर नियुक्त

भारतीय अर्थशास्त्री आभास झा को विश्व बैंक ने

दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन व आपदा जोखिम प्रबंधन का प्रैक्टिस मैनेजर नियुक्त किया है। आभास ने 2001 में विश्व बैंक ज्वॉइन किया था। वह बांग्लादेश, भूटान, भारत और श्रीलंका के बैंक कार्यालय में कार्यकारी निदेशक रह चुके हैं।

पांडा

बांस की सप्लाई रुकने से लौटेंगे अपने घर

कनाडा के कैलगरी चिड़ियाघर में रह रहे चीन के

दो पांडा बांस की कमी के कारण अपने घर वापस लौटेंगे। पांडा की जोड़ी चीन से 10 साल के समझौते के तहत 2023 तक कनाडा रहने वाली थी। पांडा सिर्फ ताजा बांस खाते हैं। कोरोना की वजह से इनके लिये खाने का इंतजाम करना मुश्किल हो रहा है। चिड़ियाघर प्रशासन पांडा को वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी करने में लगा है।

मेजर सुमन गावनी

यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड के लिये नामित

दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र के मिशन में काम कर चुकीं

भारतीय आर्मी ऑफिसर मेजर सुमन गावनी को संयुक्त राष्ट्र सम्मानित करेगा। उनका चयन यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड के लिये किया गया है। मेजर गावनी 2011 में सेना में शामिल हुई थीं। वे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। वे 2018 से सूडान में पीसकीपर के तौर पर कार्यरत थीं।

जे.के. रोलिंग ने

'द इकॉबोग' ऑनलाइन लॉन्च की

हैरी पॉटर सीरीज की लेखिका जे.के. रोलिंग ने अपनी नई कहानी 'द इकॉबोग' को बच्चों के लिये

मुफ्त ऑनलाइन धारावाहिक के रूप में जारी किया। 7 से 9 साल के बच्चों को सुनाई जाने वाली इस परीकथा के 34 भाग हैं। उनकी यह परीकथा नवंबर तक प्रिंट संस्करण के रूप में बाजार में आ जायेगी। इसकी रॉयल्टी वे कोरोना वायरस से लड़ने में मदद करने वालों को देंगी।

हिमांशु राज

बिहार में मैट्रिक टॉपर बने

बिहार बोर्ड मैट्रिक के परीक्षा परिणाम में रोहतास

जिले के नटवार स्थित जनता हाईस्कूल के हिमांशु राज टॉपर बने हैं। हिमांशु के 96.20 प्रतिशत अंक आये हैं। सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने की चाहत रखने वाले हिमांशु को परिणाम घोषित होते ही पंचायत ने 11 हजार की धनराशि ईनाम स्वरूप प्रदान की है।

स्मृति शेष

यूएस के पूर्व राष्ट्रपतियों के बटलर का निधन

अमेरिका के 11 राष्ट्रपतियों के बटलर

(खानसामा) रह चुके बिल्सन की कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 91 वर्ष की उम्र में मौत हो गई। पूर्व राष्ट्रपति ड्वाइड डी इसेनहावर से लेकर बराक ओबामा के बटलर रह चुके बिल्सन कुछ समय पहले कोरोना वायरस से संक्रमित हुये थे।

प्रसिद्ध लेखक और नाटककार रत्नाकर मतकरी का निधन

महाराष्ट्र के प्रसिद्ध लेखक एवं नाटककार

रत्नाकर मतकरी का आकस्मिक निधन हो गया है। उन्होंने कई हास्य नाटकों का निर्देशन किया। 'अलबत्या गलबत्या' उनकी लिखी किताब थी, जिसपर आधारित नाटक का मंचन अनेक बार किया गया।

ग्रैंड स्लैम चैंपियन एश्ले कूपर का निधन

चार बार के एकल ग्रैंड स्लैम टेनिस चैंपियन

एश्ले कूपर का 83 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलिया में निधन हो गया। एश्ले ने 1958 में अमेरिकी चैंपियनशिप सहित ऑस्ट्रेलियाई और विम्बलडन में ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी अपने नाम की थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

हमें कभी भी वो कार्य नहीं करने चाहिए, जिन्हें हम स्वयं दिल से नापसंद करते हों – ब्रिघम यंग

आत्मनिर्भर भारत में होगा मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान

फसल बीमा और किसान सम्मान निधि के 4600 करोड़ रुपये मिलने से किसानों को मिली राहत

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के कार्यों पर चर्चा करते हुये।

भोपाल, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। मध्यप्रदेश में कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता, मत्स्य पालन, पशुपालन और उद्योग के क्षेत्र में रोज़गारमूलक कार्यों के माध्यम से सशक्त अर्थव्यवस्था के लिये अधिकतम प्रयास होंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल मंत्रालय में मंत्रिपरिषद् के सदस्यों के साथ वित्त मंत्री भारत सरकार के वक्तव्य के बिन्दुओं पर मध्यप्रदेश में विभिन्न विभागों की तैयारियों के संबंध में प्रस्तुतिकरण के पश्चात चर्चा करते हुये कहीं। इस दौरान बताया गया कि प्रदेश में कोरोना संकट के फलस्वरूप लॉकडाउन की लगभग दो माह की अवधि में 4600 करोड़ रुपये की राशि किसानों के खाते में जमा कर उन्हें राहत प्रदान की जा चुकी है। इसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान सम्मान निधि योजना की राशि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग क्षेत्र में इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के विकास, बैटरी चलित वाहनों के उपयोग में मध्यप्रदेश लीड करने का प्रयास करेगा। इसी तरह पशुपालन के तहत गौवंश की रक्षा के साथ पशु नस्ल सुधार का कार्य अभियान के रूप में संचालित होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उद्यानिकी में कार्य की काफी संभावना हैं। प्रदेश में मधुमक्खी पालन जैसे लाभकारी कार्य से लोगों को जोड़ने के प्रयास बढ़ाए जायेंगे। विशेष रूप से मुरैना और भिण्ड जिलों में इस कार्य का विस्तार किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अंतर्विभागीय समन्वय से तालाब निर्माण और मत्स्य पालन के कार्यों को जोड़कर किसान के हित में योजना लागू करने के निर्देश दिये।

प्रस्तुतिकरण और चर्चा

किसान कल्याण तथा कृषि विकास- प्रदेश में 119 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं का उपार्जन हुआ है। इसके साथ ही चना, मसूर और सरसों का उपार्जन भी 2.75 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा हुआ है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 2990 करोड़ रुपये हितग्राहियों को दिये गये हैं। एफ.पी.ओ. (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन) की स्थापना और सुदृढ़ीकरण के लिये भी कार्य योजना बनाई जा रही है। एक हजार नवीन एफ.पी.ओ. का लक्ष्य है। एग्री इन्टरप्रेन्योर और एग्री स्टार्टअप में 500 का लक्ष्य रखते हुये अधोसंरचना निर्माण का कार्य किया जायेगा। कृषि विपणन क्षेत्र में सुधार के अंतर्गत ई-ट्रेडिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मण्डी अधिनियम में परिवर्तन और यूनिफाइड लायसेन्स की व्यवस्था इसी सिलसिले में की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे क्रम पर है। लॉकडाउन की अवधि में लगभग 85 लाख परिवारों को 1700 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है।

सहकारिता- अपेक्स बैंक को नाबार्ड द्वारा 2 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। खरीफ 2019 में दिये गये फसल ऋण के लिये अंतिम तिथि 31 मई तक बढ़ाई गई है। इससे 16 लाख किसानों को करीब 47 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता भारत सरकार से और समय पर ऋण अदायगी पर प्रोत्साहन के रूप में प्राप्त होने की आशा है। प्रदेश में किसानों को पात्रतानुसार चरणबद्ध कार्ययोजना में के.सी.सी. (किसान क्रेडिट कार्ड) की उपलब्धता रहेगी। कृषि अधोसंरचना फण्ड के संबंध में भारत सरकार से दिशा-निर्देश प्राप्त होने पर कार्ययोजना के लिये कार्रवाई की जायेगी। सूक्ष्म खाद्य उद्यमों के क्षेत्र में अनेक गतिविधियां संचालित की जायेंगी। प्रदेश में 50 क्लस्टर का विकास प्रस्तावित है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक, कैपेसिटी बिल्डिंग और हर्बल खेती को बढ़ावा देने के लिये 200 नई इकाइयों की स्थापना और 10 लाख हेक्टेयर में अगले दो वर्ष में औषधीय पौधे लगाने की योजना है। मधुमक्खी पालन के अंतर्गत 23 हजार 600 इकाइयां चल रही हैं।

मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास- मत्स्य पालन के क्षेत्र में नई प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना हाल ही में केंद्रीय मंत्रिपरिषद् से अनुमोदित हुई है। इसमें राज्यों को संस्थागत सहयोग के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जायेगी। मध्यप्रदेश को लगभग 30 करोड़ रुपये सालाना अनुदान राशि मिलने का अनुमान है।

पशुपालन- प्रदेश में पशुओं में शत-प्रतिशत टीकाकरण और पशुओं की टैगिंग का कार्य होगा। सभी 290 लाख गौ और भैंस वंशीय पशुओं को टैग लगाने का कार्य चल भी रहा है। अब तक 70 लाख पशुओं को टैग लगाए जा चुके हैं। भारत सरकार द्वारा करीब 50 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है।

उद्योग- आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत औद्योगिक विकास के लिये मध्यप्रदेश में 12 हजार 507 हेक्टेयर का भूमि बैंक विकसित किया गया है। निजी क्षेत्र की भागीदारी को आमंत्रित करने की पहल की गई है। औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिये हवाईअड्डों, राजमार्गों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों के निकटवर्ती क्षेत्रों में भूमि चिन्हित की जायेगी।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश की कार्ययोजना में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिये निजी क्षेत्रों की इक्विटी के रूप में भागीदारी आमंत्रित करने की संभावनाओं को देखा जायेगा। प्रदेश में 4 परिधान पार्क विकसित करने का प्रस्ताव है जो इंदौर, भोपाल, छिंदवाड़ा और रतलाम में होंगे। केमिकल और फार्मास्युटिकल पार्क भी प्रस्तावित हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग और अन्य प्रदेशों के बड़े नगरों जैसे नागपुर, अहमदाबाद आदि से कनेक्टिविटी बेहतर बनाने की दिशा में भी कार्य प्रस्तावित है।

नई दृष्टि और नई दिशा के साथ हो गौ-संरक्षण - राज्यपाल

देशी नस्ल सुधार कर आत्मनिर्भर गौ-शाला की बनी परियोजना

भोपाल, गोवंश संरक्षण और संवर्धन के लिए नई दिशा और नई दृष्टि के साथ कार्य करना होगा। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना होगा। देशी गोवंश नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और अन्य गौ-उत्पादों की वाणिज्यिक उपयोगिता आदि विभिन्न तथ्यों को सम्मिलित कर एकीकृत कार्य योजना बनाकर गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पशुपालन विभाग और पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय मिलकर इस दिशा में पहल करें। ये बातें राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने भोपाल स्थित राजभवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा आत्मनिर्भर गौशाला और देशी गोवंश नस्ल सुधार परियोजना के प्रस्तुतिकरण के संबंध में कहीं।

श्री टंडन ने कहा कि प्रदेश में दूध की नदियां बहेंगी। इस सपने को साकार किया जा सकता है। आवश्यकता है कि गौ-पालन को मूल्य संवर्धित कर लाभकारी बनाया जाए। गोवंश की उपयोगिता को बढ़ाकर इस दिशा में प्रभावी पहल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह कार्य एकाकी दृष्टिकोण के साथ नहीं हो सकता। इसके लिए गौ-पालन के प्रत्येक पहलू, संसाधन के उपयोग और समस्या के समाधान की जमीनी कार्य योजना पर कार्य करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि घुमंतु और अनुपयोगी देशी नस्ल के गोवंश का उपयोग नस्ल सुधार कार्य में किया जाना समस्या को संसाधन में बदलने की पहल है। सरोगेटेड मदर के रूप में इनका उपयोग कर देशी नस्ल की गायों में उन्नत नस्लों के भ्रूण प्रत्यारोपण कर देशी नस्ल से दुधारू उन्नत गायें तैयार की जा सकती हैं। इसी तरह सह गौ-उत्पादों के विपणन की उचित और बाजार की मांग अनुसार आपूर्ति कर गौ-पालन से अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है। श्री टंडन ने कहा कि देशी गायों से उन्नत नस्ल तैयार करने की संपूर्ण परियोजना का व्यावहारिक मॉडल तैयार किया जाए। इसके लिए व्यापक फलक और दृष्टिकोण के साथ कार्य की योजना बनाई जाए।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एस.आर. तिवारी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा देशी गोवंश नस्ल सुधार की व्यापक परियोजना तैयार की है। इसमें 4 वर्षों में गौ-शालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कार्य योजना है।

रेत खनिज के ठेकेदारों से वास्तविक उत्खनन की राशि ली जाएगी

रेत खनन अनुज्ञा के अधिकार कलेक्टरों को दिए गये

भोपाल, राज्य शासन द्वारा रेत खनन के ठेकेदारों को लॉकडाउन अवधि के लिए राहत देने का निर्णय लिया गया है। लॉकडाउन प्रारंभ होने की तिथि 22 मार्च, 2020 से अथवा अनुबंध दिनांक से वास्तविक उत्खनित मात्रा पर ही ठेके की राशि ली जाएगी। समानुपातिक गणना के आधार पर देय किश्त राशि में छूट दी जाएगी।

18 मई, 2020 अथवा अनुबंध दिनांक से 31 अक्टूबर, 2020 तक ठेकेदारों से वास्तविक उत्खनित मात्रा पर अनुबंधित दरों पर ठेके की राशि ली जाएगी। ठेकेदारों को यह भी सुविधा दी गयी है कि उक्त अवधि की देय किश्त राशि का समायोजन करते हुए शेष राशि को बिना ब्याज के समान किश्तों में नियमित भुगतान किया जाए। राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश रेत खनन, परिवहन, भण्डारण एवं व्यापार नियम-2019 के अंतर्गत यह आदेश प्रदान किये गये।

राज्य शासन ने रेत ठेकों की अवधि बढ़ाने के संबंध में भी निर्देश दिए हैं। मध्यप्रदेश रेत नियम-2019 के नियम के प्रावधान को शिथिल करते हुए आर्थिक ठेका धन में 10 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ 30 जून, 2023 तक ठेके की अवधि बढ़ाई जा सकेगी। शासन द्वारा वैधानिक अनुमतियों को अनुबंध निष्पादन के पूर्व प्राप्त करने की अनिवार्यता को शिथिल किया गया है। ऐसे शिथिलीकरण उपरांत नियम-13 के तहत निष्पादित अनुबंध में वैधानिक अनुमतियां प्राप्त होने के पश्चात ही खदान संचालित किये जाने की शर्त अधिरोपित की जायेगी। इस प्रकार से निष्पादित अनुबंध में ठेके की किश्त की राशि दिनांक 8 जून, 2020 अथवा जलवायु सम्मति दिनांक से वसूल की जायेगी। उक्त राहत केवल उन्हीं जिला समूहों के रेत ठेकेदारों को दी जायेगी जिनके द्वारा 6 जून, 2020 तक अनुबंध का निष्पादन किया गया हो। कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण प्रदेश की आर्थिक गतिविधियाँ प्रभावित हुई हैं। प्रदेश में बाहरी राज्यों से श्रमिक वापस आ रहे हैं। इन श्रमिकों को रोज़गार उपलब्ध कराने के लिये राज्य शासन द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा कोविड-19 संक्रमण के दृष्टिगत विभिन्न राहत पैकेज जारी किये गये हैं।

रोज़गार बढ़ाने में मददगार हैं कुटीर एवं ग्रामोद्योग इकाइयां

भोपाल, मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के संचालक मंडल की 64वीं बैठक में स्फूर्ति तथा के.आर.डी.पी. योजना के ग्वालियर, मंदसौर, बैतूल आदि जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख सचिव, कुटीर एवं ग्रामोद्योग श्री अनिरुद्ध मुकर्जी ने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग गतिविधियों का विस्तार प्रदेश में रोज़गार के संसाधन बढ़ाने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खादी एवं ग्रामोद्योग की अधिकाधिक इकाइयां लगाने की आवश्यकता है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा ग्वालियर और मंदसौर में कम्बल केन्द्रों के लिये स्फूर्ति योजना के अन्तर्गत 252 लाख रुपये का प्रस्ताव शीघ्र खादी ग्रामोद्योग आयोग को भेजा जायेगा। इसी तरह के.आर.डी.पी. योजना के अन्तर्गत बैतूल के घाटबिरोली में खादी उत्पादन केंद्र के लिये 105 लाख रुपये का प्रस्ताव भेजा जायेगा। उल्लेखनीय है कि स्फूर्ति योजना में प्रस्तुत किए गये प्रस्ताव की कुल लागत का 90 प्रतिशत तथा के.आर.डी.पी. योजना में प्रस्तुत प्रस्ताव की लागत का शत-प्रतिशत भार खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा वहन किया जाता है। श्री मुकर्जी ने बोर्ड की 63वीं बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए कहा कि बोर्ड तथा केंद्र एवं भंडारों के वार्षिक लेखों का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने बोर्ड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भविष्य निधि राशि को पी.एफ. खाते में शीघ्र जमा करवाने के निर्देश दिए। श्री मुकर्जी ने कहा कि पी.पी.पी. मोड/फ्रेंचाइजी के आधार पर विक्रय केंद्रों के संचालन का अनुबंध स्पष्ट होना चाहिए तथा इसमें बोर्ड के हितों का समुचित संरक्षण सुनिश्चित किया जाये।

रबी उपार्जन की समीक्षा

मानसून से पूर्व उपार्जित खाद्यान्न को गोदामों में सुरक्षित पहुंचाया जाये

भोपाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण एवं सहकारिता मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने भोपाल स्थित मंत्रालय में रबी उपार्जन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निश्चित अवधि के पूर्व ही गेहूं की रिकॉर्ड खरीदी के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि खरीदी के बाद खाद्यान्न का परिवहन कर उसे गोदामों में सुरक्षित रखने की व्यवस्था मानसून के पूर्व सुनिश्चित करें।

श्री राजपूत ने अधिकारियों के साथ गेहूं, चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी एवं भंडारण पर चर्चा करते हुये बताया कि प्रदेश में लगभग 120 लाख मीट्रिक टन गेहूं समर्थन मूल्य पर क्रय किया जा चुका है। इसके अलावा 2 लाख 75 हजार मीट्रिक टन चना, मसूर एवं सरसों का उपार्जन किया गया है। गेहूं के उपार्जन में प्रदेश ने इस वर्ष कीर्तिमान स्थापित किया है, जो मध्यप्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक उपार्जन से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है।

80 प्रतिशत किसान पंजीकृत

उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश के 19 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया था, जिसमें से अभी तक 15 लाख 36 हजार किसानों ने खरीदी केंद्रों पर गेहूं उपार्जन कर लाभ उठाया। इसके पूर्व अधिकतम 50 से 60 प्रतिशत किसानों की तुलना में 80 प्रतिशत किसानों ने अपनी फसल समर्थन मूल्य पर बेची।

बारदाना एवं परिवहन व्यवस्था करें सुनिश्चित

श्री राजपूत ने बताया कि अभी तक 100 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का परिवहन कर उसका सुरक्षित भंडारण कराया जा चुका है। प्रमुख सचिव खाद्य श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि बारदानों की कमी एक दो दिन में पूरी कर ली जाएगी। इसके लिए जिन खरीदी केंद्रों पर अतिरिक्त बारदाने हैं उन्हें आवश्यकता वाले खरीदी केंद्रों पर पहुंचाया जा रहा है।

चना, मसूर एवं सरसों की 10 जून तक होगी खरीदी

श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में चना, मसूर तथा सरसों का उपार्जन आगामी 10 जून 2020 तक किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न उर्वरकों तथा बीज के अग्रिम भंडारण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में उर्वरक एवं बीज का भंडारण खरीफ 2020 की आवश्यकता अनुरूप है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना

डेढ़ लाख से अधिक विद्यार्थियों की फीस सरकार ने की जमा

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मेधावी विद्यार्थियों की पढ़ाई में आने वाले आर्थिक संकट को दूर करने के लिये शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शुरू की गई मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना का लाभ लेकर लगभग 1 लाख 52 हजार विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, आर्किटेक्ट और बिजनेस मैनेजर आदि बनने की दहलीज पर हैं। गत तीन शैक्षणिक सत्र में एक लाख 52 हजार 278 विद्यार्थियों की 326 करोड़ 69 लाख 85 हजार रुपये की ट्यूशन फीस सरकार द्वारा जमा करवाई गयी है।

मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा के लिये पूरी ट्यूशन फीस देने की यह योजना देश में पहली बार केवल मध्यप्रदेश में लागू की गयी है। यह ऐसी योजना है जिसमें सभी वर्ग के विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर लाभ मिलता है। योजना में आई.आई.एम. के 22 विद्यार्थियों को 88 लाख 66 हजार 671 रुपये, मध्यप्रदेश स्थित आई.आई.टी., एन.आई.टी., आई.आई.आई.टी., आई.आई.एस.ई.आर., एन.आई.एफ.टी., एस.पी.ए. के 325 विद्यार्थियों को 4 करोड़ 36 लाख 59 हजार 993 रुपये, मध्यप्रदेश के बाहर के आई.आई.टी., एन.आई.टी., आई.आई.आई.टी., आई.आई.एस.ई.आर., एन.आई.एफ.टी., एस.पी.ए. के 1374 विद्यार्थियों को 12 करोड़ 23 लाख एक हजार 701 रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

मेडिकल (नीट) के 2832 विद्यार्थियों को 187 करोड़ रुपये

इसी तरह मेडिकल (नीट) के 2832 विद्यार्थियों को 187 करोड़ 41 हजार 460 रुपये, तकनीकी शिक्षा के 3329 विद्यार्थियों को 21 करोड़ 13 लाख 36 हजार 892 रुपये, क्लैट- एन.एल.आई.यू. के 328 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 74 लाख 10 हजार 534 रुपये, जे.ई.ई. रैंक के आधार पर मध्यप्रदेश के बाहर के प्रायवेट कॉलेजों के 251 विद्यार्थियों को 3 करोड़ 59 लाख 70 हजार 724 रुपये, उच्च शिक्षा में एक लाख 38 हजार 790 विद्यार्थियों को 73 करोड़ 38 लाख 79 हजार 774 रुपये और अन्य पाठ्यक्रमों के 5027 विद्यार्थियों को 18 करोड़ 35 लाख 17 हजार 358 रुपये की ट्यूशन फीस का भुगतान सरकार द्वारा किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना में मध्यप्रदेश के मूल निवासी विद्यार्थियों को, जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल 12वीं कक्षा की परीक्षा में 70 प्रतिशत अथवा सीबीएसई/आईएससीएसआई की 12वीं कक्षा की परीक्षा 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो, को लाभ मिलता है। विद्यार्थियों के अभिभावकों की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से कम होना चाहिए। इन विद्यार्थियों की पूरी ट्यूशन फीस शासन द्वारा जमा की जाती है।

यात्री का कंफर्म टिकट ही ई-पास के रूप में मान्य

भोपाल, केन्द्र शासन के नवीन निर्देशों के अनुसार हवाई परिवहन और एक जून से रेल परिवहन प्रारंभ करने की अनुमति दी गई है। इससे राज्य के बाहर से आवागमन संभव है। अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी स्टेट कंट्रोल रूम श्री आई.सी.पी. केशरी ने जानकारी दी है कि यह यात्राएं ई-टिकट द्वारा ही की जायेंगी। अतः इन्हें ई-पास के रूप में मान्य किये जाने का निर्णय लिया गया है। यह ई-पास अपने निवास से रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और यहां से निवास तक के लिये मान्य होगा। ई-टिकट में आवेदक के सभी विवरण दर्ज होते हैं।

उल्लेखनीय है कि ई-पास की सुविधा में ढील देते हुए केवल इंदौर, भोपाल एवं उज्जैन से जाने वाले नागरिकों के लिये ई-पास की सुविधा अनिवार्य की गई है।

कौशल एवं रोज़गार

प्रवासी कुशल मजदूरों को काम दिलाने के लिए बनाएं रोज़गार सेतु

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कौशल एवं रोज़गार के क्षेत्र में प्रस्तावित बदलाव के संबंध में बैठक करते हुये।

भोपाल, कोरोना संकट के कारण हुए रिवर्स माइग्रेशन से प्रदेश में कुल 10 से 13 लाख मजदूर प्रदेश लौटने का अनुमान है। इनमें से अकुशल श्रमिकों को कार्य दिलाने के लिये प्रदेश में श्रमसिद्धि अभियान चालू किया गया है। कुशल मजदूरों को उनकी योग्यता के अनुसार रोज़गार दिलवाने के लिये शॉर्ट एवं लॉन्ग टर्म प्लानिंग करें। इसके लिए 'रोज़गार सेतु' बनाया जाए। इससे कुशल श्रमिकों एवं काम देने वालों को जोड़ा जायेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में कोविड-19 के पश्चात प्रदेश में कौशल एवं रोज़गार के क्षेत्र में प्रस्तावित बदलाव के संबंध में बैठक में कहीं।

तत्काल कार्य दिलाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशल प्रवासी मजदूरों को तत्काल कार्य दिलाने के लिए शॉर्ट टर्म प्लान बनाएं। इसके अंतर्गत पंचायतों से डाटा मंगवाये और निर्माण, उद्यम आदि में कुशल श्रमिकों को नियोजित किया जाए।

लॉन्ग टर्म प्लानिंग, प्लेटफार्म बनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉन्ग टर्म प्लानिंग के अंतर्गत कुशल मजदूरों की जानकारी तथा उद्योगों एवं निर्माणकर्ताओं की जानकारी एक प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई जाए, जिसके माध्यम से उद्योगों एवं निर्माणकर्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुरूप कुशल श्रमिक उपलब्ध कराए जाएं। इसमें एम.एस.एम.ई. की भूमिका महत्वपूर्ण है।

प्रवासी मजदूर कौशल रजिस्टर एवं पोर्टल

श्री चौहान ने निर्देश दिये कि प्रवासी मजदूरों का कौशल रजिस्टर पंचायतवार बनाया जाए, जिसमें उनके कौशल से संबंधित तथा अन्य जानकारी दर्ज की जाए। साथ ही इसके लिए एक पोर्टल बनाया जाकर उस पर जानकारी दर्ज की जाए। यह जानकारी नियोजनकर्ताओं को उपलब्ध करायी जाए। जानकारी के अंतर्गत शैक्षणिक योग्यता, पूर्व नियोजन, पूर्व वेतन, पूर्व नियोजनकर्ता, कौशल, अपेक्षित मासिक वेतन तथा मजदूर जिस सेक्टर में कार्य करने का इच्छुक हो वह उल्लेखित किया जाए।

प्रवासी मजदूरों के कार्य के प्रमुख क्षेत्र

प्रवासी मजदूर मुख्य रूप से भवन एवं अन्य निर्माण कार्य, ईंट भट्टा खनन, फैक्ट्री, टेक्सटाइल, कृषि एवं संबंधित गतिविधियों में कार्य करते हैं। ये मजदूर प्रमुख रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु तथा राजस्थान जाते हैं।

कोरोना स्थिति की समीक्षा

मध्यप्रदेश में फीवर क्लीनिक्स को बनाया जायेगा आदर्श - मुख्यमंत्री

देश में जल संग्रहण के कार्य में सर्वाधिक मजदूर मध्यप्रदेश में लगाये गये

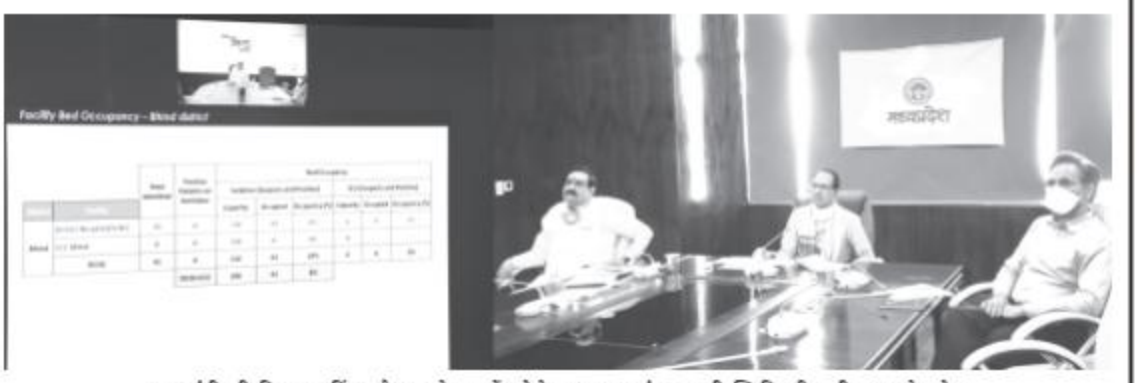

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में फीवर क्लीनिक्स को आदर्श बनाया जाये, जिससे कोरोना संकट के दौरान वहां पर आसानी से कोई भी व्यक्ति जाकर अपनी स्वास्थ्य जांच करवा सके तथा इसके बाद ये क्लीनिक सभी बीमारियों के उपचार के लिये भी अच्छे केंद्र बनें। वर्तमान में प्रदेश में कुल 1577 फीवर क्लीनिक्स कार्य कर रहे हैं। धीरे-धीरे इनका विस्तार किया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान कहीं।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक प्रवासी मजदूर सहित सभी मजदूरों को कार्य दिलाये जाने के लिये शुरू किये गये श्रम सिद्धी अभियान के अंतर्गत 4 लाख 78 हजार 247 मजदूरों को जॉब कार्ड बनाकर दिये गये हैं तथा रोज़गार भी दिया गया है। प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत 23 लाख 01 हजार 921 मजदूरों को काम दिया गया है।

डबलिंग रेट 23 दिन

रिकवरी रेट 54.3 प्रतिशत

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि प्रदेश का कोरोना डबलिंग रेट 23 दिन हो गया है, जबकि देश की दर 16 दिन है। मध्यप्रदेश का कोरोना रिकवरी रेट 54.3 प्रतिशत हो गया है, जबकि देश की रिकवरी रेट 42.8 प्रतिशत है।

एक-एक मृत्यु का विश्लेषण करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए एक-एक जान कीमती है, हर मरीज को बचाना है। कोरोना से हुई एक-एक मृत्यु का विश्लेषण करें।

एक-एक गली को फोकस करें

इंदौर एवं उज्जैन जिलों में कोरोना संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने निर्देश दिए कि इन शहरों की एक-एक गली पर फोकस करें। हमें कोरोना संक्रमण को हर हालत में रोकना है।

जावद में पूरा लॉकडाउन करें

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि नीमच जिले के जावद क्षेत्र में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए वहां आगामी दिनों के लिए टोटल लॉकडाउन करें।

रेत माफियाओं पर कार्रवाई करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भिंड जिले में रेत माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोरोना के विषय में कलेक्टर ने बताया कि जिले में 53 कोरोना संक्रमित मरीज थे, जिनमें से 12 स्वस्थ होकर घर चले गए हैं। जिले में उपचार की सभी व्यवस्थाएं अच्छी हैं।

आपराधिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करें

श्री चौहान ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि गुंडों, माफियाओं तथा आपराधिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करें। कानून व्यवस्था की स्थिति पर विशेष नजर रखें। धार जिले की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 120 कोरोना संक्रमित मरीज थे, जिनमें से 105 स्वस्थ होकर घर चले गए हैं। यहाँ की रिकवरी रेट 87.5 प्रतिशत है। जिलों में कॉन्ट्रेक्ट ट्रैसिंग पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि धार जिले में पूरी सावधानी से कार्य करें, जिससे जिला शीघ्र ही संक्रमण मुक्त हो सके।

टेस्टिंग कैपिसिटी अब 6 हजार प्रतिदिन

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री सुलेमान ने बताया कि वर्तमान में हमारी कोरोना टेस्टिंग कैपिसिटी 6 हजार टेस्ट प्रतिदिन हो गयी है। प्रदेश में 20 कोरोना टेस्टिंग लैब हैं।

राज्य आनंद संस्थान का ऑनलाइन अल्पविराम कार्यक्रम

इम्युनिटी के साथ आत्मबल को भी बढ़ाएं

भोपाल, कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन में प्रदेश के नागरिकों को उत्साह, आनंद की अनुभूति कराने और स्वयं से जुड़ाव के लिए राज्य आनंद संस्थान के लोकप्रिय अल्पविराम कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रशिक्षण का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है।

राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अखिलेश अर्गल ने बताया कि कोरोना के इस संकट काल के दौरान नागरिकों में फैले भय और अवसाद को दूर करने के लिए संस्थान ऑनलाइन अल्पविराम कार्यक्रम 4 मई से संचालित कर रहा है।

इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़ सकते हैं। इससे स्वयं के जीवन के प्रति जागरुकता, जीवन का लेखा-जोखा, किसने हमारी मदद की, हमने किसकी मदद की, मेरे जीवन के लक्ष्य आदि मुद्दों पर बात की जाती है। श्री अर्गल ने बताया कि पिछले 60 दिनों से कोरोना माहामारी से बचाव के लिए हम सभी अपने-अपने घरों में हैं। बाहर के इस संकट से बचने का सबसे सही उपाय यही है कि हम स्वयं को घर के अंदर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, भीड़ नहीं लगाएं और भीड़ वाली जगह पर नहीं जाएं।

संस्थान के द्वारा चार मई से प्रतिदिन 40 लोगों का पंजीयन कर एक समूह बनाया जा रहा है, जिसमें अगले छः दिनों तक लगातार अल्पविराम के सत्रों का ऑनलाइन अभ्यास कराया जा रहा है। राज्य आनंद संस्थान के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से यह अभ्यास कराया जा रहा है। यह प्रक्रिया और कार्यक्रम निरंतर जारी है। कोई भी व्यक्ति राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट **www.anandsansthanmp.in** पर जाकर आनंद शिविर टैब को क्लिक कर अपना पंजीयन निःशुल्क करा सकता है। इस सम्बन्ध में अधिक सहायता के लिए फोन (7723929667) पर संपर्क भी कर सकते है।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर फीवर क्लीनिक की गतिविधियां नहीं होंगी संचालित

भोपाल, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री फैज अहमद किदवई ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों पर फीवर क्लीनिक अथवा कोविड-19 की गतिविधियों का संचालन नहीं किया जायेगा।

श्री किदवई ने कहा है कि कोविड-19 से संक्रमित मरीज के थूक के कणों से दो मीटर के भीतर सम्पर्क में आए किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकती है। प्रदेश में संचालित किसी भी आंगनवाड़ी में कोविड-19 संबंधी गतिविधियां, फीवर क्लीनिक का संचालन या सैम्पलिंग कार्य के लिये आंगनवाड़ी सह-आरोग्य केंद्र का उपयोग न किया जाये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस | 07 जून

आहार की सुरक्षा के बगैर नहीं हो सकती खाद्य सुरक्षा

संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) साथ मिलकर खाद्य उत्पादकों, विक्रेताओं, नियामक एजेंसियों और नागरिक समाज संगठनों के साथ मिलकर सुरक्षित आहार के प्रति जागरूकता के प्रसार में जुटे हैं। इन प्रयासों के तहत संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियां सदस्य देशों को फूड सप्लाई चेन या खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के रास्ते में आने वाले जोखिमों की रोकथाम करने और खतरों से निपटने के लिए समुचित कदम उठाने में सहायता उपलब्ध करा रही हैं। सभी के लिए स्वस्थ जीवन और भुखमरी का अंत जैसे दो महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को टिकाऊ विकास के 2030 एजेंडा में शामिल किया गया है। इन्हें हासिल करने के लिए पोषक, पर्याप्त और सुरक्षित आहार तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है। पोषक तत्वों से परिपूर्ण सेहतमंद और सुरक्षित आहार के जरिए जीवन को स्वस्थ बनाया जा सकता है। खाद्य उत्पादन को सुरक्षित-टिकाऊ बनाकर और बाजार तक पहुंच बनाने से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास तथा गरीबी उन्मूलन में सहायता मिल सकती है। सुरक्षित आहार खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक समृद्धि, कृषि, बाज़ार सुलभता, पर्यटन और टिकाऊ विकास में व्यापक योगदान देता है।

खाद्य सुरक्षा और संयुक्त राष्ट्र

भोजन को सुरक्षित रखना एक जटिल प्रक्रिया है जो खेत में शुरू होती है और उपभोक्ता तक पहुंचने के साथ ही समाप्त होती है। खाद्य श्रृंखला के सभी चरणों फसलों के उत्पादन, उसकी कटाई और भंडारण की तैयारी से लेकर उसके उपभोग तक पर विचार किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र का खाद्य और कृषि संगठन खाद्य श्रृंखला के सभी पहलुओं के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा की देखरेख करने वाला एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। खाद्य और कृषि संगठन तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन खाद्य सुरक्षा प्रणालियों को लागू करने के लिए विभिन्न देशों के लिए क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लंबे समय से एक साथ काम करते हुये और एक बेहतर साझेदारी के माध्यम से एफएओ और विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक खाद्य सुरक्षा का समर्थन करते हैं तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं। आम तौर पर एफएओ उत्पादन और प्रसंस्करण के दौरान खाद्य श्रृंखला के साथ खाद्य सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करता है, जबकि डब्ल्यूएचओ सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ संबंधों की देखरेख करता है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस (World Food Safety Day) की शुरुआत

संयुक्त राष्ट्र के विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा खाद्य और कृषि संगठन का कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए और खाद्य व्यापार में उचित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय खाद्य मानकों को स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाता है। कोडेक्स आयोग द्वारा वर्ष 2016 में आयोजित 39वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के भीतर स्थायी आधार पर विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस घोषित करने के प्रस्ताव को बढ़ावा देने के लिए सर्वसम्मति बनी थी।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने जुलाई 2017 में अपने 40वें सत्र में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के समर्थन में एक संकल्प अपनाया, जिस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिसंबर 2017 में अपना समर्थन प्रदान किया। दिसंबर 2018 में सभी स्तरों पर जागरूकता बढ़ाने तथा वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए कार्यों को बढ़ावा देने और सुविधा प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता का संज्ञान लेते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के रूप में नामित करने का निर्णय लिया।

सुरक्षित खाद्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना है उद्देश्य

पिछले वर्ष फरवरी-19 में खाद्य सुरक्षा विषय पर अदीस अबाबा, इथियोपिया में आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान वहां मौजूद सहभागियों ने सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा प्राप्त करने में खाद्य सुरक्षा की अहम भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने जलवायु और वैश्विक खाद्य उत्पादन और आपूर्ति प्रणालियों में चल रहे बदलाव, बेहतर और साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य-पोषण जानकारी तथा शिक्षा के माध्यम से उपभोक्ता को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर भी ध्यान आकर्षित किया।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार प्रति वर्ष हर दस में से एक व्यक्ति यानी लगभग कुल आबादी के 60 करोड़ लोग जीवाणुओं, विषाणुओं, परजीवियों और रासायनिक पदार्थों के कारण दूषित हुए भोजन से बीमार पड़ते हैं। विषाक्त भोजन हर साल 4.20 लाख लोगों की मौत का कारण बनता है। विशेषज्ञों का मानना है कि असुरक्षित भोजन की वजह से विकास की राह में मुश्किलें आती हैं, क्योंकि कामगारों को बीमारी, विकलांगता और समय से पहले मौत होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पिछले वर्ष 7 जून-19 को पहली बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस की थीम 'खाद्य सुरक्षा, सभी का व्यवसाय' (Food Safety, Everyones Business) है। पिछली बार भी इसी थीम के तहत इस दिवस का आयोजन किया गया था। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य सुरक्षित खाद्य मानकों को बनाए रखने के लिये जागरूकता पैदा करना और खाद्य जनित बीमारियों के कारण होने वाली मौतों को कम करना है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा की गई पहल

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने राज्यों द्वारा सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराए जाने के प्रयासों के संदर्भ में राज्य खाद्य सुरक्षा इंडेक्स (SFSI) विकसित किया है। इस इंडेक्स के माध्यम से खाद्य सुरक्षा के पांच मानदंडों पर राज्यों का प्रदर्शन आंका जाता है। इन श्रेणियों में शामिल मानदंड हैं- 1. मानव संसाधन और संस्थागत प्रबंधन, 2. कार्यान्वयन, 3. खाद्य जांच-अवसंरचना और निगरानी, 4. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण तथा 5. उपभोक्ता सशक्तीकरण।

इसके साथ ही भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने विश्वविद्यालयों, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों, कार्यस्थलों, रक्षा/अर्द्ध सैनिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों और जेलों जैसे 7 परिसरों को 'ईट राइट कैंपस' के रूप में घोषित किया है। खाद्य कंपनियों और व्यक्तियों के योगदान को पहचान प्रदान करने के लिये भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा 'ईट राइट अवॉर्ड' की स्थापना की गई है, ताकि नागरिकों को सुरक्षित और स्वास्थ्यकर खाद्य विकल्प चुनने में सशक्त बनाया जा सके।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा खान-पान से जुड़ी गाइडलाइन

विश्व स्वास्थ्य संगठन समय-समय पर अलग-अलग मुद्दों पर गाइडलाइन जारी करता है। डब्लूएचओ द्वारा खान-पान से जुड़ी गाइडलाइन भी जारी की गई है, जिसे सुरक्षित भोजन के पांच मंत्र के नाम से भी जाना जाता है। इसमें फूड सेफ्टी के साथ ही खानपान को लेकर कई तरह की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। सुरक्षित भोजन के पांच मंत्र इस तरह हैं :-

1. **हमेशा साफ और स्वच्छ रहें**
   खाना बनाने से पहले और खाना बनाने के दौरान हाथ ज़रूर धोते रहें। टॉयलेट जाने के बाद हाथ साफ़ करें। खाना बनाने की जगह, चूल्हे और बर्तन अच्छी तरह से धोएं और उन्हें सैनिटाइज़्ड करें। रसोई घर को कीड़े-मकोड़ों और दूसरे जानवरों की पहुंच से सुरक्षित रखें।
   ये क्यों ज़रूरी है?
   ज़्यादातर सूक्ष्म जीव कोई बीमारी नहीं फैलाते हैं, लेकिन इनमें कुछ ऐसे ख़तरनाक़ जीव भी होते हैं जो मिट्टी, पानी, जानवरों और इंसानों में व्यापक रूप से पाए जाते हैं। ये सूक्ष्म जीव हमारे हाथ, साफ़-सफ़ाई के काम आने वाले कपड़े, बर्तन, सब्जियां काटने के इस्तेमाल आने वाले बोर्ड पर मौजूद रहते हैं। अगर खाने-पीने की चीज़ से इनका जरा सा भी संपर्क हुआ तो खान-पान से होने वाली बीमारियां होने का ख़तरा रहता है।
2. **कच्चे भोजन को पके खाने से दूर रखें**
   पोल्ट्री उत्पाद, कच्चे मांस और सीफूड को खाने-पीने की दूसरी चीज़ों से अलग रखें। कच्चे भोजन के लिये अलग बर्तनों जैसे चाकू और कटिंग बोर्ड का इस्तेमाल करें। तैयार खाना और कच्चे भोजन के बीच किसी तरह का संपर्क न हो इसके लिए खाने-पीने की चीज़ों को कंटेनर में रखें।
   ये क्यों ज़रूरी है?
   कच्चा भोजन ख़ासकर मांस, पोल्ट्री उत्पाद और सीफूड में ऐसे ख़तरनाक सूक्ष्म जीव हो सकते हैं, जो पकाए जाने के दौरान खाने-पीने की दूसरी चीज़ों को संक्रमित कर सकते हैं।
3. **खाना पूरी तरह से पकाएं**
   भोजन अच्छे से पकाएं खासतौर पर पोल्ट्री उत्पाद, अंडे और सीफूड को ठीक से पकाया जाना चाहिए। सूप और स्टू जैसी चीज़ों को उबालते समय ये सुनिश्चित करें कि तापमान 70 डिग्री सेल्सियस तक ज़रूर जाए और पके हुए खाने को अच्छी तरह से दोबारा गर्म करें।
   ये क्यों ज़रूरी है?
   अगर खाना अच्छी तरह से पकाया जाता है तो इससे सभी सूक्ष्म जीव पूरी तरह से नष्ट हो जाते हैं। रिसर्च से ये बात सामने आई है कि 70 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर खाना पकाने से यो सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि वो खाना खाने लायक हो गया है।
4. **सुरक्षित तापमान पर भोजन सुरक्षित रखें**
   पके हुए खाने को कमरे के सामान्य तापक्रम पर दो घंटे से ज़्यादा समय के लिए न रखें। तैयार खाने और ख़ासकर जल्द ख़राब हो जाने वाले भोजन को पांच डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर फ्रिज में रखें। खाना परोसने से पहले उसे तेज़ आंच या 60 डिग्री सेल्सियस तापमान से ज़्यादा पर गर्म करें। फ्रिज में भी खाना ज़्यादा समय के लिए स्टोर न करें। फ्रोज़ेन फूड यानी जमी हुई चीज़ों को कमरे के सामान्य तापक्रम पर पिघलने के लिए न छोड़े।
   ये क्यों ज़रूरी है?
   पके हुए खाने को कमरे के सामान्य तापक्रम में रखे जाने से सूक्ष्म जीव तेज़ी से विकसित हो सकते हैं। पांच डिग्री से कम और 60 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा तापमान पर सूक्ष्म जीव का विकास या तो रुक जाता है या फिर सुस्त हो जाता है। हालांकि कुछ ख़तरनाक़ सूक्ष्म जीव ऐसे भी होते हैं जो पांच डिग्री से कम तापमान पर भी विकसित होते रहते हैं।
5. **साफ़ पानी और स्वच्छ भोजन सामग्री**
   स्वच्छ जल का इस्तेमाल करें और अगर ये उपलब्ध न हो तो इसे सुरक्षित इस्तेमाल के लायक साफ़ करें। ताजी और पौष्टिक खाद्य सामग्री का इस्तेमाल करें। ऐसा भोजन चुनें जिसकी सुरक्षित प्रोसेसिंग की गई हो जैसे पाश्चुराइज़्ड दूध। फल और सब्ज़ियां ज़रूर धोएं, ख़ासकर तब जब आप उन्हें कच्चा ही खा रहे हों। खाने-पीने की एक्सपायर्ड चीज़ें यानी जिनके इस्तेमाल की तारीख ख़त्म हो गई हों, उनका इस्तेमाल कभी नहीं करें।
   ये क्यों ज़रूरी है?
   पानी और बर्फ़ जैसी चीज़ों में सूक्ष्म जीव या कुछ नुक़सानदेह तत्व हो सकते हैं। ख़राब और बासी खाने में ज़हरीले रसायनों के पैदा होने का ख़तरा रहता है। भोजन सामग्री चुनते समय एहतियात बरते जाने की ज़रूरत है और उन्हें धोने-छीलने जैसे सामान्य उपायों से ख़तरे को कम किया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि खाद्य सुरक्षा में सुधार व्यापार, रोज़गार और गरीबी उन्मूलन में सकारात्मक योगदान देता है।
- यूनिसेफ की रिपोर्ट, (The State of the World's Children 2019 : Children, food and nutrition) के आंकड़े बताते हैं कि छह महीने से दो साल की उम्र के हर तीन में से दो बच्चों को ऐसा आहार नहीं दिया जा रहा जिससे उनके तेज़ी से बढ़ते शरीर और मस्तिष्क को मदद मिले। इन हालात में बच्चों के मस्तिष्क का समुचित विकास ना हो पाने, सीखने की क्षमता कमज़ोर होने, प्रतिरोधक क्षमता कम रह जाने, संक्रमण बढ़ने जैसे ख़तरे पैदा हो रहे हैं।
- यह रिपोर्ट बताती है कि विश्व भर में 14 करोड़ 90 लाख बच्चे नाटेपन का शिकार हैं या फिर उम्र के हिसाब से उनकी लंबाई बहुत कम है। पांच करोड़ से ज़्यादा बच्चे ऐसे हैं जो इतने अल्पपोषित हैं कि उनकी लंबाई के हिसाब से वे बेहद पतले हैं।
- 34 करोड़ बच्चे ज़रूरी विटामिन और पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए और आयरन की कमी के शिकार हैं। 4 करोड़ से ज़्यादा बच्चे अधिक वज़न या मोटापे के शिकार हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार जन्म के छह महीने बाद शिशुओं को ठोस भोजन देने का समय आने पर उन्हें ग़लत आहार दिया जाता है। छह महीने से दो वर्ष की उम्र वाले 45 फ़ीसदी से ज़्यादा बच्चों को फल और सब्ज़ियां नहीं दी जातीं। 60 फ़ीसदी बच्चे ऐसे हैं जो डेयरी और पोल्ट्री जैसे उत्पाद नहीं खाते। इसके साथ ही भोजन में फास्ट फूड और सॉफ़्ट ड्रिंक्स का चलन भी बढ़ रहा है।
- विश्वव्यापी महामारी कोविड-19 के कारण दुनिया के अनेक देशों में भुखमरी से पीड़ित लोगों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने की आशंका से चिंता व्याप्त है। लॉकडाउन के कारण स्कूल भी बंद हैं, जिससे करोड़ों बच्चे प्रभावित हुए हैं, ख़ासकर वो बच्चे जो अपने भोजन के लिए स्कूलों में मिलने वाले आहार पर निर्भर थे। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने सरकारों से ऐसे 37 करोड़ बच्चों की स्वास्थ्य व पोषण संबंधी ज़रूरतों का ध्यान रखे जाने की अपील की है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामियक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

अपनाने होंगे पर्यावरण संरक्षण के नये तरीके

प्रकृति में विभिन्न प्रकार के संसाधन पाये जाते हैं, जिनके निर्माण का मूल स्रोत प्रकृति है तथा ये सभी मानवीय प्रभाव से नवीन स्वरूप में स्थापित हो जाते हैं। मनुष्य अपने वातावरण से संसाधनों का दोहन करके आर्थिक तंत्र को मजबूत करता है, साथ ही वह भौतिक वातावरण को परिवर्तित करता है, जो उसकी रुचि, कौशल तथा शक्तियों पर निर्भर करता है। मानव द्वारा प्राकृतिक पर्यावरण के परिवर्तन की एक सीमा होती है, जिसके बाहर जाने पर संसाधनों की कमी होती है। बढ़ती हुई जनसंख्या, औद्योगीकरण और भौतिकवादी तथा आधुनिक जीवन शैली ने हमारी प्राकृतिक संपदा का मनमाने ढंग से दोहन किया है, जिससे गंभीर पारिस्थितिकीय असंतुलन और पर्यावरण समस्याओं में बढ़ोत्तरी हो रही है। इसे नियंत्रित करने के लिये समाज के हर वर्ग को पर्यावरणीय खतरों से सचेत रहना और उन्हें पर्यावरण संतुलन तथा उसके संरक्षण में शामिल करना, कुछ ऐसे कार्य हैं जो भविष्य में, मानव जीव के लिये लाभकारी होंगे।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 5 जून 1972 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मानव एवं पर्यावरण पर आधारित विषय पर एक सार्वभौमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। यह आयोजन 5 से 16 जून, 1972 तक किया गया था। विश्व के 119 देशों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लेकर पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी थी। इस अवसर को यादगार बनाने की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली द्वारा प्रस्ताव पारित कर हर वर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावण' दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इसी दिन, संयुक्त राष्ट्र द्वारा पर्यावरण का कार्य करने वाली एक संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम संस्था यानी UNEP (United Nations Environment Programme) का भी शुभारंभ किया गया था। इसका प्रमुख कार्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा समय-समय पर पर्यावरण पर आयोजित सभाओं, गोष्ठियों तथा कार्यशालाओं की संस्तुतियों (Recommendations) को व्यावहारिक रूप देना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिन विषयों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है वह हैं :-

1. मानव बस्तियां, मानव स्वास्थ्य तथा आवास
2. पर्यावरण तंत्र
3. पर्यावरण तथा उसका विकास
4. प्राकृतिक आपदायें।

स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान ही पहली बार 'एक ही पृथ्वी' का सिद्धांत स्वीकार किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण और अवबोध के लिये एक विस्तृत कार्यक्रम (मैग्नाकार्टा) तैयार किया गया जो स्टॉकहोम घोषणा पत्र 1972 के नाम से जाना जाता है। यह पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों का एक ऐतिहासिक दस्तावेज है, जिसे विश्व पर्यावरण का मैग्नाकार्टा कहा गया। इस घोषणा पत्र में पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल कर, 26 सिद्धांत प्रतिपादित किये गये थे, जो विश्वभर में पर्यावरण संरक्षण की कार्यवाही के दिशा-निर्देश तय करते हैं।

5 जून, 1974 से हर वर्ष, विश्व पर्यावरण दिवस विश्वभर में संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में उनकी संस्था 'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम' (UNEP) द्वारा आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और सामाजिक जागरूकता एवं उसके महत्व को प्रतिपादित करने के लिये जन जागरण तथा पर्यावरण शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रम पूरे विश्व में आयोजित किये जाते हैं। यह आयोजन मुख्यतः आम आदमी को पर्यावरणीय समस्याओं एवं आपदाओं के प्रति सचेत रहने और पर्यावरण के संरक्षण के प्रति उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दृष्टि से किया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन के मुख्य उद्देश्य हैं :-

1. पर्यावरण एवं उससे जनित समस्याओं पर आम आदमी का ध्यान आकृष्ट करना।
2. आम आदमी की सतत् विकास में साझेदारी को सुनिश्चित करना।
3. पर्यावरण के प्रति आम आदमी की सोच में परिवर्तन लाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी रुचि जागृत करना तथा पर्यावरण कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।
4. विभिन्न देशों और उनके निवासियों के बीच परस्पर सामंजस्य स्थापित करना ताकि वे पर्यावरण के प्रति सचेत रहें तथा आपसी हित, सुरक्षित तथा विकास पोषी पर्यावरण का निर्माण कर सकें।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम संस्था द्वारा प्रतिवर्ष, उस वर्ष की पर्यावरणीय समस्याओं और मुद्दों को ध्यान में रखकर एक विषय (थीम) का चुनाव किया जाता है। इस विषय के अनुसार, पर्यावरण दिवस के समस्त कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रमों की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की संस्था द्वारा घोषित एक मेजबान देश में की जाती है। इस अवसर पर विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रम जैसे पर्यावरण प्रदर्शिनी, स्ट्रीट रैलीज, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने संबंधी कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, प्रदूषण नियंत्रण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि विभिन्न पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रमों के साथ ही साथ स्थानीय पर्यावरण समस्याओं पर लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। हमारे देश में राष्ट्रीय स्तर के साथ ही साथ प्रदेश स्तर पर भी इस अवसर पर विभिन्न पर्यावणीय कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किये जाते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2020 का विषय जैव विविधता पर केंद्रित है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य कार्यक्रम जर्मनी की साझेदारी में कोलंबिया में आयोजित किया जायेगा।

कोलंबिया पृथ्वी की जैव विविधता का 10 प्रतिशत रखने के साथ सबसे बड़े 'जैव विविधता' वाले देशों में से एक है। चूंकि यह अमेजन वर्षा वन का हिस्सा भी है। कोलंबिया पक्षी और आर्किड प्रजातियों की विविधता में पहला और पौधों, ताजे पानी की मछलियां और उभयचरों में दूसरा स्थान रखता है। विलुप्त होने का सामना करने वाली दस लाख प्रजातियों के साथ जैव विविधता पर ध्यान केंद्रित करने का इससे अच्छा समय कभी नहीं रहा है।

पारिस्थितिकी तंत्र, सबसे छोटे बैक्टीरिया से लेकर पृथ्वी के सबसे बड़े प्राणी तक सभी पर निर्भर रहता है तथा सभी को प्रभावित भी करता है। ये सब एक-दूसरे से आपस में कई रूपों में जुड़े हुये हैं। कुछ प्रजातियां ऑक्सीजन का उत्पादन करती हैं, तो अन्य इसका उपयोग करती हैं। प्रकृति में संतुलन बनाये रखने के लिये छोटी-बड़ी सभी प्रजातियों की भूमिका होती है। यदि इसमें से एक छोटे से छोटे तत्व को भी हटा दिया जाये, तो हम कई प्रजातियों को खो सकते हैं। अतः प्रकृति के स्वरूप और जैव विविधता को कायम रखने के लिये इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय न केवल सामयिक है, बल्कि हमारे जीवन और स्व-पोषित विकास की अवधारणा को फलीभूत करने के लिये आवश्यक भी है।

पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2019 का विषय वायु प्रदूषण था जो हमारे ग्रह के प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों में से एक है।

एक अनुमान के अनुसार यदि विश्व की जनसंख्या इसी तरह अबाध रूप से बढ़ती रही तो वर्ष 2050 में हमारी जनसंख्या लगभग 960 करोड़ होगी। इस विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु हमें आज के पृथ्वी ग्रह के उपलब्ध संसाधनों के लगभग तीन गुना संपदा की आवश्यकता होगी। इस वर्ष का विषय अतिपोषित जीवन शैली और ऊर्जा तथा अन्य संसाधनों की बर्बादी की ओर ध्यान खींचेगा और हमें यह सोचने को मजबूर करेगा, कि हम किस तरह अपना जीवन, पर्यावरण प्रेमी चीजों को अपनाकर और स्वपोषित विकास की अवधारणा को ध्यान में रखकर व्यतीत कर सकते हैं। इससे पर्यावरण के संरक्षण के नये तरीकों और तकनीकों का पता लगेगा। इन नये तरीकों और विचारों के उचित तालमेल से विश्व के हर व्यक्ति को पर्यावरण प्रेमी और एक स्वपोषित जीवनशैली अपनाकर एक स्वस्थ, सुरक्षित और भरपेट भोजन की उपलब्धता के साथ एक आपदारहित जीवन व्यतीत करने का मौका मिलेगा। यह तभी संभव होगा जब हमारे पृथ्वी में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग पर्यावरण तथा पृथ्वी की वहन क्षमता को ध्यान में रखकर किया जाये तथा इसकी जैव विविधता को संरक्षित किया जाये।

पूरे देश में हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन राजधानी दिल्ली सहित सभी शहरों एवं गांवों में भी किया जाता है। इन आयोजनों में स्थानीय पर्यावरणीय मुद्दों को चिन्हित कर लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विभिन्न तरीके अपनाने हेतु जनभावना जागृत करने के प्रयास किये जाते हैं। जैव विविधता बिगड़ता इकोसिस्टम और वैश्विक पर्यावरणीय दुष्प्रभावों को रोकने के लिये समाज की भूमिका को रेखांकित करने का यह अच्छा अवसर प्रदान करता है। पर्यावरण संरक्षण के लिये सभी सरकारी, गैर सरकारी संगठन, युवा संगठन, औद्योगिक इकाइयों सहित हम सबको अपनी जिम्मेदारी तय करनी होगी, ताकि हम स्थायी स्वपोषित विकास की राह पर चलकर, स्वच्छ, सुरक्षित, पर्यावरण की दिशा में कार्य कर सकें।

- **अनिल कुमार शर्मा**
(लेखक, मध्यप्रदेश प्रदूषण निवारण मण्डल के पूर्व मुख्य अभियंता हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न - खेल

1. इस वर्ष दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट किस खिलाड़ी ने जीता है?
(अ) राफेल नडाल
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) रोजर फेडरर
(द) केविन एंडरसन

2. महिला क्रिकेटर हीथर नाइट का संबंध किस देश से है?
(अ) दक्षिण अफ्रीका
(ब) न्यूजीलैंड
(स) ऑस्ट्रेलिया
(द) इंग्लैंड

3. अचंत शरथ कमल और गनासेकरन साथियान किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) टेबल टेनिस (ब) बैडमिंटन
(स) स्क्वैश (द) टेनिस

4. सौ वनडे मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं?
(अ) मिताली राज
(ब) डाएना डुएलजी
(स) हरमनप्रीत कौर
(द) अंजुम चौपड़ा

5. इनमें से किस वर्ष ब्राजील ने फीफा विश्वकप नहीं जीता है?
(अ) 2002 (ब) 1970
(स) 1998 (द) 1994

6. बांग्लादेश के मोहम्मद अशरफुल ने कितने वनडे मैच खेले हैं?
(अ) 170 (ब) 176
(स) 174 (द) 177

7. वर्ष 2020 में वीवीसी इंडियन स्पोर्ट्स वुमेन अवॉर्ड जीतने वाली खिलाड़ी हैं?
(अ) पीवी सिंधु
(ब) मानसी जोशी
(स) एम.सी. मैरीकॉम
(द) विनेश फोगाट

8. इनमें से कौन-सा खिलाड़ी कुश्ती में संबंधित नहीं है?
(अ) सुशील कुमार
(ब) दीपक पूनिया
(स) अमित पंघाल
(द) बजरंग पूनिया

9. इस वर्ष ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन हैं?
(अ) किदांबी श्रीकांत
(ब) केंटो मोमोटा
(स) लिन डेन
(द) विक्टर एक्सेलसन

10. मध्यप्रदेश की खिलाड़ी अमी कमानी किस खेल की राष्ट्रीय चैम्पियन हैं?
(अ) स्नूकर
(ब) टेबल टेनिस
(स) निशानेबाजी
(द) शतरंज

11. टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड किसके नाम है?
(अ) डॉन ब्रेडमैन
(ब) सचिन तेंदुलकर
(स) रिकी पोंटिंग
(द) जैक कैलिस

12. हाल ही में इनमें से किस महिला क्रिकेटर ने संन्यास लिया है?
(अ) स्मृति मंधाना
(ब) मेग लेनिंग
(स) एलिसा हीली
(द) सना मीर

13. सबसे ज्यादा बार फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप जीतने वाले ड्राइवर हैं?
(अ) माइकल शूमाकर
(ब) लुईस हैमिल्टन
(स) सबेस्टियन वेटल
(द) इनमें से कोई नहीं

14. सर्विया की पूर्व महिला खिलाड़ी मोनिका सेलेस किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) पोल वॉल्ट (ब) टेनिस
(स) आइस हॉकी (द) तीरंदाजी

15. ईएफएल कप किस खेल से संबंधित है?
(अ) गोल्फ (ब) रग्बी
(स) फुटबॉल (द) हॉकी

16. अरमांड डुप्लेंटिस किस खेल के विश्व विख्यात खिलाड़ी हैं?
(अ) पोल वॉल्ट (ब) चक्का फेंक
(स) तिहरी कूद (द) भाला फेंक

17. वर्ष 2014 में आईसीसी अंडर-19 वर्ल्डकप किस देश ने जीता है?
(अ) भारत
(ब) दक्षिण अफ्रीका
(स) वेस्ट इंडीज
(द) ऑस्ट्रेलिया

18. इस वर्ष मॉनटेरी ओपन टेनिस टूर्नामेंट किस खिलाड़ी ने जीता है?
(अ) सेरेना विलियम्स
(ब) केरोलिना प्लिस्कोवा
(स) सिमोना हालेप
(द) एलिना स्वितोलिना

19. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी-20 में सर्वाधित रन आउट होने वाले खिलाड़ी हैं?
(अ) राहुल द्रविड़
(ब) महेला जयवर्धने
(स) इंजमाम उल हक
(द) स्टीव वॉ

20. इनमें से किस भारतीय क्रिकेटर ने टी-20 में अपने डेब्यू मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल नहीं किया है?
(अ) दिनेश कार्तिक
(ब) कुलदीप यादव
(स) प्रज्ञान ओझा
(द) नवदीप सैनी

21. प्रिंस ऑफ वेल्स कप किस खेल से संबंधित है?
(अ) गोल्फ
(ब) मुक्केबाजी
(स) घुड़दौड़
(द) इनमें से कोई नहीं

22. बांग्लादेश की वनडे टीम के कप्तान हैं?
(अ) शाकिब अल हसन
(ब) मुशफिकुर रहीम
(स) तमीम इकबाल
(द) मशरफ मुर्ताजा

23. इस वर्ष इंडियन सुपर लीग का खिताब किस टीम ने जीता है?
(अ) चेन्नइयन एफ सी
(ब) केरला ब्लास्टर्स
(स) मुंबई एफ सी
(द) एटलेटिको डि कोलकाता

24. भारतीय हॉकी टीम ने ओलिंपिक खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक किस वर्ष जीता था?
(अ) वर्ष 1920 (ब) वर्ष 1928
(स) वर्ष 1924 (द) वर्ष 1948

25. वर्ष 2028 में ओलिंपिक खेल किस शहर में आयोजित होंगे?
(अ) पेरिस
(ब) एम्सटर्डम
(स) लॉस एंजेलिस
(द) बीजिंग

उत्तरमाला

1. ब	2. द	3. अ	4. द
5. स	6. द	7. अ	8. स
9. द	10. अ	11. ब	12. द
13. अ	14. ब	15. स	16. अ
17. ब	18. द	19. अ	20. ब
21. अ	22. स	23. द	24. ब
25. स			

- **पुष्पेन्द्र कुमार सविता**
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न

विषय - हिन्दी

1. उड्डयनम् का संधि विच्छेद होगा?
(A) उत + डयनम्
(B) उद् + डयनम्
(C) उड + अयनम्
(D) उड् + डयनम्

2. 'वह स्त्री जिसका पति परदेश से आने वाला हो' के लिए एक शब्द है?
(A) आगपतिका
(B) प्रव्रत्स्यपतिका
(C) प्रोषितपतिका
(D) आगमिस्यतपतिका

3. 'वकील' किस भाषा का शब्द है?
(A) फारसी (B) अरबी
(C) तुर्की (D) पुर्तगाली

4. साट्टक है?
(A) एक प्रकार का छंद
(B) एक प्रकार की युद्धशैली
(C) एक प्रकार का नाटक
(D) एक प्रकार का गीत

5. अलंकेश पर्यायवाची शब्द है?
(A) बादल का
(B) कल्पवृक्ष का
(C) कुबेर का
(D) चपला का

6. 'अनभिज्ञ' शब्द का विलोम है?
(A) भिज्ञ (B) अज्ञ
(C) अभिज्ञ (D) अतिभिज्ञ

7. 'तुमन' प्रत्यय का प्रयोग निम्न-लिखित में से किस अर्थ में होता है?
(A) चाहिए (B) योग्य
(C) के लिए (D) करके

8. 'संस्कार' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(A) सम् (B) सन्
(C) सम्स (D) सन्स

9. हिन्दी भाषा किन-किन रूपों में पायी जाती है?
(A) परिनिष्ठित, परिमार्जित
(B) परिष्कृत, प्रांजल
(C) मिश्रित, संस्कृतनिष्ठ
(D) उपरोक्त सभी

10. 'तीन कोस पै पानी बदले चार कोस पै बानी' यह उक्ति किसके लिए प्रयुक्त है?
(A) भाषा (B) शैली
(C) बोली (D) उपभाषा

11. 'किसी भी राष्ट्र के बहुसंख्यक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है?
(A) राजभाषा (B) राष्ट्रभाषा
(C) क्षेत्रीय भाषा (D) उपभाषा

12. संविधान निर्मात्री सभा ने हिन्दी को भारत संघ की राजभाषा कब निर्धारित किया था?
(A) 26 जनवरी 1950
(B) 14 सितंबर 1949
(C) 15 अगस्त 1947
(D) 2 अक्टूबर 1869

13. आधुनिक युग में गद्य एवं पद्य में किस भाषा को प्रमुखता दी गई है?
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) खड़ी बोली (D) संस्कृत

14. हिन्दी, हिन्दुस्तानी तथा उर्दू मिश्रित खड़ी बोली किस नाम से जानी जाती है?
(A) पंजाथी (B) हरियाणवी
(C) कौरवी (D) पहाड़ी

15. 'ढूंढाणी' नाम से कौन सी बोली विख्यात है?
(A) जयपुरी (B) भोजपुरी
(C) बुंदेलखंडी (D) बघेली

16. 'जाटू' या 'बागरू' किस बोली का नाम है?
(A) पंजाथी (B) हरियाणवी
(C) पहाड़ी (D) मैथली

17. संधि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग आदि की सहायता से बनते हैं?
(A) रूढ़ शब्द
(B) यौगिक शब्द
(C) योगरूढ़ शब्द
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

18. संस्कृत के वे शब्द, जो विकृत रूप में हिन्दी में आए?
(A) तत्सम् (B) तद्भव
(C) देशज (D) संकर

19. 'अश्रुगैस' तथा 'बम वर्षा' जैसे शब्द किस प्रकार के 'शब्द' के अन्तर्गत आते हैं?
(A) तत्सम् (B) तद्भव
(C) संकर (D) आंचलिक

20. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'तत्सम' नहीं है?
(A) हस्त (B) आशीर्वाद
(C) कर्म (D) आग

21. निम्नलिखित में से कौन-सा तद्भव शब्द नहीं है?
(A) हाथ (B) कुम्हार
(C) दन्त (D) सात

22. संकर शब्द नहीं है?
(A) गिरहकट
(B) दवाघर
(C) पार्सल घर
(D) औलाद

23. निम्नलिखित में से कौन-सा आंचलिक शब्द नहीं है?
(A) नेम-टेम (B) घुरखेल
(C) चम्मच (D) पंचलैट

24. कण्ठ-तालु-दंत्य-ओष्ठ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण कहलाते हैं?
(A) स्पर्श
(B) अन्तःस्थु
(C) उष्म
(D) इनमें से कोई नहीं

25. अक्षर प्रधान लिपि है?
(A) खरोष्ठी लिपि
(B) देवनागरी लिपि
(C) आसुरी लिपि
(D) चीनी लिपि

26. 'देवनागरी' को भारत के किस भाग में नंदिनागरी कहा गया?
(A) उत्तर (B) पश्चिम
(C) दक्षिण (D) पूर्व

27. नेपाली भाषा में किस लिपि का प्रयोग होता है?
(A) खरोष्ठी (B) देवनागरी
(C) चीनी (D) आसुरी

निम्नलिखित प्रश्नों में से अशुद्ध वर्तनी का विकल्प कौन सा है?

28. (A) अनधिकार (B) अकस्मात्
(C) अत्यधिक (D) आधीन

29. (A) भागीरथ (B) आजकल
(C) बरात (D) बांग्लादेश

30. (A) आवश्यकता
(B) वाल्मीकि
(C) नरायण
(D) तात्कालिक

31. (A) माहात्म्य (B) महात्म्य
(C) सांसारिक (D) आइये

32. (A) आकाश (B) आहार
(C) नाराज (D) समाजिक

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए?

33. "मैंने हिमालय से लगाकर समुद्र तक यात्रा की"।
(A) मैंने हिमालय से समुद्र तक यात्रा की
(B) मैंने हिमालय से लेकर समुद्र की यात्रा की
(C) मैंने हिमालय से समुद्र तक की यात्रा की
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

34. राम कुछ का कुछ लिख दिया है।
(A) राम कुछ के कुछ लिखा है।
(B) राम कुछ के कुछ लिखे हैं।
(C) राम ने कुछ का कुछ लिख दिया है।
(D) राम कुछ ने कुछ लिखा है।

35. वह घोड़े में सवार है।
(A) वह घोड़े में सवार है।
(B) वह घोड़ा सवार है।
(C) वह घोड़े पर सवार है।
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं।

36. मैं आपको अधीन नहीं हूँ।
(A) मैं आपकी अधीन नहीं हूँ।
(B) मैं आपके अधीन नहीं हूँ।
(C) मैं आपसे अधीन नहीं हूँ।
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं।

37. 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक हिन्दी में विराम-चिन्हों के रूप में प्रयोग होता था?
(A) एक पाई (I)
(B) दो पाई (II)
(C) तीन पाई (III)
(D) (A) तथा (B) दोनों

38. हिन्दी में किस भाषा के विराम चिन्ह आए?
(A) संस्कृत (B) अंग्रेजी
(C) उर्दू (D) फारसी

39. हिन्दी में लगभग कितने प्रकार के विराम चिन्ह हैं?
(A) 15 (B) 17
(C) 18 (D) 19

40. वाक्य के पूर्ण होने पर कौन सा चिन्ह लगाया जाता है?
(A) पूर्णविराम
(B) प्रश्नसूचक
(C) अर्द्धविराम
(D) अल्पविराम

41. किसी बड़े शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए प्रयुक्त किए जाने वाला चिन्ह है?
(A) विवरण चिन्ह
(B) योजक
(C) उद्धरण
(D) लाघव

42. विराम चिन्हों में किस चिन्ह का प्रयोग सबसे अधिक होता है?
(A) पूर्ण विराम
(B) अल्प विराम
(C) प्रश्नवाचक
(D) अर्द्ध विराम

निर्देश : निम्न विकल्पों में कौन-सा शब्द दिये गए शब्द का पर्यायवाची नहीं है?

43. अंग
(A) अवयव (B) अंश
(C) संख्या (D) भाग

44. इच्छा
(A) लालसा (B) कामना
(C) स्पृहा (D) पुरन्दर

45. बाण
(A) शर (B) विशिरद
(C) नाराच (D) माधव

46. बसन्त
(A) मधुमास (B) सुमन
(C) माधव (D) कुसुमाकर

47. यमुना
(A) सूर्यसुता (B) अचल
(C) कालिन्दी (D) अर्फजा

48. सब
(A) सर्प (B) समस्त
(C) निखिल (D) तनया

49. बिजली
(A) समग्र (B) विद्युत
(C) तड़ित (D) चपला

50. आनन्द
(A) मोद (B) रजत
(C) हर्ष (D) उल्लास

उत्तरमाला

1. (A), 2. (D), 3. (B), 4. (C), 5. (C), 6. (C), 7. (C), 8. (A), 9. (D), 10. (C), 11. (B), 12. (B), 13. (C), 14. (C), 15. (A), 16. (B), 17. (B), 18. (B), 19. (C), 20. (D), 21. (C), 22. (D), 23. (C), 24. (A), 25. (B), 26. (C), 27. (B), 28. (D), 29. (A), 30. (C), 31. (B), 32. (D), 33. (A), 34. (C), 35. (C), 36. (B), 37. (D), 38. (B), 39. (C), 40. (A), 41. (D), 42. (B), 43. (C), 44. (D), 45. (D), 46. (B), 47. (B), 48. (D), 49. (A), 50. (B)

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

प्रदेश में कृषि उत्पादक समूहों को दिया जाए बढ़ावा

भोपाल, मध्यप्रदेश में किसानों के विकास के लिए कृषि उत्पादक समूहों को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए। प्रदेश के हर किसान को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराया जाए। केन्द्र सरकार द्वारा घोषित पैकेज के अंतर्गत विभिन्न विभाग त्वरित गति से प्रस्ताव बनाकर स्वीकृति हेतु भिजवाएं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा कृषि, पशुपालन, सहकारिता, उद्यानिकी, मछुआ कल्याण आदि विभागों को घोषित पैकेज के संबंध में उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में समीक्षा करते हुए कही।

एक हजार कृषि उत्पादक समूह बनाए जाने का लक्ष्य

बताया गया कि प्रदेश में कृषि उत्पादक समूह बनाए जाने की नवीन केन्द्र पोषित योजना के अंतर्गत वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक 01 हजार कृषि उत्पादक समूह बनाए जाने का लक्ष्य है। इसके अंतर्गत अधोसंरचना विकास पर दो हजार करोड़, शासकीय इक्विटी 15 लाख रुपये प्रति कृषक उत्पादक समूह तथा शासकीय क्रेडिट गारंटी दो करोड़ रुपये प्रति कृषि उत्पादक समूह होगी। वर्तमान में प्रदेश में 6 हजार 857 किसान समूह कार्यरत हैं, जिनसे 2.25 लाख किसान जुड़े हैं। इनके द्वारा मुख्यतः बीज, ग्रीडिंग, प्रोसेसिंग, ट्रेडिंग, जैविक खेती, दुग्ध उत्पादन, सब्जी उत्पादन आदि का कार्य किया जाता है।

अंतर्राज्यीय व्यापार में ई-नाम पोर्टल का उपयोग हो

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि अंतर्राज्यीय व्यापार में ई-नाम पोर्टल का उपयोग किया जाए। अभी इसका उपयोग नाममात्र के लिए हो रहा है। बताया गया कि वर्तमान में भारत सरकार की ई-नाम पोर्टल पर अंतर्राज्यीय व्यापार की सुविधा उपलब्ध है।

कस्टम प्रोसेसिंग योजना प्रारंभ की जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि अभियांत्रिकी के अंतर्गत भारत सरकार के सुझाव अनुसार कस्टम प्रोसेसिंग योजना प्रारंभ की जाए। इसके अंतर्गत किसानों को उनके खेत पर ही अनाज की प्राइमरी प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग आदि की सुविधा प्रदान की जाए। इससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल पाएगा।

भूसे की कटाई की व्यवस्था हो

श्री चौहान ने कहा कि नरवाई जलाना किसानों के साथ वातावरण के लिए भी अत्यंत हानिकारक होता है। फसल कटाई के बाद किसानों को भूसे की कटाई के लिए यंत्र उपलब्ध कराए जाएं। इससे न केवल जानवारों के लिए भूसा उपलब्ध होगा, अपितु किसानों को भूसे का अच्छा भाव भी मिल सकेगा।

किसानों को न लेना पड़े साहूकारों से कर्ज

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही अन्य कई योजनाएं उनके कल्याण के लिए चलाई जा रही हैं। हर किसान को किसान क्रेडिट कार्ड आवश्यक रूप से उनके ऋण की आवश्यकता के लिए उपलब्ध कराया जाए, जिससे उन्हें साहूकारों से कर्ज न लेना पड़े।

हर्बल खेती को बढ़ावा दें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केन्द्र सरकार के पैकेज अनुसार 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में आगामी दो वर्षों में औषधीय पौधों की खेती एवं विपणन के लिए क्षेत्रीय मंडियों का नेटवर्क तैयार किया जाना है। बताया गया कि प्रदेश में 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में हर्बल खेती का विस्तार प्रस्तावित है।

छोटे मछुआरों को काम-धंधा एवं रोज़गार मिले

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में मछली पालन को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए, जिससे मछुआरों को अधिक से अधिक कामधंधा एवं रोज़गार मिले। इसके लिए मछली उत्पादक समूहों का गठन भी किया जा सकता है। बताया गया कि प्रदेश में गांधी सागर डेम की मछली की अन्य प्रदेशों में बहुत मांग है।

पशुपालन में निजी निवेश को बढ़ावा दिया जाए

केन्द्र शासन की घोषणा अनुसार प्रदेश में पशुपालन में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए 15 हजार करोड़ रुपये की लागत से पशुपालन अधोसंरचना विकास फण्ड बनाया जाएगा।

दुग्ध उत्पादन एवं नस्ल सुधार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है केन्द्रीय वीर्य संस्थान

भोपाल, देश एवं प्रदेश में गौ-भैंस वंशीय पशुओं की उन्नत नस्ल तैयार कराने में मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम द्वारा संचालित केन्द्रीय वीर्य संस्थान भोपाल अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह संस्थान भारत सरकार से ए ग्रेड तथा आईएसओ 2001-2015 प्रमाण पत्र प्राप्त संस्थान है।

भारतीय कृषि अर्थ-व्यवस्था में पशुपालन एवं डेयरी व्यवसाय महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह व्यवसाय ग्रामीणजनों के कल्याण, सामाजिक, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डेयरी व्यवसाय को और अधिक लाभ का धंधा बनाने के लिए पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता को और अधिक विकसित किया जा रहा है। इस दिशा में केन्द्रीय वीर्य संस्थान भोपाल निरंतर प्रयासरत है।

निगम के प्रबंध संचालक श्री एच.बी.एस. भदौरिया ने बताया कि केन्द्रीय वीर्य संस्थान भोपाल राज्य की प्रजनन नीति के अनुसार हिमीकृत वीर्य की मांग की पूर्ति करता है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये

सामान्य गणित

(1) **किसी संख्या को 114 से भाग देने पर शेषफल 21 है, इस संख्या को 19 से भाग देने पर शेषफल क्या होगा -**
(a) 1 (b) 2
(c) 7 (d) 17

उत्तर :- (b) 2

व्याख्या - माना दी गई संख्या = 114K + 21 = (19 x 6K) + (19 x 1) +2 = 19 x (6K+1) +2 अतः अभीष्ट शेषफल = 2

(2) **एक कार्य को 12 बच्चे 16 दिन में पुरा करते हैं, जबकि 8 आदमी इसे 12 दिन में पूरा करते हैं। 16 आदमियों ने मिलकर कार्य प्रारंभ किया तथा 3 दिन बाद 10 आदमी काम छोड़कर चले गये तथा 4 बच्चे शेष आदमियों के साथ काम पर लग गये। शेष कार्य को समाप्त करने में कितने दिन लगेंगे -**
(a) 6 दिन (b) 8 दिन
(c) 4 दिन (d) 4 दिन

उत्तर :- (a) 6 दिन

व्याख्या - माना 1 बच्चे का एक दिन का कार्य = x तथा 1 आदमी का 1 दिन का कार्य = y
12 बच्चों का 1 दिन का कार्य = $12x$ दिया है। 12 बच्चे का
एक दिन का कार्य = $\frac{1}{16}$
$\therefore 12x = \frac{1}{16}$
$x = \frac{1}{192}$
8 आदमियों का 1 दिन का कार्य = 8y दिया है। 8 आदमियों का एक दिन का कार्य = $\frac{1}{12}$
$\therefore 8y = \frac{1}{12}$
$y = \frac{1}{96}$
$\therefore$ 16 आदमियों का 3 दिन का कार्य = $\left(16 \times \frac{1}{96} \times 3\right) = \frac{1}{2}$
शेष कार्य = $\left(1 - \frac{1}{2}\right) = \frac{1}{2}$
(6 आदमियों + 4 बच्चों) का 1 दिन का कार्य = $\left(\frac{6}{96} + \frac{4}{192}\right) = \frac{1}{12}$
अधिक कार्य, अधिक दिन (सीधा अनुपात) $\frac{1}{12} : \frac{1}{2} :: 1 : Z$
$Z = \left(\frac{1}{2} \times 1 \times 12\right) =$ 6 दिन

(3) **2^{31} को 5 से भाग देने पर शेषफल क्या होगा-**
(a) 2 (b) 1
(c) 3 (d) 4

उत्तर :- (c) 3

व्याख्या - $2^{10} = 1024$
अतः $(2^{10} \times 2^{10} \times 2^{10})$ का इकाई अंक = (4 x 4 x 4) का इकाई अंक
$\therefore 2^{30}$ का इकाई अंक = 4
2^{31} का इकाई अंक = 8
अतः 8 को 5 से विभक्त करने पर शेषफल = 3, अतः अभीष्ट शेषफल = 3

(4) **20 औरतें एक कार्य को 16 दिन में समाप्त कर सकती हैं तथा 16 आदमी इसी कार्य को 15 दिन में समाप्त कर सकते हैं। एक आदमी तथा एक औरत की कार्यक्षमता का अनुपात कितना है -**
(a) 3 : 4 (b) 4 : 3
(c) 5 : 3 (d) 6 : 3

उत्तर :- (b) 4 : 3

व्याख्या - (20 x 16) औरतें इस कार्य को समाप्त करेंगी = 1 दिन में 1 औरत का 1 दिन का कार्य = $\frac{1}{320}$
(16 x 15) आदमी इस कार्य को समाप्त करेंगे = 1 दिन में 1 आदमी का 1 दिन का कार्य = $\frac{1}{240}$
एक आदमी तथा एक औरत की कार्यक्षमता का अनुपात = $\frac{1}{240} : \frac{1}{320} = 4 : 3$

(5) **दो संख्याओं का लघुत्तम समापवर्त्य उनके महत्तम समापवर्तक से 45 गुना है। यदि एक संख्या 125 हो तथा लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक का योग 1150 हो, तो दूसरी संख्या कितनी है -**
(a) 215 (b) 220
(c) 225 (d) 235

उत्तर :- (c) 225

व्याख्या - माना म.स. = x तथा ल.स. = $45x$
तब, $x + 45x = 1150$
$46x = 1150$
$x = 25$
अतः म.स. = 25 तथा ल.स. = (45 x 25) = 1125
$\therefore$ दूसरी संख्या = $\frac{(25 \times 1125)}{125} = 225$

(6) **A, B, C की आय का अनुपात 7:9:12 है तथा इनके खर्चों का अनुपात 8:9:15 है। यदि A की बचत उसकी आय का 1/4 हो तो A, B, C की बचतों का अनुपात क्या है -**
(a) 56 : 99 : 69
(b) 99 : 56 : 69
(c) 69 : 56 : 99
(d) 99 : 69 : 56

उत्तर :- (a) 56 : 99 : 69

व्याख्या - माना A, B, C की आय क्रमशः $7x$, $9x$, $12x$ रु. है। तथा इनके खर्च क्रमशः 8y, 9y तथा 15y रु. हैं। तब इनकी बचत ($7x$ - 8y), ($9x$-9y) तथा ($12x$-15y) रु. हैं।
दिया है $7x - 8y = \frac{1}{4} \times 7x$
$\frac{21x}{4} = 8y$
$\frac{x}{y} = \frac{32}{21}$
$\therefore \frac{7x - 8y}{9x - 9y} = \frac{7(\frac{x}{y}) - 8}{9(\frac{x}{y}) - 9}$
$= \frac{\left(7 \times \frac{32}{21} - 8\right)}{\left(9 \times \frac{32}{21} - 9\right)} = \left(\frac{8}{3} \times \frac{7}{33}\right) = \frac{56}{99}$
$\therefore \frac{9x - 9y}{12x - 15y} = \frac{9(\frac{x}{y}) - 9}{15(\frac{x}{y}) - 15}$
$= \frac{\left(9 \times \frac{32}{21} - 9\right)}{\left(12 \times \frac{32}{21} - 15\right)} = \left(\frac{33}{7} \times \frac{7}{23}\right) = \frac{33}{23} = \frac{99}{69}$
$\therefore$ इनकी बचतों का अनुपात 56 : 99 : 69

(7) $\frac{(8.6 \times 5.3 + 8.6 + 4.7)}{(4.3 \times 9.7 - 4.3 \times 8.7)} = ?$
(a) 3.3 (b) 6.847
(c) 13.9 (d) 20

उत्तर :- (d) 20

व्याख्या - दिया गया व्यंजक $= \frac{8.6 \times (5.3 + 4.7)}{4.3 \times (9.7 - 8.7)}$
$= \frac{8.6 \times 10}{4.3 \times 1} = (2 \times 10) = 20$

(8) **यदि 3A = 5B तथा 2B = 3C हो, तो A : C = ?**
(a) 2 : 5 (b) 3 : 5
(c) 4 : 5 (d) 5 : 2

उत्तर :- (d) 5 : 2

व्याख्या - $\frac{A}{B} = \frac{5}{3}$ तथा $\frac{B}{C} = \frac{3}{2}$
अतः $\frac{A}{C} = \left(\frac{A}{B} \times \frac{B}{C}\right) = \left(\frac{5}{3} \times \frac{3}{2}\right) = \frac{5}{2}$
अतः A : C = 5 : 2

(9) **यदि a = 0.25, b = 0.05, c = 0.5 तो $\frac{a^2 - b^2 - c^2 - 2bc}{a^2 + b^2 + 2ab - c^2}$ का मान क्या होगा -**
(a) $\frac{1}{2}$ (b) $\frac{3}{2}$
(c) -0.2 (d) 0

उत्तर :- (b) $\frac{3}{2}$

व्याख्या - $\frac{a^2 - b^2 - c^2 - 2bc}{a^2 + b^2 + 2ab - c^2}$
$= \frac{a^2 - (b^2 + c^2 + 2bc)}{(a^2 + b^2 + 2ab) - c^2} = \frac{a^2 - (b + c)^2}{(a + b)^2 - c^2}$
$= \frac{(a + b + c)(a - b - c)}{(a + b + c)(a + b - c)} = \frac{a - b - c}{a + b - c}$
$= \frac{0.25 + 0.05 - 0.5}{0.25 - 0.05 - 0.5} = \frac{0.3}{0.2}$
$= \frac{3}{2}$

(10) **जतिन ने एक फ्रिज इसके अंकित मूल्य के 20% बट्टे पर खरीदा। यदि उसने इसे 25% बट्टे पर खरीदा होता, तो उसे 500 रु. कम देने पड़ते। उसने फ्रिज कितने रुपये का खरीदा -**
(a) 8000 रु.
(b) 10000 रु.
(c) 12500 रु.
(d) 15000 रु.

उत्तर :- (a) 8000 रु.

व्याख्या - माना अंकित मूल्य = x रु.
तब, (x का 80%) - (x का 75% = 500)
$\left(x \times \frac{80}{100}\right) - \left(x \times \frac{75}{100}\right) = 500$
$\left(\frac{4x}{5} - \frac{3x}{4}\right) = 500$
$\therefore$ अंकित मूल्य = 10000 रु.
फ्रिज का क्रय मूल्य = (10000 रु. का 80%) = $\left(10000 \times \frac{80}{100}\right)$ रु. = 8000 रु.

(11) **एक गुणोत्तर श्रेणी का चौथा पद 54 तथा नौवाँ पद 13122 है। इसका 7वाँ पद क्या होगा -**
(a) 729 (b) 1458
(c) 4374
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :- (b) 1458

व्याख्या - माना दी गई गुणोत्तर श्रेणी का पहला पद = a तथा सार्वअनुपात = r तब, $ar^3 = 54$ तथा $ar^8 = 13122$
भाग देने पर, $\frac{ar^8}{ar^3} = \frac{13122}{54}$
$r^5 = 243 = 3^5$
$r = 3$
$\therefore a \times 3^3 = 54$
$279 = 54$
$a = 2$
$\therefore$ 7वाँ पद = $ar^6 = (2 \times 3^6) = 1458$

(12) **एक दुकानदार किसी वस्तु को 12.5% हानि पर बेचता है। यदि उसने इस वस्तु को 103.60 रु. अधिक में बेचा होता तो उसे 6% लाभ होता। वस्तु का क्रय मूल्य क्या है -**
(a) 278.60 रु. (b) 350 रु.
(c) 432 रु. (d) 560 रु.

उत्तर :- (d) 560 रु.

व्याख्या - माना वस्तु का क्रय मूल्य = x रु.
तब, $\left(x \times \frac{106}{100}\right) - \left(x \times \frac{87.5}{100}\right) = 103.60$
$\frac{53x}{50} - \frac{7x}{8} = \frac{10360}{100}$
$(212x - 175x) = 20720$
$37x = 20720$
$x = 560$
अतः वस्तु का क्रय मूल्य = 560 रु.

(13) **एक अनन्त गुणोत्तर श्रेणी का योग 8 है तथा इसका दूसरा पद 2 है। इस श्रेणी का प्रथम पद कितना है -**
(a) 16 (b) 8
(c) 4
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :- (c) 4

व्याख्या - यहां $\frac{a}{(1 - r)} = 8$ तथा $ar = 2$
$r = \frac{2}{a} \therefore \frac{a}{(1 - \frac{2}{a})} = 8$
$\frac{a^2}{(a - 2)} = 8$
$a^2 - 8a + 16 = 0$
$(a-4)^2 = 0$
$a = 4$
अतः प्रथम पद = 4

(14) **अरुण ने 120 रीम कागज 80 रु. प्रति रीम खरीदा। इसके लाने में 280 रु. भाड़े पर खर्च किये। 40 पैसे प्रति रीम की दर से चुंगी दी तथा 72 रु. कुली को दिये। इस पर 8% लाभ कमाने हेतु इसकी विक्रय दर प्रति रीम क्या होगी -**
(a) 86 रु.
(b) 87.48 रु.
(c) 89 रु.
(d) 90 रु.

उत्तर :- (d) 90 रु.

व्याख्या - 120 रीम कागज का कुल मूल्य
$= \left(120 \times 80 + 280 + \frac{120 \times 40}{100} + 72\right)$ रु.
= 10000 रु.
1 रीम कागज का क्रय - मूल्य = $\frac{10000}{120}$ रु. = $\frac{250}{3}$ रु.
इस पर अर्जित लाभ = 8%
1 रीम कागज का विक्रय - मूल्य = $\frac{250}{3}$ रु. का 108%
$\left(\frac{250}{3} \times \frac{108}{100}\right)$ रु. = 90 रु.

(15) **यदि $\frac{a}{b} = \frac{4}{5}$ तथा $\frac{b}{c} = \frac{15}{16}$ हो, तो $\frac{c^2 - a^2}{c^2 + a^2} = ?$**
(a) $\frac{1}{7}$ (b) $\frac{7}{25}$
(c) $\frac{3}{4}$
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :- (b) $\frac{7}{25}$

व्याख्या - $\frac{a}{c} = \left(\frac{a}{b} \times \frac{b}{c}\right) = \left(\frac{4}{5} \times \frac{15}{16}\right) = \frac{3}{4}$
$\frac{a}{3} = \frac{c}{4} = K$
$a = 3K, c = 4K$
$\therefore \frac{c^2 - a^2}{c^2 + a^2} = \frac{16K^2 - 9K^2}{16K^2 + 9K^2}$
$= \frac{7K^2}{25K^2} = \frac{7}{25}$

(16) **A, B, C के वेतन 1:2:3 के अनुपात में हैं। B तथा C का कुल वेतन 24000 रु. है। C का वेतन A के वेतन से कितने प्रतिशत अधिक है -**
(a) 50% (b) 80%
(c) 200% (d) 300%

उत्तर :- (c) 200%

व्याख्या - माना A का वेतन = x रु., B का वेतन = $2x$ रु. तथा c का वेतन = $3x$ रु. तब,
$2x + 3x = 24000$
$x = 4800$
C का वेतन = 14400, A का वेतन = 4800 रु.
अभीष्ट% $\left(\frac{(14400 - 4800)}{4800} \times 100\right)\%$
$= \left(\frac{9600}{4800} \times 100\right)\% = 200\%$

(17) **यदि $2 = x + \frac{1}{1 + \frac{1}{3 + \frac{1}{4}}}$ हो, तो x का मान है -**
(a) $\frac{12}{17}$ (b) $\frac{13}{17}$
(c) $1\frac{1}{17}$ (d) $1\frac{4}{17}$

उत्तर :- (d) $1\frac{4}{17}$

व्याख्या - दायाँ पक्ष = $x + \frac{1}{1 + \frac{1}{\left(\frac{13}{4}\right)}}$
$= x + \frac{1}{1 + \frac{4}{13}} = x + \frac{1}{\left(\frac{17}{13}\right)} = x + \frac{13}{17}$
$\therefore x + \frac{13}{17} = 2$
$x = \left(2 - \frac{13}{17}\right) = \frac{(34 - 13)}{17} = \frac{21}{17} = 1\frac{4}{17}$

(18) **300 ग्राम चीनी के घोल में 40% चीनी है। इसमें कितने ग्राम चीनी और मिलाई जाये कि नये घोल में 50% चीनी हो-**
(a) 10 ग्राम (b) 40 ग्राम
(c) 60 ग्राम (d) 80 ग्राम

उत्तर :- (c) 60 ग्राम

व्याख्या - 300 ग्राम घोल में चीनी = $\left(\frac{40}{100} \times 300\right)$ ग्राम = 120 ग्राम
इसमें पानी = 180 ग्राम
माना x ग्राम चीनी और डाली जाये।
घोल की मात्रा = (300+x) ग्राम,
चीनी की मात्रा = (120+x) ग्राम
$\therefore \frac{(120 + x)}{(300 + x)} \times 100 = 50$
$x = 60$
अतः अभीष्ट मात्रा = 60 ग्राम

(19) **750 रु. को A, B, C, D में इस प्रकार वितरित किया गया कि A को B तथा C के योग के बराबर, B को C से 125 रु. अधिक तथा D को C के बराबर मिलता है। इसमें A का भाग कितना है -**
(a) 100 रु. (b) 225 रु.
(c) 275 रु. (d) 325 रु.

उत्तर :- (d) 325 रु.

व्याख्या - माना D का भाग = x रु., तब C का भाग = x रु. B का भाग = (x+125) रु., A का भाग = (x+x+125) रु. ($2x$+125) रु.
($2x$+125) + (x + 125) + x + x = 750
$5x = 500$
$x = 100$
अतः A का भाग = ($2x$+125) रु. = (2x100+125) रु. = 325 रु.

- साहिल शर्मा
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

Subject : GENERAL ENGLISH

Fill in the blanks with suitable articles. (Question No. 1 to 5)

1. He purchased food items and essentials for ..... week due to lockdown.
(a) an (b) the
(c) a (d) no article

2. There is ..... major problem of laborers in lockdown situation.
(a) an (b) a
(c) the (d) no article

3. Raju filed ..... case against the people who had aggravated the communal violence.
(a) the (b)an
(c) a (d) no article

4. Our college library has ..... many books on Gandhiji.
(a) the (b) an
(c) no article (d) a

5. Everyone wants..... peace and happiness.
(a) an (b) a
(c) the (d) no article

Fill in the blank spaces with suitable prepositions. (Question No. 6 to 12)

6. She is looking ..... her sister.
(a) for (b) with
(c) on (d) in

7. He will join the webinar ..... time.
(a) to (b) at
(c) by (d) on

8. Nobody can move out of house ..... lockdown situation.
(a) about (b) on
(c) into (d) in

9. Please stay ..... home.
(a) of (b) at
(c) to (d) by

10. He cannot go ..... his family and community.
(a) by (b) against
(c) on (d) of

11. The life of laborers is mostly depended ..... daily/weekly wages.
(a) on (b) of
(c) from (d) in

12. It may take long time ..... cure this disease.
(a) in (b) to
(c) on (d) for

Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question No. 13 to 18)

13. The collector ..... to the office now.
(a) is coming
(b) come
(c) comes
(d) was coming

14. Dead bodies mostly ..... on water.
(a) is floating
(b) will float
(c) float
(d) would floating

15. Have you ever ..... nonsense questions in the class?
(a) asked (b) asking
(c) has asked (d) sees

16. I ..... his financial problems.
(a) understand
(b) am understanding
(c) have been understanding
(d) understands

17. He ..... NET examination thrice till date.
(a) is qualified
(b) qualified
(c) has qualified
(d) qualify

18. She .....me in writing next book.
(a) accompany
(b) is accompanying
(c) will company
(d) will accompany

Change the Voice. (Question No. 19 to 25)

19. Release the movie.
(a) You are requested to release the movie.
(b) Let me release the movie.
(c) Let the movie be released.
(d) The movie must be released.

20. None can relieve her pain.
(a) He cannot relieve her pain.
(b) Her pain can relieved by none
(c) Her pain cannot be relieve by anyone.
(d) Her pain can be relieved by none.

21. Mohan is cleaning the hospital.
(a) The hospital cleaning is done by Mohan.
(b) The hospital is being cleaned by Mohan.
(c) The hospital was being cleaned by Mohan.
(d) The hospital is cleaned by Mohan.

22. The community should not blame him for spreading Corona Virus.
(a) He for spreading Corona Virus blamed by the community.
(b) Spreading Corona Virus must not be blamed by the community.
(c) He should not be blamed by the community for spreading Corona Virus.
(d) He should be welcomed for not spreading the Corona Virus by the Community.

23. When does he shut down the mall?
(a) When he does shut down mall?
(b) When does the mall shut down by him?
(c) When is the mall shut down by him?
(d) At what time does he shut down mall?

24. Sofia assisted him in company project.
(a) He was assisted in company project by Sofia.
(b) In company project Sofia assisted him.
(c) He was assisted Sofia in company project.
(d) He assisted Sofia in company project.

Do as directed. (Question No. 25 to 28)

25. Raman is jobless in the city. (Make it negative)
(a) There are no jobs for Raman in the city.
(b) Jobless Raman is in the city.
(c) Raman has no job in the city.
(d) In the city, Raman is no job.

26. This novel is so interesting that I cannot stop reading it. (Use 'too')
(a) Too interesting this novel is to me to stop reading.
(b) This novel is too interesting to read.
(c) This novel is too interesting for me to stop reading.
(d) How interesting that novel is too stop reading it.

27. Ranjan is a very famous actor. (Make it exclamatory)
(a) What a famous actor Ranjan is!
(b) Ranjan is quite a famous actor.
(c) How famous actor Ranjan is!
(d) Actor is very famous Ranjan is!

28. The life is not at all difficult. (Change into affirmative)
(a) The life is not very easy.
(b) Difficult life that is.
(c) How difficult the life is!
(d) The life is very easy.

Choose the word nearest to the meaning of the given word. (Question No. 29 to 32)

29. Reply
(a) Forsake (b) Apply
(c) Respond (d) Negation

30. Enrage
(a) Soft (b) Jarring
(c) Shine (d) Infuriate

31. Rug
(a) Respectful (b) Carpet
(c) Rough (d) Esteemed

32. Bossy
(a) Useful (b) Submissive
(c) Handy (d) Dominant

Antonyms (Question No. 33 to 36)

33. Apart
(a) Separate (b) Glide
(c) Distant (d) Together

34. Captive
(a) Culprit (b) Hinder
(c) Free (d) Caged

35. Despair
(a) Desolation (b) Misery
(c) Prohibit (d) Hope

36. Melt
(a) Thaw (b) Dissolve
(c) Freeze (d) Colossal

One word substitutions. (Question No. 37 to 40)

37. An unconventional style of living.
(a) Bohemian
(b) Aristotelian
(c) Traditional
(d) Judicious

38. One who feeds on human flesh.
(a) Herbivorous
(b) Cannibal
(c) Criminal
(d) Notorious

39. One who runs away from justice.
(a) Immigrant
(b) Refugee
(c) Veracious
(d) Fugitive

40. A person who likes or admires women.
(a) Oligarchy
(b) Womanish
(c) Philogynist
(d) Amphibian

In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Questions 41 to 45)

41. (a) Recipt (b) Receept
(c) Reiciept (d) Receipt

42. (a) Farniture
(b) Furneeture
(c) Fuarniture
(d) Furniture

43. (a) Culender
(b) Caulender
(c) Calender
(d) Kalender

44. (a) Cautione (b) Caution
(c) Cation (d) Causion

45. (a) Colleague
(b) Collige
(c) Colleag
(d) Colliage

Answers

1. c, 2. b, 3. c, 4. c, 5. d, 6. a, 7. d, 8. d, 9. b, 10. b, 11. a, 12. b, 13. a, 14. c, 15. a, 16. a, 17. c, 18. d, 19. c, 20. d, 21. b, 22. c, 23. c, 24. a, 25. c, 26. c, 27. a, 28. d, 29. c, 30. d, 31. b, 32. d, 33. d, 34. c, 35. d, 36. c, 37. a, 38. b, 39. d, 40. c, 41. d, 42. d, 43. c, 44. b, 45. a.

Explanation

5. No article is used before the names of 'abstract noun'. Peace and Happiness are abstract nouns.

11. The verb 'depend' mostly followed by on or upon.

- Prafulkumar Prakash Vaidhya
(Assistant Professor in English Sardar Patel Mahavidyalaya, Chansdrapur)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. – 462011

NOTICE INVITING TENDER No. 137/MTN/2020

No. 6048/22/D-12/NIT-Maint./2020 Bhopal, Dated : 28.05.20
Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

Name of work : Repair & Maintenance of Rural Roads

1. Table No. 1 :- Name of Work – Post 5 Year

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	1	4950000.00
2.	Balaghat	2	31545000.00
3.	Chhindwara	6	39766000.00
4.	Dewas	2	17016000.00
5.	Dindori	1	9392000.00
6.	Harda	2	18773000.00
7.	Jabalpur	4	33597000.00
8.	Mandsour	2	6904000.00
9.	Raisen	3	35958000.00
10.	Rajgarh	2	19918000.00
11.	Satna	3	28112000.00
12.	Sehore	3	29181000.00
13.	Seoni	1	6335000.00
14.	Shahdol	1	29842000.00
15.	Shivpurri	1	21930000.00
16.	Sidhi	5	38062000.00
17.	Ujjain	1	15366000.00
18.	Umaria	2	40217000.00
19.	Singrauli	6	74383000.00

2. Table No. 2 :- Name of Work – Post 10 Years

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	4	53422000.00
2.	Anuppur	11	100470000.00
3.	Balaghat	2	40168000.00
4.	Barwani	4	56860000.00
5.	Betul	1	6919000.00
6.	Burhanpur	1	7031000.00
7.	Chhindwara	1	4582000.00
8.	Dewas	1	7950000.00
9.	Hoshangabad	1	9274000.00
10.	Jabalpur	1	6127000.00
11.	Mandla	5	94547000.00
12.	Mandsaur	1	8648000.00
13.	Rajgarh	1	24694000.00
14.	Rewa	7	61071000.00
15.	Sagar	1	981000.00
16.	Seoni	2	18746000.00
17.	Sidhi	8	53132000.00
18.	Shivpuri	4	54953000.00
19.	Ujjain	1	2662000.00
20.	Singrauli	1	1054000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 03.06.2020 17:30 hrs.** 2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/97430/43955/2020 **(T & e-G)**

खेलचर्चा

दिग्गज हॉकी खिलाड़ी बलवीर सिंह सीनियर का निधन

मोहाली, भारतीय हॉकी के पूर्व कप्तान बलवीर सिंह सीनियर का निधन हो गया।

95 वर्षीय बलवीर सिंह पिछले कई दिनों से बीमार थे। बलवीर सिंह को भारत के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे तीन बार ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे हैं। बलवीर सिंह को खेलों में उनके अतुलनीय योगदान के लिए वर्ष 1957 में पद्म श्री पुरस्कार मिल चुका है।

इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज ने शुरू की तैयारी

किंग्स्टन, वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने जुलाई में प्रस्तावित इंग्लैंड दौरे के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। वेस्टइंडीज की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान जेसन होल्डर की अगुवाई में कुछ खिलाड़ी छोटे-छोटे ग्रुप में अभ्यास के लिए मैदान में उतरे। अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों ने सोशल डिस्टेंसिंग सहित सभी सावधानियां बरतीं। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि वेस्टइंडीज को 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जून में इंग्लैंड का दौरा करना था, लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण इसे टाल दिया गया था।

फीफा ने हैती के फुटबॉल प्रमुख को किया निलंबित

पोर्ट ओ प्रिंस, फुटबॉल की सबसे बड़ी संस्था फीफा ने हैती फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष येवेस जीन बार्ट को निलंबित कर दिया है। बार्ट पर पोर्ट ओ प्रिंस के बाहरी इलाके में स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में पिछले 5 वर्षों में कई युवा महिला फुटबॉलरों के साथ बलात्कार करने का आरोप है। फीफा ने कहा कि आचार संहिता के अनुच्छेद 84 और 85 के अनुसार स्वतंत्र आचार समिति के जांच विभाग ने बार्ट पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया है।

क्रिकेटर शेहान मदुशनाका ड्रग्स के साथ हुए गिरफ्तार

कोलंबो, श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज शेहान मदुशनाका को पुलिस ने प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। इसके बाद श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मदुशनाका पर एक्शन लेते हुए उन्हें हर तरह के क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मदुशनाका ने बांग्लादेश के खिलाफ जनवरी 2018 में डेब्यू किया था। अपने डेब्यू मैच में मदुशनाका ने हैट्रिक लेकर सबको चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने 2 ट्वेंटी-20 मैच भी खेले हैं। इसके बाद से वे चोट के कारण टीम से बाहर थे।

चेल्सी ने गिरॉड और कैबलेरो के साथ अनुबंध बढ़ाया

लंदन, इंग्लैंड के विख्यात फुटबॉल क्लब चेल्सी ने फॉरवर्ड खिलाड़ी ओलिवियर गिरॉड और गोलकीपर विली कैबलेरो के साथ जारी अनुबंध को एक वर्ष बढ़ाने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ ही अब दोनों खिलाड़ी 2020-21 के सत्र के अंत तक चेल्सी की टीम में बने रहेंगे।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा

भारतीय क्रिकेट टीम अक्टूबर से जनवरी तक खेलेगी तीन सीरीज

सिडनी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस वर्ष के अंत में भारत के साथ होने वाली टेस्ट, वनडे और ट्वेंटी-20 सीरीज के लिए कार्यक्रम तय कर दिया है। सीए ने कहा कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चार टेस्ट, तीन वनडे और तीन ट्वेंटी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। सीए ने कोरोना महामारी का प्रभाव कम होने के बाद अपना ग्रीष्मऋतु का छह महीने का घरेलू कार्यक्रम घोषित किया है, जो नौ अगस्त से तीन मैचों की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के दौरे से शुरू होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के दौरे का विवरण देते हुए बताया कि इस दौरे की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी। ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें अक्टूबर में ट्वेंटी-20 सीरीज खेलेंगी। इसके बाद दोनों टीमें ट्वेंटी-20 विश्वकप में हिस्सा लेंगी। इसके बाद दिसम्बर 2020 और जनवरी 2021 में चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी तथा जनवरी 2021 में ही वनडे सीरीज भी आयोजित होगी। भारतीय टीम टेस्ट सीरीज के दौरान एक डे-नाइट टेस्ट मैच भी खेलेगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केविन रॉबर्ट्स ने कहा कि हम बीसीसीआई के साथ मिलकर पुरुष और महिला दौरे पर काम कर रहे हैं। हम न्यूजीलैंड के खिलाफ भी सीरीज आयोजित करने की कोशिश कर रहे हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के वित्तीय हालात के लिए भारतीय टीम का दौरा बेहद अहम है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को कोरोना महामारी के कारण अपने परिचालन को बनाए रखने के लिए स्टाफ की संख्या में

भारतीय टीम का दौरा कार्यक्रम

ट्वेंटी-20 सीरीज -	पहला ट्वेंटी-20	11 अक्टूबर	ब्रिस्बेन
	दूसरा ट्वेंटी-20	14 अक्टूबर	कैनबरा
	तीसरा ट्वेंटी-20	17 अक्टूबर	एडिलेड
टेस्ट सीरीज -	पहला टेस्ट	3 से 7 दिसंबर	ब्रिस्बेन
	दूसरा टेस्ट	11 से 15 दिसंबर	एडिलेड
	तीसरा टेस्ट	26 से 30 दिसंबर	मेलबर्न
	चौथा टेस्ट	3 से 7 जनवरी	सिडनी
वनडे सीरीज -	पहला वनडे	12 जनवरी	पर्थ
	दूसरा वनडे	15 जनवरी	मेलबर्न
	तीसरा वनडे	17 जनवरी	सिडनी

कटौती करनी पड़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस दौरे से 30 करोड़ ऑस्ट्रेलियन डॉलर की कमाई होगी। इसके अलावा भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम 22 जनवरी को कैनबरा में पहला वनडे, 25 जनवरी को मेलबर्न में दूसरा वनडे तथा 28 जनवरी को होबार्ट में तीसरा वनडे मैच खेलेगी।

आईसीसी ने क्रिकेट शुरू करने के लिए जारी की गाइडलाइन

दुबई, कोरोना महामारी के प्रकोप बाद से बंद क्रिकेट गतिविधियों को दोबारा शुरू करने के प्रयास आईसीसी ने शुरू कर दिए हैं। आईसीसी ने क्रिकेट को दोबारा शुरू करने के लिए गाइडलाइन जारी की है। इस गाइडलाइन के तहत ही घरेलू क्रिकेटर्स से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक के खिलाड़ी अभ्यास और खेल में हिस्सा ले सकेंगे।

आईसीसी ने अपनी गाइडलाइन को चार दौर में बांटा है। गाइडलाइन के पहले दौर के तहत खिलाड़ियों को अकेले ही अभ्यास करना होगा, वहीं दूसरे दौर में तीन-तीन खिलाड़ी समूह बनाकर अभ्यास कर सकेंगे। तीसरे दौर में खिलाड़ी छोटे ग्रुप में कोच की मौजूदगी में अभ्यास कर सकेंगे, वहीं चौथे दौर में टीम अपने पूरे दल के साथ मैच खेल सकेगी।

आईसीसी की गाइडलाइन में सभी क्रिकेट संघों से खिलाड़ियों की स्वास्थ्य तथा तापमान जांच और कोरोना परीक्षण कराने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा आईसीसी ने गेंदबाजों के लिए भी अलग गाइडलाइन जारी की है। आईसीसी ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में गेंदबाजों की तैयारी के लिए कम से कम 8 से 12 सप्ताह का समय होना चाहिए, क्योंकि गेंदबाजों को लंबे समय बाद खेल में वापसी पर चोटिल होने का ज्यादा खतरा रहेगा।

ग्यारह जून से शुरू हो सकती है ला लीगा

मेड्रिड, स्पेन की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग-ला लीगा के अध्यक्ष जेवियर टेबस ने उम्मीद जताई है कि 11 जून से ला लीगा शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि लीग का पहला मुकाबला कोरोना से जान गंवाने वालों के लिए श्रद्धांजलि के रूप में होगा और संभव है कि रियाल बैटिस और सेविला के बीच हो।

ओलिंपिक क्वालिफिकेशन की प्रक्रिया अगले वर्ष होगी शुरू

नई दिल्ली, बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) ने नया कैलेंडर जारी किया है। नए कैलेंडर के अनुसार अगले 5 महीने में 22 टूर्नामेंट आयोजित कराए जायेंगे। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण बाधित ओलिंपिक क्वालिफिकेशन की प्रक्रिया अगले साल से फिर शुरू होगी, जिसमें खिलाड़ियों के पहले से अर्जित रैंकिंग अंक बरकरार रहेंगे। बीडब्ल्यूएफ ने कहा है कि इस साल संशोधित कैलेंडर में घोषित टूर्नामेंट ओलिंपिक क्वालिफायर नहीं माने जाएंगे।

बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि बढ़ी हुई क्वालिफिकेशन अवधि वर्ष 2021 में पहले से 17वें सप्ताह के बीच होगी। इसमें स्थगित, निलंबित और रद्द किए गए टूर्नामेंट आयोजित कराए जाएंगे। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि 29 अप्रैल 2019 से 26 अप्रैल 2020 के बीच खिलाड़ियों द्वारा हासिल किए गए रैंकिंग अंक भी बरकरार रहेंगे।

बीडब्ल्यूएफ द्वारा जारी संशोधित कैलेंडर में भारत में आयोजित होने वाले प्रमुख टूर्नामेंट्स को भी जगह मिली है। नये कैलेंडर के अनुसार इंडिया ओपन 8 से 13 दिसंबर तक आयोजित होगा। हैदराबाद ओपन अब 11 से 16 अगस्त तक खेला जाएगा।

आईसीसी ने ट्वेंटी-20 विश्वकप के आयोजन पर फैसला टाला

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्वकप के भविष्य को लेकर होने वाला फैसला 10 जून तक के लिए टाल दिया है। आईसीसी ने कहा कि वह वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बीच आपात योजनाओं पर विचार कर रहा है।

आईसीसी ने बोर्ड की टेली कॉन्फ्रेंसिंग के बाद कहा कि बोर्ड आईसीसी प्रबंधन से आग्रह करता है कि वे कोरोना महामारी के कारण लगातार बदल रही जन स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए विभिन्न आपात विकल्पों को लेकर संबंधित हितधारकों से चर्चा जारी रखे।

आईसीसी के अनुसार बैठक में बताया गया कि मौजूदा हालात पर बोर्ड के सदस्यों ने अपने-अपने मुद्दों पर चर्चा की और महसूस किया कि शुद्धता और गोपनीयता बनाए रखने पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है और बोर्ड के मामलों को गोपनीय रखना भी जरूरी है। बैठक में आम सहमति से तत्काल एक स्वतंत्र जांच कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे आईसीसी के आचरण अधिकारी द्वारा किया जाएगा। 10 जून को होने वाली आईसीसी की अगली बैठक में इस बात को बोर्ड के सदस्यों को अवगत कराया जाएगा।

नाओमी ओसाका विश्व की सबसे अमीर महिला खिलाड़ी बनीं

न्यूयॉर्क, जापान की युवा टेनिस स्टार नाओमी ओसाका पिछले 12 महीनों में सर्वाधिक कमाई करने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। अमेरिका की व्यवसायिक पत्रिका फोर्ब्स के अनुसार ओसाका ने पिछले 12 महीनों में 3 करोड़ 74 लाख डॉलर कमाए हैं। ओसाका ने कमाई के मामले में अमेरिकी दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का भी रिकॉर्ड तोड़ा है। सेरेना ने पिछले वर्ष इनामी राशि और विज्ञापन से 3 करोड़ 60 लाख डॉलर की आमदनी प्राप्त की थी।

2 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं ओसाका

नाओमी ओसाका ने विश्व टेनिस के शीर्ष खिताब ग्रैंड स्लैम को 2 बार जीता है। ओसाका ने वर्ष 2018 में यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग के फाइनल में सेरेना

विलियम्स को 6-2, 6-4 से हराया, वहीं वर्ष 2019 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा को 7-6, 5-7, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

वर्ष 1990 से जारी हो रही है फोर्ब्स सूची

व्यवसायिक पत्रिका फोर्ब्स वर्ष 1990 से महिला खिलाड़ियों की आय की गणना कर सूची जारी कर रही है। लगभग हर वर्ष इस सूची में टेनिस खिलाड़ियों का ही दबदबा रहा है। इस वर्ष फोर्ब्स द्वारा जारी सर्वाधिक कमाई करने वाले खिलाड़ियों की ओवर ऑल (पुरुष एवं महिला) सूची में ओसाका 29वें स्थान पर हैं।

- **सर्वाधिक कमाई करने वाली महिला खिलाड़ियों की सूची में पिछले चार वर्षों से सेरेना विलियम्स टॉप पर थीं।**
- **वर्ष 2015 में रूस की मारिया शारापोवा ने इस सूची में हासिल किया था शीर्ष स्थान।**
- **मारिया शारापोवा टेनिस से संन्यास ले चुकी हैं वहीं सेरेना विलियम्स अभी भी टेनिस में सक्रिय हैं।**

आईसीसी के चेयरमैन शशांक मनोहर का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन शशांक मनोहर का कार्यकाल दूसरी बार नहीं बढ़ाया जाएगा। शशांक मनोहर ने कार्यकाल बढ़ाए जाने की अटकलों पर विराम लगाते हुए कार्यकाल को आगे बढ़ाने से मना कर दिया है। आईसीसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि शशांक मनोहर की जगह नए चेयरमैन की नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शशांक मनोहर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण शुरू

देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए चयनित चार भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों का रूस में फिर से प्रशिक्षण शुरू हो गया है।

रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने बताया कि गागरिन रिसर्च एंड टेस्ट कॉस्मोनॉट ट्रेनिंग सेंटर में भारत के प्रशिक्षणरत अंतरिक्ष यात्री स्वस्थ हैं और अपना प्रशिक्षण दोबारा शुरू करने को तैयार हैं।

डिज़िटल इंडिया की सफलता

गरीब और विकासशील देशों के लिए आशा की किरण - कॉमनवेल्थ महासचिव

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किये गए डिज़िटल इंडिया कार्यक्रम की सफलता को कॉमनवेल्थ की महासचिव पैट्रिशिया स्कॉटलैंड ने जम कर सराहा है। उन्होंने भारत द्वारा डिज़िटल टेक्नोलॉजी के द्वारा आम लोगों के जीवन में लाये सुधारों को गरीब और विकासशील देशों के लिए आशा और उम्मीद की नई किरण बताया है। एक इंटरव्यू में कॉमनवेल्थ की महासचिव पैट्रिशिया स्कॉटलैंड ने बताया कि जिस प्रकार से भारत ने डिज़िटल इंडिया के द्वारा जनता की आकांक्षाओं को तकनीक के नए प्रयोगों के द्वारा नए अवसर सृजित कर और डिज़िटल सेवाओं को कम दाम में लोगों तक पहुंचा कर सफलता पाई है, वो गरीब और विकासशील देशों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आया है। उन्होंने कहा, "यदि आप देखें तो हमारे गरीब देश, हमारे छोटे देश और हमारे विकासशील देश विकसित देशों की सफलता को आशा भरी नजरों से देखते तो हैं, लेकिन इन सफलताओं का अपने देशों में अनुसरण करने से डरते हैं,

क्योंकि इनकी कीमत बहुत अधिक होती है।

लेकिन जब वे भारत की ओर देखते हैं और पाते हैं कि भारत ने इन सफलताओं को कम कीमत वाली टेक्नोलॉजी के साथ हासिल किया है, तो उन्हें बड़ी उम्मीद दिखाई देती है। ये आशा का संचार करता है।" उन्होंने बताया कि जनवरी 2020 में अपने भारत दौरे के समय उन्होंने पाया कि भारत, गरीब और कमजोर लोगों की सहायता करने के लिए कई प्रयास कर रहा है।

चुरू और श्रीगंगानगर देश के सबसे गर्म शहर

देश में तेज गर्मी का दौर जारी है। राजस्थान का चुरु लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां 49.6

डिग्री तापमान दर्ज किया गया। राजस्थान के ही श्रीगंगानगर में 48.9 डिग्री तापमान रहा। ये दोनों ही दुनिया के 5 सबसे गर्म शहरों में शामिल रहे हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के 3 शहर दुनिया में सबसे अधिक गर्म रहे। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और मध्य भारत के इलाकों में गर्मी से राहत मिलेगी।

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में तेजी से फैल रहा कोरोना संक्रमण

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। ब्राजील फेडरल काउंसिल ऑफ नर्सिंग के सदस्यों ने बताया कि एक ही पीपीई किट को अलग-अलग शिफ्ट में कर्मचारी पहन रहे हैं। इससे वहां के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

ब्राजील वेंटिलेटर की समस्या से भी जूझ रहा है। ब्राजील के कई राज्य क्वारेंटाइन के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी दक्षिण अमेरिका को वैश्विक महामारी का नया केंद्र बताया है। डॉ. माइक रयान का कहना है कि इस वक्त ब्राजील सबसे ज्यादा प्रभावित है।

कोरोना संक्रमण

ब्रिक्स और एससीओ समिट हुईं स्थगित

कोरोना महामारी की वजह से ब्रिक्स और एससीओ (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन) समिट को स्थगित करने का

- **ब्रिक्स के तहत ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका आते हैं।**

रूस ने ऐलान किया है। यह समिट 21 से 23 जुलाई 2020 को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में होनी थी।

क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि कोरोना वायरस महामारी और उससे जुड़ी पाबंदियों की वजह से ब्रिक्स और एससीओ की आयोजन समिति ने मीटिंग को स्थगित करने का फैसला लिया है। बयान में कहा गया है कि आने वाले दिनों में हालात के मुताबिक नई तारीखों का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा।

गौरतलब है कि कोरोना के 3.71 लाख से ज्यादा मामले सामने आने के बाद रूस को भी संक्रमित देश घोषित किया गया है।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का विमान कराची में हुआ क्रैश

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का एक विमान पी.के.-8303, जो 91 यात्री और आठ क्रू मेंबर के साथ लाहौर से कराची

- **पायलट ने एटीसी से संपर्क कर दोनों इंजन बंद होने की सूचना दी थी।**
- **हादसे में 97 लोगों की मौत हो गई।**

आ रहा था अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रवक्ता के अनुसार पायलट ने 2.37 बजे (स्थानीय समयानुसार) लैंडिंग में दिक्कत की बात एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को बताई थी। हालांकि हादसे का कारण अभी भी अस्पष्ट है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मॉडल कॉलोनी के जिन्ना गॉर्डन में धुएं का गुबार देखा गया। कई घरों और वाहनों में आग लग गई। ज्ञात रहे कि

लॉकडाउन के चलते पाकिस्तान में तकरीबन एक हफ्ते पहले ही विमान परिचालन की छूट मिली थी।

स्पेस एक्स का ह्यूमन मिशन खराब मौसम के कारण लॉन्चिंग टली

अमेरिका का बहुप्रतीक्षित स्पेस एक्स-ह्यूमन मिशन मौसम की प्रतिकूलता के कारण लॉन्चिंग के अंतिम समय में स्थगित करना पड़ा। दरअसल स्पेस एक्स का एक रॉकेट नासा के पायलट डगलसो जी. हर्ले और रॉबर्ट एल. बेनकेन के साथ स्पेसक्राफ्ट ड्रैगन कैप्सूल को लेकर कैनेडी अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से उड़ान भरने वाला था। तेज बारिश और तूफान के कारण इसका प्रक्षेपण टालना पड़ा। अगर इसकी सफल लॉन्चिंग हो जाती तो स्पेस एक्स अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने वाली पहली निजी कंपनी बन जाती।

माना जा रहा है कि अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर इस प्रक्षेपण को रोक दिया गया।

मिशन प्रमुख ने कहा कि मौसम की अनुकूलता अगर होती है, तो सप्ताह के अंत में प्रक्षेपण के लिये प्रयास किया जायेगा।

चीन ने अपना रक्षा बजट बढ़ाया

चीन ने पिछले दिनों वर्ष 2020 के रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी की है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के वार्षिक सत्र में इसका ऐलान किया गया।

चीन ने कहा कि रक्षा बजट की बड़ी राशि सैनिकों की स्थिति सुधारने में खर्च की जाएगी। इस बार वह इस राशि का उपयोग नौसेना के प्रसार में करेगा, ताकि दक्षिण चीन सागर में पकड़ और ज्यादा मजबूत की जा सके।

इस बैठक में ताइवान और हांगकांग

- **चीन में रक्षा बजट 6.6 प्रतिशत बढ़ाया गया है।**
- **30 साल के इतिहास में पहली बार जीडीपी का लक्ष्य तय नहीं किया गया।**
- **चीन इस वर्ष 178.2 बिलियन डॉलर सिर्फ रक्षा क्षेत्र पर खर्च करेगा।**

मुद्दे पर ज्यादा समय दिया गया है। सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ली कोचियांग ने कहा कि महामारी की वजह से देश अनिश्चितता के बीच फंसा हुआ है।

महामारी के बाद भी चीन ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बजट ज्यादा रखा है, माना जा रहा है कि चीन दुनिया को दिखाना चाहता है कि उनका देश परिस्थितियों का शिकार नहीं हुआ है।

हांगकांग में

उठ रही चीन से आजादी की मांग

हांगकांग में इन दिनों चीन से स्वतंत्र होने के लिए लगातार जनविद्रोह की खबरें सामने आ रही हैं। हांगकांग की सड़कों पर लोग नारेबाजी, धरना और सड़क जाम कर चीन से अपनी आजादी की मांग कर रहे हैं। आजादी के अलावा लोग अलगाव की मांग भी लगातार कर रहे हैं।

ज्ञात रहे कि पिछले दिनों कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ। इनमें एक दर्जन से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। अमेरिका के बाद जापान ने भी हांगकांग के हालात पर चिंता जताई है। जबकि ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने कहा है कि राजनीतिक कारणों से हांगकांग से अगर कोई भागकर ताइवान आता है, तो उसे शरण दी जाएगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

हमसे पूछिए

पाठकों के लिए 'हमसे पूछिये' स्तम्भ का प्रकाशन किया जा रहा है। इस स्तम्भ के लिये 'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों से कॅरियर संबंधी सवाल आमंत्रित किये जाते हैं।

इन सवालों के जवाब प्रोफेसर जयंतीलाल भंडारी देते हैं। पाठक अपने सवाल नीचे दिये गये पते पर भेजकर कॅरियर संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पाठक पत्र लिखते समय पोस्टकार्ड या लिफाफे के ऊपर 'हमसे पूछिये' कॉलम जरूर लिखें।

रोज़गार और निर्माण
(हमसे पूछिये)
40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल, मध्यप्रदेश
पिनकोड-462 011

❍ मैं पीसीएम विषय के साथ 12वीं का स्टूडेंट हूँ। मैं कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में कॅरियर बनाना चाहता हूँ। मुझे क्या करना होगा ?

- रामसिंह लाखिया, कन्नौद

● देश में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री अर्थात निर्माण उद्योग बहुत तेजी से बढ़ रहा

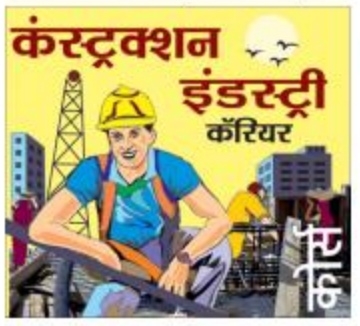

है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 तक भारत एशिया का सबसे बड़ा रियल एस्टेट मार्केट का रूप ले लेगा। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इस क्षेत्र में कॅरियर के कितने अवसर हैं। कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के अंतर्गत आर्किटेक्चर, बिल्डिंग इंजीनियरिंग और प्लानिंग जैसे कई कार्य आते हैं। आज परंपरागत मिस्त्री की जगह आर्किटेक्ट ने ले ली है। मिस्त्री का काम केवल उसके बनाए नक्शे पर बिल्डिंग तैयार करना रह गया है। आधुनिकीकरण के चलते आज इस क्षेत्र में कॅरियर की नई-नई संभावनाएँ भी सामने आ रही हैं। कंस्ट्रक्शन प्रक्रिया में आर्किटेक्चर, सिविल इंजीनियर, टाउन एंड कंट्री प्लानर, ड्राफ्टसमैन आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। निर्माण क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आवेदक में सेल्स स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स तथा कार्य के प्रति जिम्मेदार होना जैसे गुण होना जरूरी हैं। बी.आर्क अथवा सिविल इंजीनियरी कोर्स करने के उपरांत लोक निर्माण विभाग, डाक व तार, रेलवे, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और सार्वजनिक क्षेत्र के विभागों में रोज़गार की संभावनाएँ हैं। निजी क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएँ हैं। मल्टीनेशनल कंपनियों, रियल एस्टेट, डेवलपर फर्मों और निर्माण सलाहकार कंपनियों में योग्य कंस्ट्रक्शन एक्सपर्ट्स की भारी माँग है। बिल्डिंग और कंस्ट्रक्शन के पेशेवर लोग अपनी निजी कंपनी भी खोल सकते हैं। कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में कॅरियर बनाने हेतु बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क) अथवा सिविल इंजीनियरिंग का कोर्स सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके अलावा कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट में डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। बी.आर्क कोर्स में प्रवेश जेईई मेन्स अथवा नाटा प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है। बी.आर्क कोर्स में प्रवेश हेतु जेईई मेन्स में एक अतिरिक्त पेपर ड्राइंग, प्लानिंग आदि का भी देना होता है। नाटा प्रवेश परीक्षा के माध्यम से भी बी.आर्क कोर्स में प्रवेश दिया जाता है। सिविल इंजीनियरिंग के कोर्स में प्रवेश जेईई मेन्स के आधार पर दिया जाता है। इन कोर्सों में प्रवेश हेतु 12वीं में गणित विषय समूह होना आवश्यक है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली, सेंटर फॉर एन्वायरमेंट प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद सहित देश के प्रमुख संस्थानों से कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ा कोर्स किया जा सकता है।

❍ ट्रांसलेटर के रूप में कॅरियर के मौके कहाँ-कहाँ प्राप्त हो सकते हैं? मैं ट्रांसलेटर के रूप में कॅरियर बनाना चाहता हूँ। मार्गदर्शन दें?

- दीपक खरात, नागदा (उज्जैन)

● अनुवादक अर्थात ट्रांसलेटर ग्लोबलाइजेशन के परिणामस्वरूप उभरे रोज़गार के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। एक अच्छा ट्रांसलेटर देश और दुनिया में कॅरियर के कई मौके प्राप्त कर सकता है। चाहे विदेशी फिल्मों की भारतीय भाषा में डबिंग हो या विदेशी भाषा की पुस्तकों का अनुवाद, अनुवादक की हर जगह जरूरत पड़ती है। चाहे संयुक्त राष्ट्र की कार्यवाही हो या फिर संसद की कार्यवाही हो उसे विभिन्न भाषाओं में आम जनता तक पहुँचाने का कार्य भी अनुवादक के जरिए ही संभव है। अनुवादकों के लिए सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों, विश्व-विद्यालयों, प्रशिक्षण केन्द्रों तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बहुत अवसर हैं। इसके अलावा शिक्षण संस्थानों में तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मीडिया में अनुवाद की अहम भूमिका है। दूतावासों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवसायिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर एक-दूसरे से जोड़ने के लिए अनुवादक की जरूरत पड़ती है। आप स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए कई संगठनों के साथ भी जुड़ सकते हैं। अनुवादक बनने के लिए विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में डिप्लोमा और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं। डिप्लोमा एक साल का होता है। अनुवादक से संबंधित कोर्स में दाखिला लेने के लिए किसी भाषा में स्नातक होना जरूरी है। साथ ही दूसरी भाषा के ज्ञान और पढ़ाई की भी मांग की जाती है। मसलन हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद के डिप्लोमा कोर्स के लिए दोनों भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है। इनमें से छात्र ने किसी एक में स्नातक किया हो और इसके साथ ही साथ दूसरी भाषा भी पढ़ी हो। अनुवाद में आज विश्व-विद्यालय एम.फिल. तथा पीएचडी भी करा रहे हैं। अनुवाद का कोर्स कराने वाले प्रतिष्ठित संस्थानों में एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। अनुवाद का काम महज डिग्री व डिप्लोमा से ही नहीं सीख जा सकता है। इसके लिए निरंतर अभ्यास और व्यापक ज्ञान की भी जरूरत पड़ती है। भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, सेन्ट जेवियर्स कॉलेज, मुम्बई, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व-विद्यालय, नई दिल्ली, पुणे यूनिवर्सिटी, पुणे सहित देश के प्रमुख संस्थानों से अनुवादक का कोर्स किया जाना कॅरियर की दृष्टि से उपयुक्त रहेगा।

❍ ऑनलाइन एजुकेशन कॅरियर में किस तरह लाभप्रद है।

- अजीत कस्वे, इंदौर

● यकीनन ऑनलाइन एजुकेशन पिछले एक दशक से लगातार बढ़ती हुई

दिखाई दे रही है, लेकिन कोविड-19 के बीच ऑनलाइन एजुकेशन का महत्व बढ़ गया है। दुनिया के साथ भारत भी शिक्षा मुहैया कराने के लिए परंपरागत तरीकों से ऑनलाइन माध्यम की दिशा में आगे बढ़ गया है। निसंदेह लॉकडाउन और घर में बंद होने के कारण ज्यादातर छात्र किसी न किसी रूप में ऑनलाइन शिक्षा की डगर पर आगे बढ़ गए हैं। यह भी समझ लिया गया है कि कोविड-19 ने नए डिजिटल युग को तेजी से आगे बढ़ा दिया है और डिजिटल युग की सबसे पहली जरूरत आनलॉइन एजुकेशन ही है।

यद्यपि देश में ऑनलाइन शिक्षा की डगर पर मुश्किलें बनी हुई हैं, लेकिन इस बात को अच्छी तरह समझना जरूरी है कि कोविड-19 के बाद डिजिटल अर्थव्यवस्था में वे ही स्टूडेंट आगे बढ़ पाएंगे और अच्छा रोज़गार प्राप्त कर पाएंगे, जो ऑनलाइन एजुकेशन से अच्छी तरह पल्लवित और पुष्पित हुए हैं।

गौरतलब है कि विश्व प्रसिद्ध मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट के द्वारा प्रकाशित की गई रिपोर्ट 'डिजिटल इंडिया : टेक्नोलॉजी टू ट्रांसफॉर्म ए कनेक्टेड नेशन' में कहा गया है कि जहाँ भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था में वर्ष 2025 तक करीब 6 से 6.5 करोड़ रोज़गार अवसर पैदा होंगे। वहीं डिजिटलीकरण की वजह से संकट में आई करीब 4 से 4.5 करोड़ परम्परागत नौकरियां समाप्त हो जाएंगी। फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण से करीब 2 करोड़ से अधिक नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। एक ऐसे समय में जब कोविड-19 के बाद देश डिजिटल अर्थव्यवस्था की डगर पर आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है तब प्रत्येक स्टूडेंट के लिए जरूरी है कि वह नए दौर की चुनौतियों का सामना करते हुए ऑनलाइन एजुकेशन की बुनियाद के साथ रोज़गार के मौकों के लिए अपेक्षित कौशल योग्यता और कम्प्यूटर स्किल्स को मुट्ठियों में लेकर आगे बढ़ें।

❍ मैं साइंस बायोलॉजी का छात्र हूँ। मैं वन संरक्षण के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बना सकता हूँ?

- केशव पोलेकर, होशंगाबाद

● वनों की महत्ता से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। मनुष्य का अस्तित्व पेड़-पौधों और वनों के कारण ही है, इसीलिए वन संरक्षण के अध्ययन का महत्व बहुत बढ़ गया है। वन प्रबंधन अर्थात फॉरेस्ट मैनेजमेंट के तहत वनों की रक्षा के साथ-साथ वन लगाना भी शामिल होता है, ताकि इमारती एवं जलाऊ लकड़ी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। वनों को रोग, कीट, आग तथा अतिक्रमण से बचाने का दायित्व भी इसी के अंतर्गत आता है। इसके साथ ही जंगल में रहने वाले विभिन्न वन्य जीव जो कि पारिस्थितिकी संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इनकी रक्षा और संरक्षण का दायित्व भी वन प्रबंधकों का होता है। वनों के महत्व के चलते ही वन प्रबंधन के क्षेत्र में रोज़गार के अच्छे अवसर हैं। वन प्रबंधन से संबंधित कोर्स करने के उपरांत वन प्रबंधन से संबंधित कार्यालयों, प्रयोगशालाओं या आउटडोर फील्ड में काम करने के अवसर मिलते हैं। वन प्रबंधन से संबंधित कोर्स करने के उपरांत असिस्टेंट कंजरवेटर, चीफ कंजरवेटर और प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर के पद से होते हुए इंस्पेक्टर जनरल ऑफ फॉरेस्ट के पद तक पहुँचा जा सकता है। पेपर और लॉगिंग उद्योग में भी वन प्रबंधन में स्नातकों की भारी मांग है। जिन छात्रों ने वन प्रबंधन अथवा विज्ञान विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त की है वे संघ लोक सेवा आयोग अर्थात यूपीएससी द्वारा आयोजित भारतीय वन सेवा परीक्षा तथा विभिन्न राज्यों की वन सेवा परीक्षा में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त वन प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान की भी अच्छी संभावनाएँ हैं। वन प्रबंधन से संबंधित कोर्स करने के लिए उम्मीदवार का विज्ञान जीव विज्ञान समूह या कृषि विषय समूह से बारहवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जीव विज्ञान अथवा एग्रीकल्चर से बारहवीं करने के उपरांत वन प्रबंधन के क्षेत्र में बीएससी फॉरेस्ट्री की तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त की जा सकती है। बीएससी के बाद फॉरेस्ट मैनेजमेंट, फॉरेस्ट इकोनॉमिक्स, वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वाइल्ड लाइफ साइंस में एमएससी की जा सकती है। वन प्रबंधन के क्षेत्र में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट तथा डिप्लोमा स्तर पर ही नहीं बल्कि पीएचडी स्तर पर भी विभिन्न कोर्स उपलब्ध हैं। वन प्रबंधन से संबंधित कोर्स में प्रवेश एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर दिया जाता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल, वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, देहरादून, सेंटर फॉर सोशल फॉरेस्ट्री, इलाहाबाद आदि से वन प्रबंधन से संबंधित कोर्स किया जा सकता है।

❍ क्या कंपनी सेक्रेटरी कोर्स में कोई बदलाव किए गए हैं? इस समय कंपनी सेक्रेटरी के रूप में कॅरियर की क्या संभावनाएँ हैं?

- जिज्ञासा सेठ, जबलपुर

● इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) ने

कंपनी सेक्रेटरी का स्तर और बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई बड़े बदलाव किए हैं। ये बदलाव 3 फरवरी, 2020 को जारी राजपत्र के अनुसार लागू हो गए हैं। आईसीएसआई ने कंपनी सेक्रेटरी कोर्स में फाउंडेशन कोर्स को खत्म कर दिया है। अब कंपनी सेक्रेटरी बनने के लिए ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम देना होगा। इस एंट्रेंस एग्जाम को सीएस एक्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट नाम दिया गया है। यह एंट्रेंस एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड होगा। जिसमें मल्टीपल च्वॉइस क्वेश्चन, ऑडियो-वीडियो क्लिप और डिस्क्रिप्टिव पैटर्न पर आधारित प्रश्न होंगे। यह परीक्षा 135 मिनट की होगी, जिसमें से 120 मिनट मल्टीपल च्वाइस क्वेश्चन पैटर्न के लिए, शेष 15 मिनट ऑडियो-वीडियो क्लिप और डिस्क्रिप्टिव पैटर्न के लिए होंगे। परीक्षा में करंट अफेयर, बिजनेस कम्युनिकेशन, लीगल एप्टीट्यूड एंड लॉजिकल रीजनिंग, इकोनॉमिक एंड बिजनेस एन्वायर्नमेंट, प्रेजेंटेशन एंड कम्युनिकेशन स्किल के क्वेश्चन होंगे। परीक्षा में ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होगा। यह एंट्रेंस एग्जाम क्लियर करने के लिए प्रत्येक सब्जेक्ट में कम से कम 40 प्रतिशत अंक और ओवरऑल 50 प्रतिशत अंक लाने आवश्यक होंगे। यह एंट्रेंस एग्जाम वर्ष में चार बार सामान्यतः मई, जुलाई, नवंबर और जनवरी में होगा।

चूँकि अब कंपनी सेक्रेटरी कोर्स में फाउंडेशन परीक्षा समाप्त कर दी गई है। अतः अब एंट्रेंस एग्जाम क्लियर करते ही सीधे एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम में बैठा जा सकेगा। जिससे अब तीन साल का कंपनी सेक्रेटरी कोर्स दो साल में पूरा किया जा सकेगा। इस तरह एक साल की बचत होगी। जो स्टूडेंट्स चार्टर्ड अकाउंटेंट फाइनल या कॉस्ट अकाउंटिंग फाइनल कर चुके हैं, उन्हें सीएस एक्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट नहीं देना होगा। वे सीधे एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम में शामिल हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि, नए बदलाव के पहले तक कक्षा 12वीं के बाद सीएस कोर्स में सीधे रजिस्ट्रेशन होता था। साथ ही, ग्रेजुएट्स को एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम में डायरेक्ट एंट्री मिलती थी। नए बदलावों के पहले तक सीएस कोर्स पैटर्न 3 कैटेगरी-फाउंडेशन, एक्जीक्यूटिव और प्रोफेशनल में बंटा हुआ था। नए पैटर्न के अनुसार सीएस एजुकेशन को 2 कैटेगरी -एक्जीक्यूटिव और प्रोफेशनल में रखा गया है। पहले की तरह ही एक्जीक्यूटिव के बाद स्टूडेंट्स प्रोफेशनल प्रोग्राम में जा सकेंगे।

कंपनी सेक्रेटरी कोर्स के नए पैटर्न के तहत कोर्स स्ट्रक्चर अब 24 माह का होगा। पहले 1 माह की ट्रेनिंग चैप्टर ऑफिस से लेनी होगी। इसमें फंडामेंटल रूल्स की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद 21 माह की ट्रेनिंग प्रेक्टिसिंग होगी। यह प्रेक्टिसिंग किसी कंपनी सेक्रेटरी अथवा पंजीकृत कंपनी के अधीन की जा सकेगी। इसके बाद 2 माह की विशेष ट्रेनिंग होगी जो कि रेसिडेंशियल होगी। शुरुआती दौर में यह रेसिडेंशियल ट्रेनिंग आईसीएसआई के मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद व मानेसर परिसर में दी जाएगी। अब जब भी किसी सीएस सदस्य को सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस लेना होगा, उसके लिए उसे ओरिएंटेशन प्रोग्राम का हिस्सा बनना होगा। इस प्रोग्राम में सीएस के नियम, सिद्धांत आदि बताए जाएँगे। सदस्यता नवीनीकरण के लिए भी प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम करना होगा।

द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में 2020 के अंत तक 50 हजार अतिरिक्त कंपनी सेक्रेटरीज की आवश्यकता है। इसी रिपोर्ट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस क्षेत्र में रोज़गार के कितने अवसर हैं।

इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी, इंडिया पर कंपनी सेक्रेटरी प्रोफेशन के विकास और नियंत्रण का जिम्मा है। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के चार रीजनल ऑफिस मुंबई, चेन्नई, कोलकाता तथा नई दिल्ली में हैं। इनके अलावा 72 चैप्टर्स हैं जो देश के विभिन्न शहरों में स्थित हैं। सीएस से संबंधित और अधिक जानकारी के लिए संस्था के मुख्यालय द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया, आई.सी.एस.आई हाउस, 22 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 से संपर्क करें अथवा वेबसाइट एड्रेस www.icsi.edu लॉग ऑन करें।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(स्तंभकार देश के सीनियर कॅरियर काउंसलर हैं)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं सांध्य प्रकाश लिमिटेड, एफ-14, गोविन्दपुरा, औद्योगिक क्षेत्र, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।